सत्यमेव जयते

वार्षिक प्रतिवेदन
2013-2014

बौद्धिक
सम्पदा **भारत**

कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प,
व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक उपदर्शन

भारत सरकार

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय
औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग

2013-14 की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

अप्रैल 2013 – मई 2013

- विश्व बौद्धिक सम्पदा दिवस समारोह
- बौद्धिक सम्पदा पुरस्कार
- परीक्षकों के लिए प्रशिक्षण का समापन

जून 2013- जुलाई 2013

- पेटेंट की बहुआयामी जनोपयोगी सेवा का शुभारंभ जो परीक्षण हेतु अनुरोध को दर्शाती है जिसके लिए प्रथम परीक्षण रिपोर्ट जारी की जा रही है, पेटेंट आविष्कार के प्रभाव में होने की स्थिति दर्शाती है
- मेड्रिड प्रोटोकॉल के तहत व्यापार चिह्न का अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण

अगस्त2013 सितंबर 2013

- बहुआयामी जनोपयोगी सेवा जो प्रथम परीक्षण रिपोर्ट, लंबित व अनुदानित स्थिति दर्शाती है
- समाप्त हो गए, सीज़ हो चुके पेटेंट की खोज करने के लिए जनोपयोगी सेवा
- परीक्षकों के लिए उच्च प्रशिक्षण का समापन

अक्टूबर -नवंबर 2013

- पीसीटी के तहत अंतर्राष्ट्रीय खोज प्राधिकरण व अंतर्राष्ट्रीय प्रारम्भिक परीक्षण प्राधिकरण का कार्यारंभ
- व्यापार चिह्न की बहुआयामी जनोपयोगी सेवा जो वास्तविक समय आधार पर परीक्षण का ब्यौरा दर्शाती है
- व्यापार चिह्न के लिए व्यापक ई-फाइलिंग सेवाएँ

दिसंबर 2013- जनवरी 2014

- मैड्रिड प्रोटोकॉल के तहत कार्य के लिए दिशा-निर्देश
- व्यापार चिह्न के क्यू-आर कोडित पत्र-व्यवहार की स्वतः ईमेल

फ़रवरी 2014- मार्च 2014

पेटेंट (संशोधन) नियम 2014- "लघु अस्तित्व" हेतु विशेष रियायतों का आरंभ

सत्यमेव जयते

वार्षिक प्रतिवेदन
2013-14

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प,
व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक उपदर्शन

अनुक्रमणिका

		पृष्ठ संख्या
अध्याय-I.	पूर्वावलोकन	3
अध्याय-II	बौद्धिक सम्पदा अधिकार की प्रवृत्ति - एक नजर	5
अध्याय-III	जन सेवा प्रदान - दक्षता और पारदर्शिता	13
अध्याय-IV	पेटेंट	18
अध्याय-V	डिजाइन	38
अध्याय-VI	व्यापार चिह्न	44
अध्याय-VII	भौगोलिक उपदर्शन	55
अध्याय-VIII	पेटेंट सूचना पद्धति एवं राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान	63
अध्याय-IX	प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं बर्हि-क्रियाकलाप	68
अध्याय-X	मानव संसाधन	71

अध्याय - I

पूर्वावलोकन

बौद्धिक सम्पदा किसी देश की प्रगति का एक अत्यावश्यक घटक है। बौद्धिक सम्पदा अधिकार उन सृजनकर्त्ता और आविष्कारकों को अनन्य अधिकार प्रदान करता है जो ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में अपने सृजन द्वारा समाज के उन्नयन में योगदान करते हैं। बौद्धिक सम्पदा प्रणाली न केवल समाज के समेकित ज्ञान को समृद्ध करती है बल्कि उनके प्रसार में भी तेजी लाती है।

विगत कुछ दशकों में भारतीय बौद्धिक सम्पदा अधिकार पारितंत्र में आमूल परिवर्तन आया है। वैश्वीकरण से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करने के लिए भारत के बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों का आधुनिकीकरण किया गया है जिसके तहत मानव संसाधन और तकनीक अद्यतीकरण के माध्यम से उनकी आधारभूत संरचना का संवर्द्धन शामिल है।

सूचना का प्रसार बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रणाली के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण और अपरिहार्य घटक है तथा आज की तकनीक-सक्षम दुनिया लोकप्रशासन के क्षेत्र में उचित पारदर्शिता की अपेक्षा रखती है। इस अपेक्षा के अनुरूप बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रणाली में नवीन परिवर्तन किए गए हैं ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित की जा सके।

कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न तथा भौगोलिक उपदर्शन, भारत सरकार, वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के तहत औद्योगिक नीति व संवर्द्धन विभाग (डीआईपीपी) का अधीनस्थ कार्यालय है। यह कार्यालय पेटेंट, डिजाइन, व्यापार चिह्न तथा भौगोलिक उपदर्शन से संबंधित विधानों का प्रशासन इस प्रभावी तरीके से करता है जिससे देश में एक उचित और संतुलित बौद्धिक सम्पदा पारितंत्र का परिवेश सृजित किया जा सके। नागपुर में स्थित पेटेंट सूचना पद्धति (पीआईएस) तथा राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) भी कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प, व्यापार चिह्न तथा भौगोलिक उपदर्शन के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन हैं।

बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के संगठनात्मक चार्ट निम्नवत् हैं:

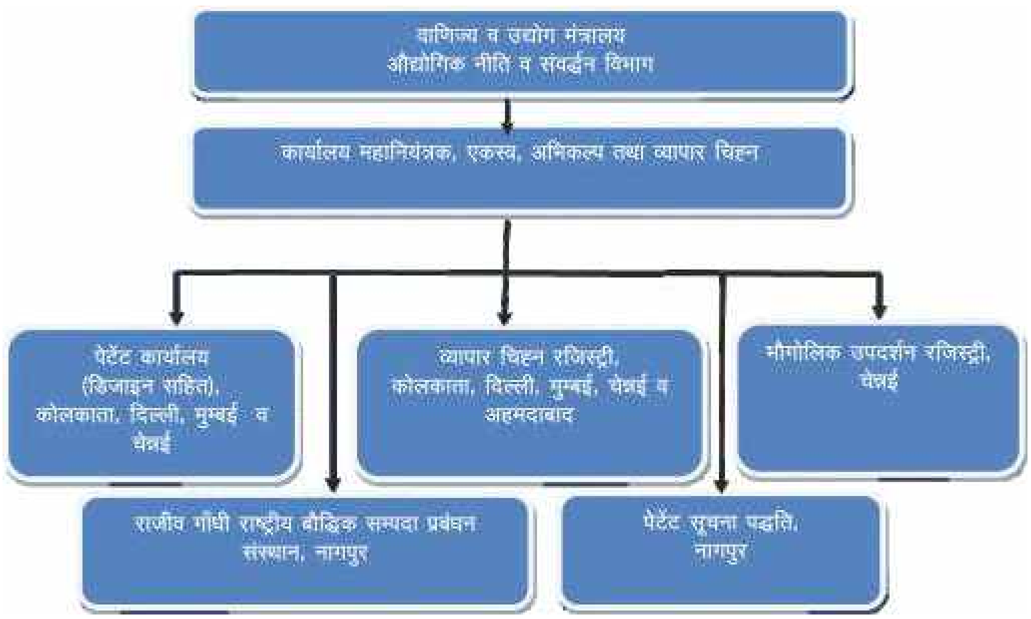

कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम) के नियंत्रणाधीन सभी कार्यालयों के प्रतिवेदन वर्ष के दौरान किए गए कार्यों का विस्तृत विवरण इस प्रतिवेदन के आगे के अध्यायों में दिया गया हैं। कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न के अंतर्गत सभी कार्यालयों के राजस्व एवं व्यय के ब्यौरे तथा अन्य संबद्ध सांख्यिकी भी शामिल की गई है। अद्यतन विधान, विभिन्न समारोहों के मुख्यांश और अन्य उपयोगी सूचना हमारी शासकीय वेबसाइट (http://www.ipindia.nic.in) पर उपलब्ध है।

(चैतन्य प्रसाद, भा.प्र.से.)
महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न

अध्याय - II

बौद्धिक सम्पदा अधिकार की प्रवृत्ति - एक नजर

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प तथा व्यापार चिह्न (सीजीपीडीटीएम) के अधीन सभी कार्यालयों में विगत वर्ष 2012-13 (2,46,251) की तुलना में प्रतिवदेन वर्ष 2013-14 (2,51,564) के दौरान बौद्धिक सम्पदा आवेदन दाखिल करने की दिशा में लगभग 2.16% की वृद्धि देखी गई है। बौद्धिक सम्पदा आवेदन दाखिल करने के संदर्भ में विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत् है।

आवेदन	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
पेटेंट	34,287	39,400	43,197	43,674	42,951
डिजाइन	6,092	7,589	8,373	8,337	8,533
व्यापार चिह्न	1,41,943	1,79,317	1,83,588	1,94,216	2,00,005
भौगोलिक उपदर्शन	40	27	148	24	75
कुल	**1,82,362**	**2,26,333**	**2,35,306**	**2,46,251**	**2,51,564**

पृथक बौद्धिक सम्पदा गतिविधियों का विवरण आगे दर्शाया गया है।

क. पेटेंट: 2013-14 के दौरान **42,951** पेटेंट आवेदन दाखिल किए गए। कार्यालय में विगत वर्ष की तुलना में आवेदन दाखिल करने में 1.65% की मामूली गिरावट देखी गई है। दाखिल, परीक्षित, अनुदानित, निरस्त तथा परित्यक्त पेटेंट आवेदनों के संदर्भ में विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत् है। किसी पेटेंट आवेदन को प्रतिवेदन वर्ष के दौरान परीक्षित हुआ माना गया है यदि इस वर्ष के दौरान कार्यालय ने प्रथम परीक्षण रिपोर्ट जारी कर दी है। निपटान में अनुदानित, निरस्त और परित्यक्त आवेदन शामिल है।

पेटेंट आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
दाखिल	34,287	39,400	43,197	43,674	**42,951**
परीक्षित	6,069	11,208	11,031	12,268	**18,615**
अनुदानित	6,168	7,509	4,381	4,126	**4,227**
परीक्षण हेतु अनुरोध का निपटान (अनुदानित+निरस्त+परित्यक्त)	11,339	12,851	8,488	9,027	**11,411**

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान पेटेंट कार्यालय ने **11,411** आवेदनों का निपटान किया जिनमें से **4,227** आवेदन पेटेंट अनुदान हेतु अग्रसर हुए, **6,410** परित्यक्त हुए और **774** आवेदनों को परीक्षण के बाद अस्वीकृत कर दिया गया। परीक्षित पेटेंट आवेदनों की कुल संख्या (प्रथम परीक्षण रिपोर्ट जारी) में विगत वर्ष की तुलना में 51.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई। जिन पेटेंट आवेदनों के लिए परीक्षण हेतु अनुरोध प्राप्त हुए थे उनमें 26.4 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई। सभी नव नियुक्त परीक्षक जिन्हें आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर में विधिवत् प्रशिक्षित किया गया था उन्होंने प्रशिक्षण पूर्ण करने के बाद अपने-अपने पेटेंट कार्यालयों में कार्य के प्रति महत्वपूर्ण योगदान दिया है। साथ ही, वर्ष 2013-14 के दौरान ही पेटेंट कार्यालय ने व्यापक कम्प्यूटरीकरण और स्वचालन के माध्यम से आंतरिक प्रसंस्करण प्रणाली का अद्यतीकरण किया है जिससे त्वरित और गुणतापरक परीक्षण और अन्य आउटपुट सुलभ कराया जा सके।

ख. डिजाइन: वर्ष के दौरान **8,533** डिजाइन आवेदन दाखिल किए गए जो विगत वर्ष की तुलना में 2.35% की आंशिक वृद्धि दर्शाते हैं। वर्ष 2013-14 में परीक्षित डिजाइन आवेदन की संख्या बढ़कर 7,281 हो गई जो 2012-13 के दौरान 6,776 थी। वर्ष 2012-13 के दौरान पंजीकृत 7,252 डिजाइन की तुलना में इस वर्ष के दौरान 7,178 डिजाइन पंजीकृत किए गए। विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत् है।

डिजाइन आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
दाखिल	6,092	7,589	8,373	8,337	**8,533**
परीक्षित	6,266	6,277	6,511	6,776	**7,281**
पंजीकृत	6,025	9,206	6,590	7,252	**7,178**
आवेदनों का निपटान	6,045	9,221	6,705	7,300	**7,226**

ग. व्यापार चिह्न: वर्ष **2013-14** में **2,00,005** व्यापार चिह्न आवेदन दाखिल किए गए। विगत वर्ष की तुलना में आवेदन दाखिल करने में लगभग **2.98%** की वृद्धि रही है। वर्ष के दौरान 2,03,086 आवेदन परीक्षित किए गए और 67,876 व्यापार चिह्न पंजीकृत हुए। विगत पाँच वर्षों की प्रवृत्ति निम्नवत् है।

व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
दाखिल	1,41,943	1,79,317	1,83,588	1,94,216	**2,00,005**
परीक्षित	25,875	2,05,065	1,16,263	2,02,385	**2,03,086**
पंजीकृत	67,490	1,15,472	51,735	44,361	**67,876**
आवेदनों का निपटान	76,310	1,32,507	57,867	69,736	**1,04,756**

घ. भौगोलिक उपदर्शन : 15 सितम्बर, 2003 से 31 मार्च, 2014 तक कुल **479** आवेदन प्राप्त किए गए हैं। वर्ष 2013-14 के दौरान **75** आवेदन दाखिल किए गए और कुल **22** भौगोलिक उपदर्शन पंजीकृत किए गए। विगत पाँच वर्षों के दौरान दाखिल आवेदनों एवं पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन की प्रवृत्ति निम्नवत् हैं।

भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
दाखिल	40	27	148	24	**75**
परीक्षित	46	32	37	30	**42**
पंजीकृत	14	29	23	21	**22**

ङ. अनुदानित/पंजीकृत बौद्धिक सम्पदा अधिकार की प्रवृत्ति: विगत 5 वर्षों के दौरान बौद्धिक सम्पदा अधिकार के अनुदान/पंजीकरण की तुलनात्मक प्रवृत्ति निम्नवत् है। कोष्ठक में प्रदत्त संख्या कुल निपटान प्रदर्शित करती है जिसमें अनुदानित, अस्वीकृत और परित्यक्त आवेदन शामिल है।

अनुदानित/पंजीकृत (और निपटाए गए) बौद्धिक सम्पदा अधिकार की तुलनात्मक प्रवृत्ति

वर्ष	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
पेटेंट	6,168 (11,339)	7,509 (12,851)	4,381 (8,488)	4,126 (9,027)	**4,227 (11,410)**
डिजाइन	6,025 (6,045)	9,206 (9,221)	6,590 (6,705)	7,252 (7,300)	**7,178 (7,226)**
व्यापार चिह्न	67,490 (76,310)	1,15,472 (1,32,507)	51,735 (57,867)	44,361 (69,736)	**67,876 (1,04,756)**
भौगोलिक उपदर्शन	14	29	23	21	**22**

2013-14 में दाखिल बौद्धिक सम्पदा आवेदनों की संख्या

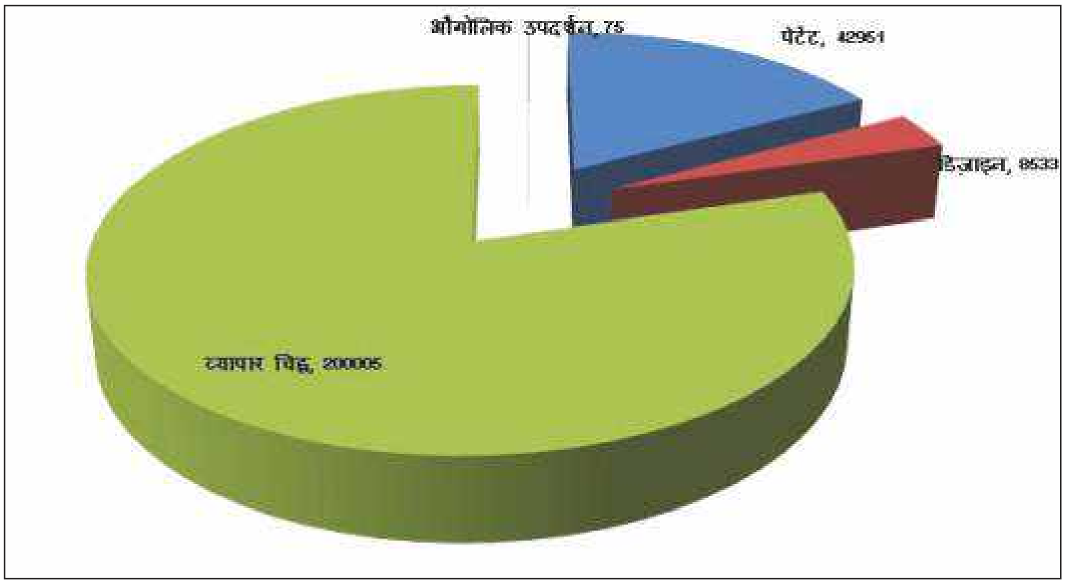

2013-14 में अनुदानित/पंजीकृत बौद्धिक सम्पदा अधिकार की संख्या

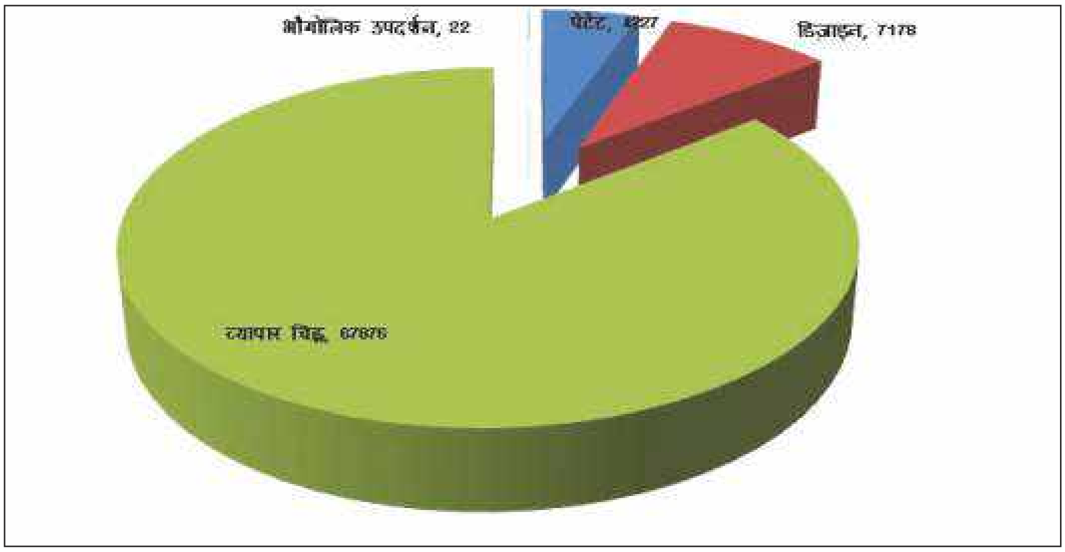

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 5 भारतीय आवेदक

क्र.सं.	कंपनी का नाम	दाखिल आवेदन
1.	टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज लिमिटेड	169
2.	सैमसंग आर & डी इन्स्टिट्यूट इंडिया- बंगलोर प्राइवेट लिमिटेड	84
3.	इंफोसिस	83
4.	सैमसंग इंडिया सॉफ्टवेयर ऑपरेशन्स प्राइवेट लिमिटेड	66
5.	विप्रो लिमिटेड	59
5.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	59

वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संगठनों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 भारतीय आवेदक

क्र.सं.	वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संगठन का नाम	दाखिल आवेदन
1.	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्	267
2.	रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन	116
3.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्	71
4.	जैवतकनीक विभाग, भारत सरकार	34
5.	ज्यूबिलेंट लाइफ साइंसेज लिमिटेड	29
6.	जी एच आर लैब्स एंड रिसर्च सेंटर	26
7.	हेटेरो रिसर्च फाउंडेशन	17
7.	सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग	17
8.	भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद्	14
9.	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन	12
10.	सेंटर फॉर एक्सलन्स इन वायरलेस टेक्नोलॉजी	8

संस्थानों और विश्वविद्यालयों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 भारतीय आवेदक

क्र.सं.	संस्थान / विश्वविद्यालय का नाम	दाखिल आवेदन
1.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	342
2.	अमिटी यूनिवर्सिटी	92
3.	सविता स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, सविता यूनिवर्सिटी	74
4.	भारत यूनिवर्सिटी	37
5.	भारतीय विज्ञान संस्थान	32
6.	जी.एच. रैसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग	27
7.	सिद्धगंगा प्रौद्योगिकी संस्थान	24
8.	श्री चित्रा तिरुनल इन्स्टिट्यूट फॉर मेडिकल साइंस एंड टेक्नोलॉजी	20
9.	कलकत्ता विश्वविद्यालय	15
10.	शास्त्र यूनिवर्सिटी	13
10.	राजारामबापू इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी	13

शीर्ष 10 विदेशी आवेदक

क्र.सं.	संगठन का नाम	आवेदनों की संख्या
1.	क्वालकम इंकॉरपोरेटेड	1062
2.	कोनिनक्लीके फिलिप्स इलेक्ट्रॉनिक्स एन.भी.	839
3.	टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल)	386
4.	रोर्बट बॉश जीएमबीएच	375
5.	सैमसंग इलेक्ट्रोनिक्स क. लि.	371
6.	बेस्फ एसइ	304
7.	सोनी कॉरपोरेशन	263
8.	जेनरल इलेक्ट्रिक कम्पनी	260
9.	सिमेन्स एकटाइनजेसेलशाफ्ट	249
10.	अल्काटेल ल्यूसेंट	222

शीर्ष 5 भारतीय पेटेंटग्राही

क्र.सं.	संगठन का नाम	अनुदानित पेटेंट
1	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्	98
2	समसैंग इंडिया सॉफ्टवेयर ऑपरेशन्स प्राइवेट लिमिटेड	84
3	हिन्दुस्तान यूनीलीवर लिमिटेड	32
4	भारत हैवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड	22
5	टाटा मोटर्स लिमिटेड	21

शीर्ष 5 विदेशी प्रवासी पेटेंटग्राही

क्र.सं.	आवेदक	अनुदानित पेटेंट
1	क्वालकम इंकॉरपोरेटेड	138
2	जीएम ग्लोबल टैक्नोलॉजी ऑपरेशन्स इंक.	79
3	टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल)	50
4	सिमेन्स एकटाइनजेसेलसाफ्ट	46
4	सैमसंग इलेक्ट्रोनिक्स क. लि.	46
4	थॉमसन लाइसेंसिंग एस.ए.	46
5	रिसर्च इन मोशन लिमिटेड	43

च. प्रकाशन एवं अनुदान-पूर्व विरोधः प्रतिवेदन वर्ष के दौरान पेटेंट अधिनियम,1970 की धारा 11क के तहत 31,413 पेटेंट आवेदन प्रकाशित किए गए तथा धारा 25(1) के तहत 309 अनुदान-पूर्व विरोध दाखिल हुए जो प्रकाशित आवेदनों का लगभग 1% है। प्रकाशित तथा अनुदान-पूर्व विरोध के लिए दाखिल आवेदनों का आरेखीय दृश्य निम्नवत् है।

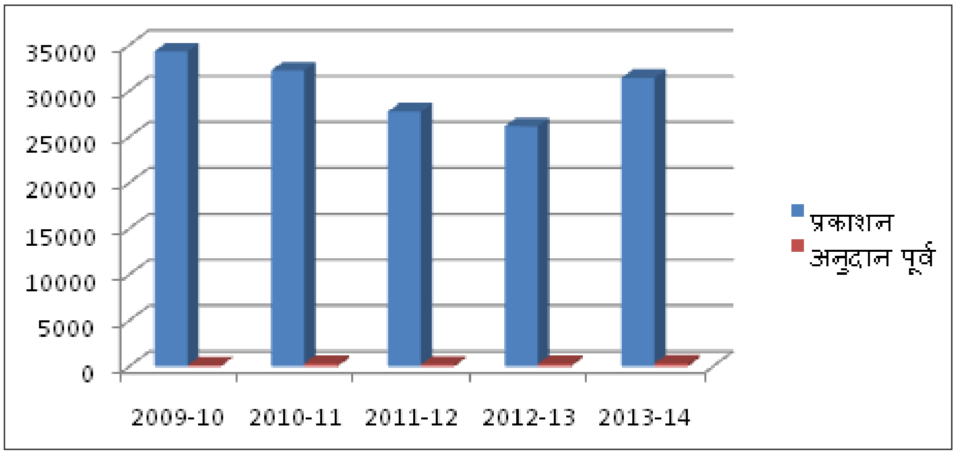

छ. राजस्व और व्यय: कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के अंतर्गत सभी कार्यालय सदैव राजस्व आधिक्य वाले कार्यालय रहे हैं। वर्ष 2013-14 के दौरान अर्जित कुल राजस्व **रु. 312.24 करोड़** था जो विगत वर्ष की तुलना में लगभग 10.60% अधिक है, जबकि कुल गैर-योजना व्यय **रु. 39.63 करोड़** था जिससे **रु. 272.61 करोड़** का राजस्व आधिक्य प्राप्त हुआ। पेटेंट कार्यालय ने **रु.189.61 करोड़** (पेटेंट **रु.188.27 करोड़** एवं डिजाइन **रु.1.33 करोड़**), व्यापार चिह्न रजिस्ट्री ने **रु.122.50 करोड़**, भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री ने **रु. 0.064 करोड़** तथा पेटेंट सूचना पद्धति और राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान ने **रु. 0.0663 करोड़** का कुल राजस्व अर्जित किया। बौद्धिक सम्पदा (आईपी) प्रशासन के राजस्व और व्यय का विवरण निम्नलिखित है।

(i) वर्ष 2012-2013 और 2013-2014 के दौरान उत्पादित राजस्व का तुलनात्मक विवरण

वर्ष	2012-2013 (रु.)	2013-14 (रु.)
पेटेंट	170,47,84,657	188,27,65,864
डिजाइन	1,29,32,740	1,33,73,044
व्यापार चिह्न	110,45,00,000	122,50,00,000
भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री	8,77,750	6,49,990
पीआईएस/आरजीएनआईआईपीएम	1,45,712	6,63,484
कुल	282,32,40,859	312,24,52,382

राजस्व (रु.में)

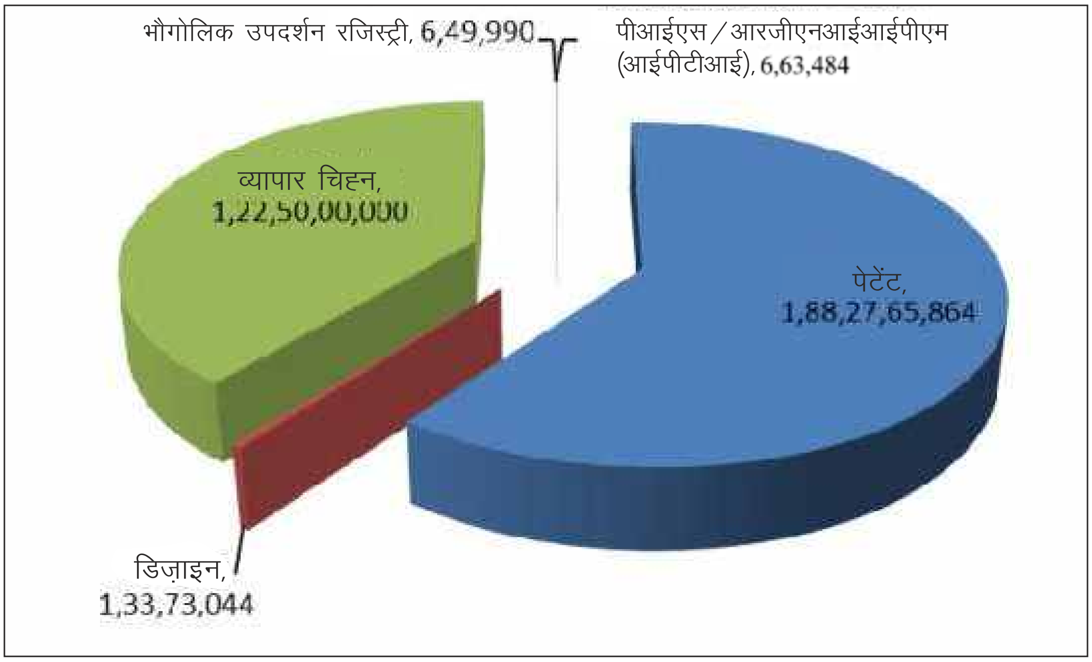

(ii) वर्ष 2012-2013 और 2013-2014 के लिए गैर-योजना व्यय की तुलना

वर्ष	2012-13 (रु.)	2013-14 (रु.)
पेटेंट (डिजाइन सहित)	25,33,12,134	26,82,76,788
व्यापार चिह्न	8,92,33,145	10,29,23,567
भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री	52,39,902	77,18,569
पीआईएस/आआरजीएनआईआईपी एम	1,91,35,616	1,74,69,862
कुल	36,69,20,797	39,63,98,077

गैर-योजना व्यय (रु. में)

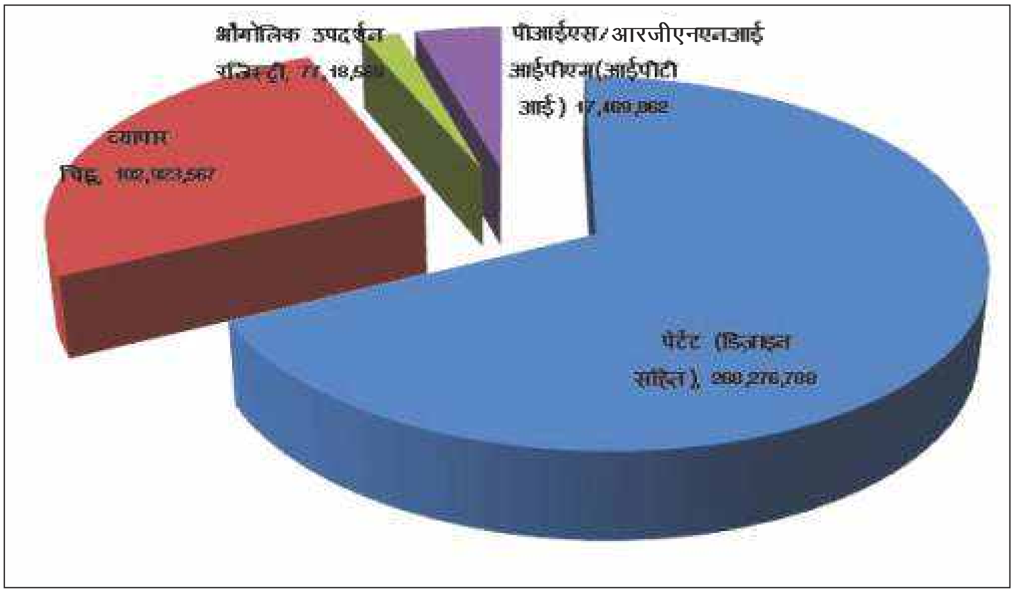

अध्याय - III

जन सेवा प्रदान - दक्षता और पारदर्शिता

बौद्धिक सम्पदा अधिकार और समाज पर उसके प्रभाव के प्रति लोगों में बढ़ती अभिज्ञता के परिणामस्वरूप भारत में बौद्धिक सम्पदा अधिकार के परिदृश्य में त्वरित परिवर्तन आया है। बौद्धिक सम्पदा अधिकार विषयक ज्ञान का प्रभावी उपयोग उस बौद्धिक चक्र के सृजन का एक प्रमुख अवयव है जिसमें बौद्धिक सम्पदा सृजित, संरक्षित और प्रयुक्त होती है। बौद्धिक सम्पदा अधिकार संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए आम जन की बढ़ती माँग के अनुरूप, बौद्धिक सम्पदा कार्यालय ने ऐसी जानकारी को आम जन तक प्रसारित करने के लिए कई पहल की हैं जिससे उसकी कार्यप्रणाली की दक्षता और पारदर्शिता में वृद्धि हो सके। सूचना प्रौद्योगिकी के सतत विकास के साथ बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों की कार्य प्रणाली तथा जन सेवा प्रणाली, सूचना प्रौद्योगिकी-समर्थ परिवेश के प्रयोग से संवर्धित हुई हैं। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान, मौजूदा कम्प्यूटर आधारित कार्य-व्यवस्था को और उन्नत बनाने की दिशा में कार्य हुआ ताकि बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों से तथ्य प्राप्त करना सुलभ हो सके। साथ-ही-साथ बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों की आंतरिक सूचना प्रौद्योगिकी का अद्यतीकरण और आधार-तथ्यों का संवर्धन भी किया गया है जिसके फलस्वरूप बौद्धिक सम्पदा कार्यालय सेवाओं को त्वरित और बेहतर रूप में उपलब्ध कराने में सक्षम हुए हैं।

सूचना का अधिकार

सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के नीति उद्देश्यों के क्रियान्वयन के प्रति बौद्धिक सम्पदा कार्यालय पूर्णतया प्रतिबद्ध है और अधिनियम के विधायी अभिप्राय तथा अधिदेश के अनुरूप लोगों को सूचना उपलब्ध कराने के लिए स्वयं सक्रिय है ताकि इन कार्यालयों के क्रियाकलापों में उच्चतम पारदर्शिता प्राप्त की जा सके।

पेटेंट

पेटेंट प्रणाली बौद्धिक सम्पदा सृजन को उत्प्रेरित करते हुए औद्योगिक विकास में ठहराव को रोकने में एक प्रमुख भूमिका निभाती है। यह आविष्कारकों और उद्योगपतियों को साथ मिलकर आगे बढ़ने और उनके उत्पादों, मशीनों और प्रक्रियाओं में सुधार लाने के लिए उनमें प्रतिस्पर्धा की भावना को बढ़ावा देती है। फलतः प्रौद्योगिकी का उन्नयन और ज्ञान के परिक्षेत्र का उत्तरोत्तर संवर्धन होता है जो पेटेंट प्रणाली का मूल सिद्धांत है।

पेटेंट आवेदनों के परीक्षण और अनुवर्ती प्रक्रियाओं के लिए पेटेंट कार्यालय को उच्च प्रशिक्षित अधिशासियों की आवश्यकता होती है। पेटेंट प्रणाली के आधार स्तंभ उसके पेटेंट परीक्षक हैं, जिन्हें, पेटेंट अधिनियम के अधिदेश द्वारा, पेटेंट विनिर्देश में वर्णित आविष्कार का उसकी नवीनता, मौलिकता, औद्योगिक प्रयोजनीयता और अन्य पेटेंट योग्य अपेक्षाओं के संदर्भ में परीक्षण करने का दायित्व प्राप्त है।

विगत दो वर्षों में पेटेंट आवेदनों की बढ़ती संख्या के निष्पादन के लिए पेटेंट कार्यालय ने 164 अतिरिक्त परीक्षक नियुक्त किए हैं। इन नव नियुक्त परीक्षकों को कार्य आवंटित करने से पहले संस्थागत और कार्यरत प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से उपयुक्त अनुस्थापन प्रदान किया गया।

पेटेंट कार्यालय में नियंत्रक, एकस्व और अभिकल्प, सीजीपीडीटीएम द्वारा प्रत्यायोजित शक्ति के साथ कार्य करते हैं और अर्द्धन्यायिक गतिविधि संपादित करते हैं। इन नियंत्रकों के लिए न्यायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन नियमित अंतराल पर नेशनल लॉ यूनिवर्सिटी, दिल्ली के साथ मिलकर किया जाता है। ऐसे एक कार्यक्रम का संचालन अक्तूबर, 2013 में किया गया। जिला न्यायालयों और दिल्ली उच्च न्यायालय के पदस्थ और सेवा निवृत्त न्यायाधीशों के साथ-साथ विधान से जुड़ी विख्यात हस्तियों ने

प्रशिक्षण प्रदान किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में विधान के अन्य पहलूओं के साथ-साथ, नैसर्गिक न्याय के पक्ष, प्रशासनिक विधान, सांविधानिक विधान और विधायी विश्लेषण शामिल थे।

सभी कार्यालयों में एकरूपता बनाए रखने और परीक्षण प्रक्रियाओं में पारदर्शिता प्राप्त करने के उद्देश्य से पेटेंट कार्यालय ने वर्ष 2013-14 में कम्प्यूटर संबंधी आविष्कारों तथा औषधि के क्षेत्र में पेटेंट आवेदन के परीक्षण से संबंधित दो प्रारूप दिशानिर्देश हितधारकों की टिप्पणी के लिए वेबसाइट पर प्रकाशित किए जिससे उन्हें अंतिम रूप दिया जा सके।

पेटेंट कार्यालय ने 15 अक्तूबर 2013 से पीसीटी के तहत अंतर्राष्ट्रीय अन्वेषण प्राधिकारी (आईएसए) तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रारंभिक परीक्षण प्राधिकारी (आईपीईए) के रूप में कार्य करना प्रारंभ कर दिया। पेटेंट (संशोधन) नियम, 2013 भी 15 अक्तूबर 2013 से प्रभावी हो गया जिससे पेटेंट कार्यालय के लिए आईएसए/आईपीईए की गतिविधि संचालित करना सुलभ हुआ। आईएसए/आईपीईए द्वारा प्राप्त अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों पर कार्यवाही की जाती है और कार्यालय द्वारा विकसित विशिष्ट सॉफ्टवेयर के माध्यम से सभी रिपोर्ट पूर्णतया इलेक्ट्रॉनिक रूप में जारी होती हैं। 15 अक्तूबर, 2013 से 31 मार्च 2014 की अवधि के दौरान भारतीय पेटेंट कार्यालय ने पीसीटी के तहत 18 अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों के संदर्भ में अंतर्राष्ट्रीय अन्वेषण रिपोर्ट और लिखित अभिमत स्थापित किये।

बौद्धिक सम्पदा कार्यालय की एक बहुआयामी वेबसाइट है जिसमें पेटेंट, डिजाइन, व्यापार चिह्न और भौगोलिक उपदर्शन का आवेदन दाखिल करने और उस पर कार्यवाही करने संबंधी विवरण प्रदान किया जाता है जिस पर वास्तविक समय आधार पर अद्यतन जानकारी लॉगइन-मुक्त खोज पोर्टल में उपलब्ध कराई जाती है ताकि सभी हितधारकों के बीच बौद्धिक सम्पदा सूचना का प्रसार सहज हो सके और बौद्धिक सम्पदा कार्यालय की कार्य-पद्धति में उच्च स्तर की पारदर्शिता प्राप्त की जा सके।

आईपीओ वेबसाइट एक सशक्त पेटेंट खोज पोर्टल है जिस पर पेटेंट कार्यवाही विवरण, पेटेंट सूचना, मैनुअल और दिशा-निर्देश और पेटेंट विषयक अन्य सूचना बहुतायत में उपलब्ध हैं जहाँ नित्य नवीन जानकारी का समावेश किया जाता है जिससे जन सेवा प्रदान करने की एक सक्षम व्यवस्था, पारदर्शिता प्राप्त हो और उपयोक्ताओं के लिए बौद्धिक सम्पदा सूचना का प्रसार हो सके। यह खोज पोर्टल पेटेंट के लिए निःशुल्क ऑनलाइन जन-खोज सुविधाएँ प्रदान करता है। साप्ताहिक पेटेंट कार्यालय जर्नल का प्रकाशन प्रत्येक शुक्रवार को इलेक्ट्रॉनिक रूप में खोज कर सकने योग्य फॉर्मेट में किया जाता है।

ई-फाइलिंग मोड्यूल को सभी 28 फॉर्म ऑनलाइन दाखिल करने और पेटेंट नियम, 2003 की प्रथम अनुसूची की प्रविष्टियाँ करने के लिए पूर्णतया सक्षम बनाया गया है।

आम लोगों तक सूचना पहुँचाने के अपने प्रयास के अंतर्गत वर्ष 2013-14 के दौरान पेटेंट कार्यालय ने कई बहुआयामी जनोपयोगी सेवाओं की शुरूआत की जो वास्तविक समय आधार पर कार्यालय में पेटेंट आवेदनों की स्थिति संबंधी महत्वपूर्ण और उपयोगी सूचना आम जन तक पहुँचाता है। इन बहुआयामी जनोपयोगी सेवाओं की कुछ महत्वपूर्ण विशेषताएँ निम्नवत् हैं:

- किसी पेटेंट के प्रभाव में होने या समाप्त होने की स्थिति ज्ञात करने के लिए पेटेंट संख्या या अविष्कार के शीर्षक का उपयोग करते हुए पेटेंट योग्य खोज की स्थिति पर बहुआयामी जनोपयोगी सेवा।
- पेटेंट कार्यालय द्वारा निष्पादन पेटेंट आवेदनों (अनुदानित, अस्वीकृत और परित्यक्त आवेदनों) के माह/दिनांक अनुसार निष्पादन के विवरण देता है।
- परीक्षण हेतु अनुरोध की स्थिति एक बहुआयामी जनसेवा है जो सक्रिय रूप से परीक्षण हेतु अनुरोध (फॉर्म 18) का मास और वर्ष परीक्षित और प्रत्येक परीक्षण समूह में जारी **एफईआर** प्रदर्शित करता है। यह जनोपयोगी सेवा आवेदकों को उनकी शिकायत दर्ज करने के अवसर भी देती है यदि उनका अनुरोध उस महीने से पहले किया गया था जिसके लिए परीक्षण संचालित किया जा रहा है।
- बहुआयामी **एफईआर** देखें से जारी प्रथम परीक्षण रिपोर्ट देखी जा सकती है।

- आविष्कार के विभिन्न क्षेत्रों के लिए पेटेंट आवेदनों की बहुआयामी स्थिति एक अन्य उपयोगी सेवा है जिससे परीक्षण किए जा रहे आवेदन, अस्वीकृत, अनुदानित, परित्यक्त, धारा 21 के तहत वापस लिये गये या 15 महीने के बाद वापस लिये गये आवेदन देखे जा सकते हैं।
- कार्यालय में दाखिल जारी पेटेंट संबंधी सूचना (धारा 146 के तहत) भी प्रकाशित होती है जिसमें पेटेंट संख्या/आवेदन संख्या/पेटेंटधारी का नाम का प्रयोग कर खोजने की सुविधा है।

जनसेवा प्रदान प्रणाली में उत्तरोत्तर पारदर्शिता बढ़ाने और हितधारकों को पेटेंट कार्यालय द्वारा जारी दस्तावेज की विश्वसनीयता स्थापित करने के उद्देश्य से पेटेंटधारी को दिए जाने वाले आवेदन दाखिल करने की रसीद, पेटेंट प्रमाणपत्र और नवीकरण शुल्क प्रमाणपत्र पर **क्यू आर** कोड जारी करने की प्रणाली प्रारंभ की गई है।

डिजाइन

डिजाइन अधिनियम, 2000 और उसके अंतर्गत निर्मित नियमों के तहत पेटेंट कार्यालय, कोलकाता का डिजाइन स्कंध डिजाइन के पंजीकरण हेतु प्राप्त आवेदनों का परीक्षण और अन्य कार्यवाहियाँ संपादित करता है। हालाँकि प्रारंभिक आवेदन दाखिल करने और रसीद जारी करने की सुविधा सभी शाखा कार्यालयों पर उपलब्ध है। 2013-14 के दौरान पुराने पंजीकृत डिजाइन, जिन्हें 1911 के निरस्त अधिनियम के तहत वर्गीकृत किया गया था, उन्हें डिजाइन अधिनियम, 2000 और उसके अंतर्गत निर्मित नियमों के तहत पुनः वर्गीकृत किया गया। 1989 के बाद के सभी अभिलेखों को डिजाइन नियम, 2000 की तृतीय अनुसूची के अनुसार पुनः वर्गीकृत किया गया और इन तथ्यों को सार्वजनिक खोज के लिए उपलब्ध कराने के प्रयास प्रारंभ किए गए हैं।

व्यापार चिह्न

व्यापार चिह्न अधिनियम, 1940 के तहत स्थापित व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, व्यापार और पण्य चिह्न अधिनियम, 1958 और उसके बाद व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 के तहत जारी है । यह मुख्यतः व्यापार चिह्न के पंजीकरण और उसकी बेहतर संरक्षा और व्यापार चिह्न के रजिस्टर के रखरखाव से संबंधित है। व्यापार चिह्न अधिनियम की धारा 3 के तहत नियुक्त महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न, रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न के रूप में कार्य करता है। व्यापार चिह्न रजिस्ट्री के अधिकारी व्यापार चिह्न अधिनियम के तहत, रजिस्ट्रार, व्यापार चिह्न के पर्यवेक्षण और निदेशों के अंतर्गत अपने दायित्व का निर्वहन करते हैं। व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 की धारा 2(1)(ze) के अनुसार पंजीकार, व्यापार चिह्न के साथ-साथ उनके पर्यवेक्षण और निदेशों के अंतर्गत कार्य करने वाले अधिकारी एक अधिकरण की तरह कार्य करते हैं।

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की गतिविधियों को उसके विद्यमान अधिशासियों एवं कर्मचारियों के महत्तम उपयोग के लिए पुनर्गठित किया गया है। व्यापार चिह्न के सभी फार्म ऑनलाइन दाखिल करने की सुविधा प्रदान की गयी है। व्यापार चिह्न आवेदनों के साथ पंजीकृत व्यापार चिह्न के विवरण आम जनता के लिए उपलब्ध है जिससे पारदर्शिता आती है।

व्यापार चिह्न आवेदनों का परीक्षण केन्द्रीकृत रूप में जारी रहा और व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, आईपीओ, मुम्बई से संचालित किया गया। परीक्षण हेतु आवेदनों का वितरण उनकी वरीयता के अनुसार व्यापार चिह्न प्रणाली सॉफ्टवेयर द्वारा स्वयमेव किया जाता है और परीक्षण रिपोर्ट किसी भी पर्यवेक्षक परीक्षक के अनुमोदनार्थ सॉफ्टेवयर द्वारा स्वयमेव अग्रसारित की जाती है। इस प्रकार परीक्षण हेतु किसी केस के चयन या परीक्षण रिपोर्ट के अनुमोदन में कोई मानवीय हस्तक्षेप नहीं रहा।

पूर्व में व्यापार चिह्न आवेदनों पर व्यापार चिह्न प्रणाली के पुराने संस्करण के तहत मानवीय कार्रवाई की जाती थी। 'पीएआरएम बैकलॉग' के नाम से एक विशेष अभियान चलाया गया जिससे व्यापार चिह्न के सभी आवेदनों को प्रक्रिया की नई प्रणाली के तहत लाया जा सके और मानवीय प्रक्रिया को

हटाते हुए किसी आवेदन का विधि अनुसार उचित निष्पादन किया जा सके। एक अन्य विशेष अभियान पंजीकृत व्यापार चिह्न में उत्तर-पंजीकरण परिवर्तन दर्ज करने हेतु अनुरोध के निष्पादन के लिए चलाया गया।

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में पूर्ण पादर्शिता प्राप्त करने के उद्देश्य से लंबित व्यापार चिह्न आवेदन एवं पंजीकृत व्यापार चिह्न, उनके साथ दाखिल सभी दस्तावेज की प्रति सहित, कार्यवाही इतिहास, परीक्षण रिपोर्ट आदि के पूर्ण विवरण शासकीय वेबसाइट www.ipindia.nic.in के माध्यम से वास्तविक समय आधार पर आम जनता के लिए नि:शुल्क उपलब्ध कराए गए हैं। व्यापार चिह्न प्रणाली को अधिक प्रभावी और उपयोक्ता सुलभ बनाया गया है। व्यापार चिह्न रजिस्ट्री जर्नल प्रत्येक सोमवार को इलेक्ट्रॉनिक रूप में वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाता है।

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, मुम्बई से केन्द्रीकृत रूप में व्यापार चिह्न पंजीकरण प्रमाणपत्र जारी करने के लिए एक इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली विकसित और कार्यकारी की गई है जिसमें उपयुक्त मामलों में प्रमाणपत्रों का मुद्रण और प्रेषण शामिल है।

8 अप्रैल, 2013 को भारत सरकार, व्यापार चिह्न के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण और संरक्षा हेतु मैड्रिड प्रोटोकॉल से सहमत हुई। मैड्रिड प्रोटोकॉल के प्रावधान 8 जुलाई, 2013 से प्रभावी हुए।

मैड्रिड प्रोटोकॉल के तहत व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की गतिविधियों के लिए 'व्यापार चिह्न अंतर्राष्ट्रीय आवेदन प्रणाली' नामक एक अनुप्रयोग सॉफ्टवेयर विकसित किया गया।

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री ने 'उद्गम कार्यालय' के रूप में *व्यापार चिह्न के लिए विस्तृत ई-फाइलिंग सेवा* के माध्यम से भारतीय उद्यमियों या उनके प्राधिकृत अभिकर्त्ताओं द्वारा अंतर्राष्ट्रीय आवेदन ऑनलाइन प्राप्त करना शुरू किया। 'निर्धारित करारबद्ध पक्ष के कार्यालय' के रूप में मैड्रिड प्रोटोकॉल के तहत कार्यालय ने भारत को निर्दिष्ट करने वाले अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरणों के संदर्भ में वायपो के अंतर्राष्ट्रीय ब्यूरो से अधिसूचनाएँ प्राप्त करनी प्रारंभ की।

मैड्रिड प्रोटोकॉल के तहत आवेदन/दस्तावेज और सभी पत्राचार केवल *विस्तृत ई-फाइलिंग सेवा* गेटवे के माध्यम से प्राप्त होते हैं । वायपो के अंतर्राष्ट्रीय ब्यूरो के साथ-साथ आवेदक/स्वत्वधारी/व्यापार चिह्न अभिकर्त्ताओं से प्राप्त/को प्रदत्त सभी पत्राचार केवल इलेक्ट्रॉनिक प्रणाली के माध्यम से ही किया जाता है।

व्यापार चिह्न के लिए बहुआयामी जनोपयोगी सेवाएँ वेबसाइट पर उपलब्ध कराई गई हैं जो निम्नवत् है:

- एक बहुआयामी व्यापार चिह्न जनोपयोगी सेवा जो वास्तविक समय आधार पर व्यापार चिह्न आवेदनों के परीक्षण, कारण बताओ सुनवाई, व्यापार चिह्न जर्नल में प्रकाशन, व्यापार चिह्न का पंजीकरण और परित्याग, अस्वीकृति आदि के माध्यम से आवेदनों के अन्य निष्पादन के विवरणों के साथ-साथ मासिक अथवा दिनांक अनुसार जारी अन्य सूचनाएं आम जनता के लिए उपलब्ध कराती है।
- टीएमआर में सुनवाई और स्थगन के विवरण वेबसाइट पर प्रदान किए जाते हैं।
- व्यापार चिह्न आवेदनों की डाटा एंट्री में लिपिकीय त्रुटियों के ऑनलाइन परिमार्जन हेतु एक व्यवस्था आम जनता को उपलब्ध कराई गई है जहाँ किसी व्यापार चिह्न आवेदन के आवेदक अथवा उस आवेदक का प्राधिकृत अभिकर्त्ता उस आवेदन की डाटा एंट्री में भूल सुधार के लिए अनुरोध कर सकता है, सहायक दस्तावेज अपलोड कर सकता है और अपने आवेदन की स्थिति की निगरानी कर सकता है।

- व्यापार चिह्न के लिए **स्टॉक और फ्लो आधारित बहुआयामी** जनोपयोगी सेवा उपलब्ध कराई गई है ताकि आवेदकों/हितधारकों के लिए **वास्तविक समय आधार पर** विभिन्न स्टॉक के अंतर्गत व्यापार चिह्न और विभिन्न चरणों में आवेदनों के हस्तांतरण की प्रक्रिया पर नजर रखना संभव हो सके।

भौगोलिक उपदर्शन

रजिस्ट्री ने 15 सितम्बर, 2003 से भौगोलिक उपदर्शन आवेदन प्राप्त करना प्रारंभ किया। 31 मार्च, 2014 तक रजिस्ट्री ने कुल 479 भौगोलिक उपदर्शन आवेदन प्राप्त किए जिनमें से 215 पंजीकृत किए गए। रजिस्ट्री ने 2009 के बाद से प्राधिकृत उपयोक्ता के पंजीकरण के लिए आवेदन प्राप्त करना भी शुरू किया। वर्ष 2013-14 के दौरान, जागरूकता कार्यक्रम संचालित कर प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों को आकर्षित करने के लिए विशेष प्रयास किए गए और परिणामस्वरूप, प्रतिवेदन वर्ष के दौरान प्राधिकृत उपयोक्ता पंजीकरण हेतु 475 आवेदन प्राप्त हुए। साथ ही, प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 141 प्राधिकृत उपयोक्ता पंजीकृत किए गए। भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों के सार्वजनिक रूप में ऑन लाइन देखे जाने की शुरूआत की गई है।

अध्याय - IV

पेटेंट

1. परिचय:

यह अध्याय पेटेंट अधिनियम, 1970 की धारा 155 के तहत पेटेंट कार्यालयों द्वारा वर्ष 2013-14 के दौरान निष्पादित गतिविधियों के संबंध में 42वाँ प्रतिवेदन प्रस्तुत करता है। पेटेंट कार्यालय भौगोलिक रूप से विभाजित है तथा चार महानगरों कोलकाता, चेन्नई, मुम्बई तथा दिल्ली में स्थित है, यद्यपि कोलकाता कार्यालय प्रधान कार्यालय है। पेटेंट कार्यालय देश में हुए आविष्कारों पर इनके आवेदकों को सीमित एकाधिकार अनुदानित करके इन आविष्कारों की संरक्षा से संबंधित विधान का प्रशासन करता है। पेटेंट अधिनियम, 1970 पेटेंट अनुदान को प्रशासित करता है। निम्न प्रदत्त पैराग्राफ पेटेंट विधान के तहत यथा प्रशासित पेटेंट कार्यालय की प्रमुख गतिविधियों की रूप-रेखा प्रस्तुत करता है।

2. पेटेंट आवेदन:

वर्ष **2013-2014** में पेटेंट अनुदान के लिए दाखिल आवेदनों की संख्या **42,951** थी जबकि वर्ष **2012-13** में यह संख्या **43,674** थी जो लगभग **1.65%** की आंशिक कमी दर्शाती है। यांत्रिकी, विद्युत, टेक्सटाइल, सिविल और कृषि अभियंत्रणा के क्षेत्रों में आवेदनों की प्रवृत्ति में उर्ध्वगामी विकास देखा गया जबकि रसायन, औषधि और सामान्य अभियांत्रिकी के क्षेत्र में अवनति की प्रवृत्ति पाई गई है। आवेदनों की प्रवृत्ति के विस्तृत आँकड़े, विभिन्न क्षेत्रों में विभाजित, **परिशिष्ट-ङ** में देखे जा सकते हैं।

(क) भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन

कुल 42,951 आवेदनों में से भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या **10,941** रही जो विगत वर्ष से लगभग 10.4% अधिक है, जबकि ऐसे आवेदनों की संख्या **9,911** थी। हालाँकि, वर्ष के दौरान विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या **(32,010)** 2012-13 के दौरान दाखिल आवेदनों की संख्या **(33,763)** की तुलना में 5.2% कम रही। भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या प्रतिवेदन वर्ष के दौरान दाखिल आवेदनों की कुल संख्या का **25.47%** रही जबकि वर्ष 2012-13 के दौरान यह संख्या 22.69% थी। यह घरेलू आवेदनों में एक बढ़ती हुई प्रवृत्ति दर्शाता है।

भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की कुल संख्या में से, पूर्व की तरह इस वर्ष भी महाराष्ट्र आवेदन दाखिल करने में अग्रणी बना रहा और 2,892 आवेदन दाखिल किए जिसके बाद कर्नाटक, तमिलनाडु, दिल्ली, आन्ध्र प्रदेश, पश्चिम बंगाल, गुजरात, उत्तर प्रदेश आदि का स्थान रहा। आवेदन दाखिल करने वाले शीर्ष राज्य/संघ शासित क्षेत्र हैं (आवेदनों की संख्या कोष्ठक में प्रदर्शित की गई है) महाराष्ट्र (2,892), कर्नाटक (1,639), तमिलनाडु (1,436), दिल्ली (1,009), आन्ध्र प्रदेश (879), पश्चिम बंगाल (562), गुजरात (529), उत्तर प्रदेश (473), केरल (315), हरियाणा (286), झारखंड (130), राजस्थान (104), मध्य प्रदेश (94), पंजाब (89), उडीसा (40), उत्तरांचल (38), असम (37), बिहार (35), चंडीगढ़ (34) और छत्तीसगढ़ (31)। राज्य/संघ शासित क्षेत्र के अनुसार विवरण **परिशिष्ट ख** में प्रदर्शित किया गया है।

भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन (राज्यानुसार)

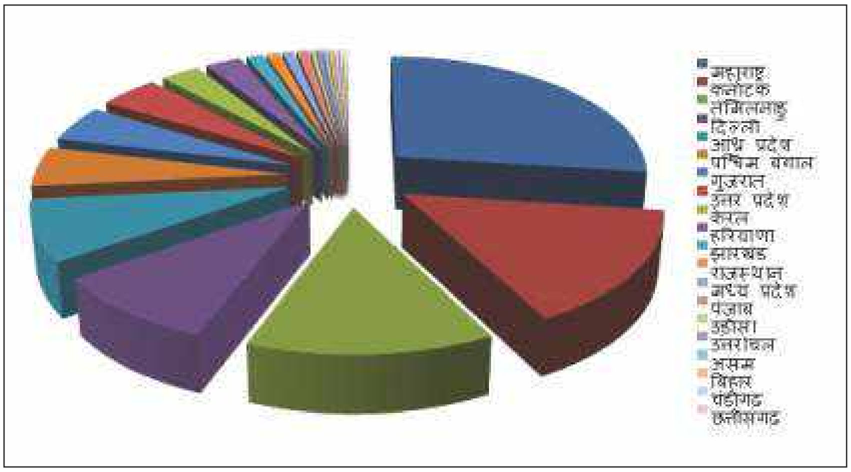

(ख) सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 5 भारतीय आवेदक

क्र.सं.	कंपनी का नाम	दाखिल आवेदन
1.	टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज लिमिटेड	169
2.	सैमसंग आर & डी इन्स्टिट्यूट इंडिया- बंगलोर प्राइवेट लिमिटेड	84
3.	इंफोसिस	83
4.	सैमसंग इंडिया सॉफ्टवेयर ऑपरेशन्स प्राइवेट लिमिटेड	66
5.	विप्रो लिमिटेड	59
5.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	59

सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में प्रतिवेदन वर्ष में टीसीएस शीर्ष स्थान पर बना रहा जबकि सैमसंग आर & डी इन्स्टिट्यूट इंडिया- बंगलोर प्राइवेट लिमिटेड द्वितीय स्थान पर रहा ।

(ग) वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थानों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 भारतीय आवेदक

क्र.सं.	वैज्ञानिक तथा अनुसंधान व विकास संस्थान का नाम	दाखिल आवेदन
1.	वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद्	267
2.	रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन	116
3.	भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्	71
4.	जैवतकनीक विभाग, भारत सरकार	34
5.	ज्यूबिलेंट लाइफ साइंसेज लिमिटेड	29
6.	जी एच आर लैब्स एंड रिसर्च सेंटर	26
7.	हेटेरो रिसर्च फाउंडेशन	17

7.	सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कम्प्यूटिंग	17
8.	भारतीय चिकित्सा अनुसंनधान परिषद्	14
9.	भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन	12
10.	सेंटर फॉर एक्सलन्स इन वायरलेस टेक्नोलॉजी	8

इस श्रेणी में वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् आवेदनों की संख्या में 32.17% की वृद्धि के साथ शीर्ष स्थान पर बना रहा। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वितीय स्थान पर बना रहा यद्यपि विगत वर्ष की तुलना में 59% की भारी वृद्धि हुई है। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् भी आंशिक वृद्धि के साथ तृतीय स्थान पर बना रहा।

(घ) संस्थानों और विश्वविद्यालयों से पेटेंट के लिए आवेदन करने वाले शीर्ष 10 भारतीय आवेदक

क्र.सं.	संस्थानों और विश्वविद्यालय का नाम	दाखिल आवेदन
1.	भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (समेकित)	342
2.	अमिटी यूनिवर्सिटी	92
3.	सविता स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, सविता यूनिवर्सिटी	74
4.	भारत यूनिवर्सिटी	37
5.	भारतीय विज्ञान संस्थान	32
6.	जी.एच. रैसोनी कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग	27
7.	सिद्धगंगा प्रौद्योगिकी संस्थान	24
8.	श्री चित्रा तिरुनल इन्स्टिट्यूट फॉर मेडिकल साइंसेज एंड टेक्नोलॉजी	20
9.	कलकत्ता विश्वविद्यालय	15
10.	शास्त्र यूनिवर्सिटी	13
10.	राजारामबापू इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी	13

इस वर्ष भी सभी भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान प्रथम स्थान पर बने रहे। विगत वर्ष की तुलना में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या में लगभग 69% की वृद्धि दर्ज की गई। अमिटी यूनिवर्सिटी 92 आवेदनों के साथ द्वितीय स्थान पर बनी रही। सविता स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, (सविता यूनिवर्सिटी) और भारत यूनिवर्सिटी संस्थान और विश्वविद्यालयों की तालिका में नए नाम रहे जिन्होंने श्रेणी में क्रमशः तृतीय और चतुर्थ स्थान प्राप्त किया। भारतीय विज्ञान संस्थान विगत वर्ष की तुलना में प्रतिवेदन वर्ष के दौरान आवेदनों में आंशिक वृद्धि के साथ भी पंचम स्थान पर चला गया।

(ङ) विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदन

i. कन्वेंशन आवेदन:

वर्ष के दौरान पेरिस कन्वेंशन के तहत प्रायिकता दावा करते हुए दाखिल आवेदनों की कुल संख्या 3,704 थी। यह विगत वर्ष की 4,184 की तुलना में कन्वेंशन आवेदनों की संख्या में 11.47% की गिरावट दर्शाती है।

ii. पी.सी.टी राष्ट्रीय फेज आवेदन:

विदेश से प्राप्त आवेदनों में से अधिकांश पेटेंट सहयोग संधि (पीसीटी) राष्ट्रीय फेज माध्यम से दाखिल किए गए। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान दाखिल ऐसे आवेदनों की संख्या **27,078** रही जो विगत वर्ष **(28,435)** की तुलना में 4.8% की गिरावट दर्शाती है। आवेदन दाखिल करने वाले शीर्ष देश थे: संयुक्त राज्य अमेरिका (8,534), जापान (4,517), जर्मनी (3,065), स्विट्जरलैंड (1,411), नीदरलैंड (1,347), फ्रांस (1,295), यूनाइटेड किंगडम (966), स्वीडन (859), चीन गणतंत्र (711), कोरिया गणतंत्र (585), इटली (541), कनाडा (368), डेनमार्क (335), आस्ट्रेलिया (304), इजराइल (275), बेल्जियम (263), आस्ट्रिया (256), फिनलैंड (240), स्पेन (150) तथा नार्वे (91)। देशानुसार विवरण **परिशिष्ट ख** में प्रदर्शित किया गया है।

पी.सी.टी राष्ट्रीय फेज हेतु शीर्ष दस आवेदक (देशानुसार)

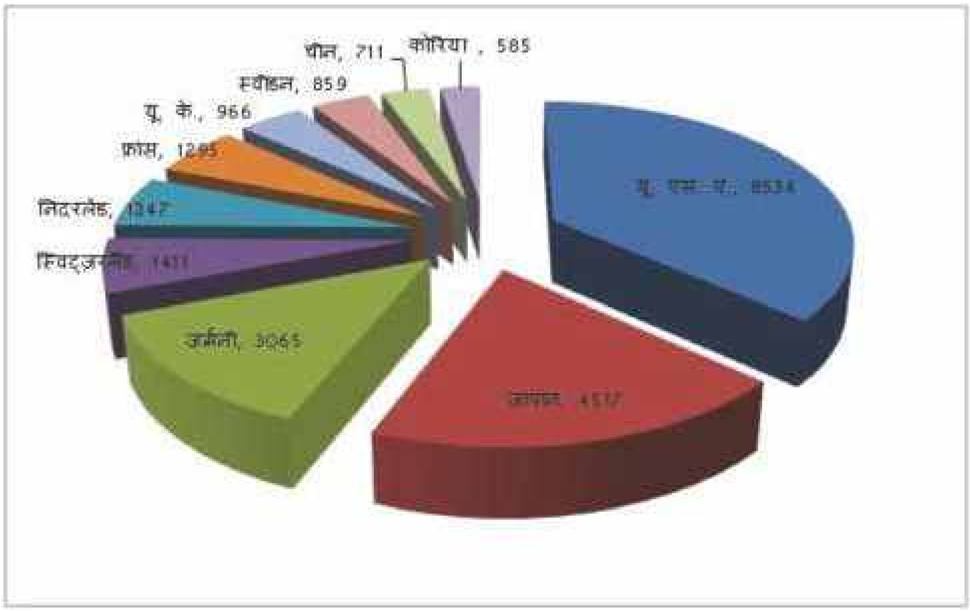

दाखिल राष्ट्रीय फेज आवेदनों की प्रवृत्ति

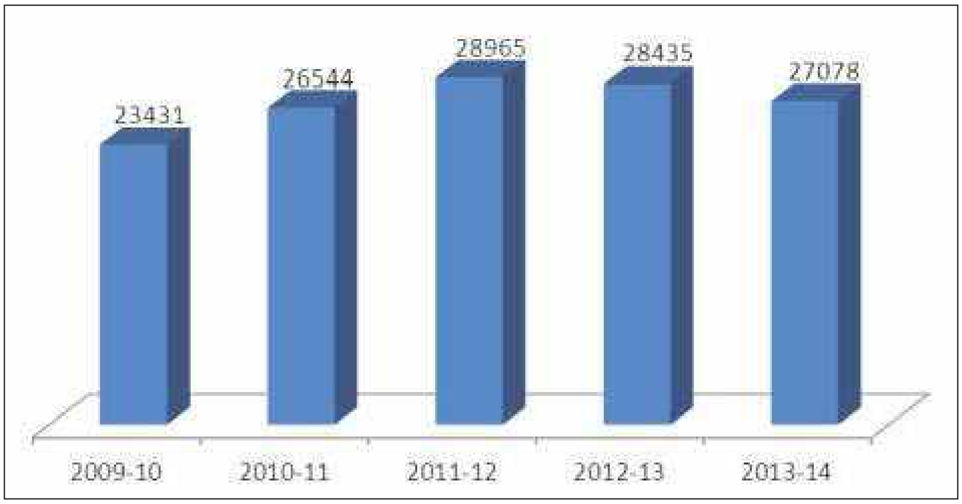

विगत कुछ वर्षों की कन्वेंशन आवेदनों की प्रवृत्ति

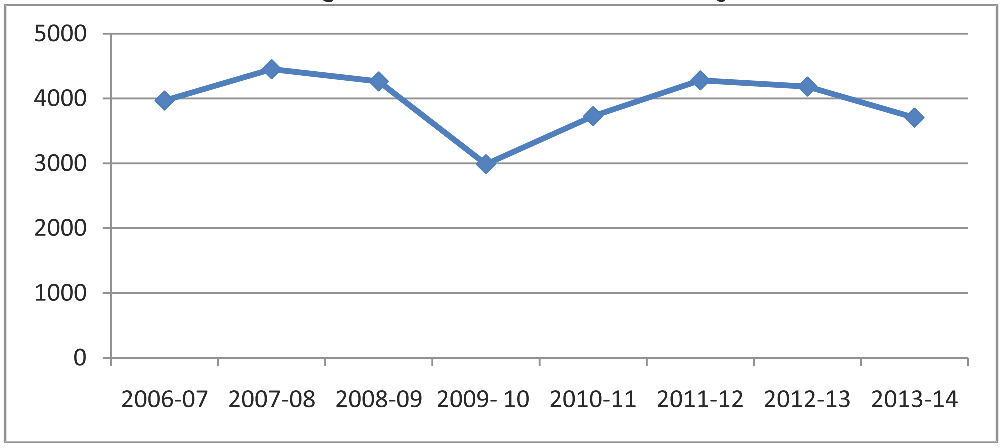

iii **शीर्ष 10 विदेशी प्रवासी आवेदक**

निम्नलिखित तालिका उन शीर्ष 10 विदेशी प्रवासी आवेदकों की सूची प्रदान करती है जिन्होंने 2013-14 के दौरान पेटेंट आवेदन दाखिल किए हैं। यह पाया गया है कि क्वालकम इंकॉरपोरेटेड इस सूची में अग्रणी बना रहा जिसके बाद कोनिनक्लीके फिलिप्स एन.भी., टेलीफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन तथा रोर्बट बॉश जीएमबीएच इत्यादि का स्थान रहा।

शीर्ष 10 विदेशी आवेदक

क्र.सं.	संगठन का नाम	आवेदनों की संख्या
1.	क्वालकम इंकॉरपोरेटेड	1062
2.	कोनिनक्लीके फिलिप्स इलेक्ट्रॉनिक्स एन.भी.	839
3.	टेलेफोनाक्टिबोलागेट एलएम एरिक्सन (पीयूबीएल)	386
4.	रोर्बट बॉश जीएमबीएच	375
5.	सैमसंग इलेक्ट्रोनिक्स क. लि.	371
6.	बेस्फ एसइ	304
7.	सोनी कॉरपोरेशन	263
8.	जेनरल इलेक्ट्रिक कम्पनी	260
9.	सिमेन्स एकटाइनजेसेलसाफ्ट	249
10.	अल्काटेल ल्यूसेंट	222

वर्ष 2013-14 के दौरान विभिन्न माध्यमों से प्राप्त एवं उद्गम देश तथा राज्य के अनुसार वर्गीकृत पेटेंट आवेदनों का विवरण **परिशिष्ट "ख"** में दर्शाया गया है।

2004-2005 से 2013-2014 तक की अवधि के दौरान विभिन्न माध्यमों से भारतीय प्रवासियों एवं अप्रवासियों से प्राप्त पेटेंट आवेदनों की संख्या **परिशिष्ट "ग"** में दर्शायी गई है।

2009-10 से 2013-14 की अवधि के दौरान रसायन, वैद्युतिक, यांत्रिकी, जैवतकनीक, खाद्य, कम्प्यूटर/इलेक्ट्रॉनिक्स इत्यादि के विषयवार दाखिल आवेदनों का विवरण **परिशिष्ट "ङ" तथा "ङ1"** में प्रदत्त सारणी द्वारा दिखाया गया है।

3. परीक्षित आवेदनों की कुल संख्या

वर्ष के दौरान कार्यालय ने विगत वर्ष के 12,268 आवेदनों की तुलना में 18,615 आवेदनों का परीक्षण किया। विगत वर्ष की तुलना में इस वर्ष उन पेटेंट आवेदनों की संख्या में लगभग 52% की वृद्धि रही जिनके लिए प्रथम परीक्षण रिपोर्ट जारी किए गए थे।

4. परीक्षण हेतु अनुरोध का कुल निपटान (आरक्यू)

विगत वर्ष के 9,027 की तुलना में वर्ष के दौरान 11,411 परीक्षण हेतु अनुरोध (आरक्यू) का पूर्ण निपटान किया गया। परीक्षण हेतु अनुरोध के निपटान में विगत वर्ष की तुलना में 26% की वृद्धि देखी गई है।

5. अनुदानित तथा प्रवृत्त पेटेंट

वर्ष के दौरान अनुदानित पेटेंट की कुल संख्या **4,227** थी, जिनमें से **634** भारतीय आवेदकों को अनुदानित किए गए। 31 मार्च 2014 तक प्रवृत्त पेटेंट की संख्या **42,632** थी जिनमें से **7,464** पेटेंट भारतीयों के नाम थे। कुल अनुदानित पेटेंट में से **1,111** पेटेंट रसायन और संबंधित क्षेत्रों, **690** कम्प्यूटर विज्ञान और इलेक्ट्रॉनिक्स, **645** यांत्रिकी, **256** भेषज या औषधि, **237** वैद्युतिक, **220** जैवतकनीक और **51** खाद्य से संबंधित आवेदनों के लिए अनुदानित किए गए।

वर्ष 2003-2004 से वर्ष 2013-14 की अवधि के दौरान दाखिल आवेदनों की संख्या, परीक्षण हेतु प्राप्त अनुरोधों की संख्या, परित्यक्त हुआ सा मान लिए गए आवेदन तथा पेटेंट अनुदान प्राप्त करने वाले आवेदन एवं प्रवृत्त पेटेंट की संख्या **परिशिष्ट- "घ"** में प्रदर्शित की गई है।

वर्ष 2009-2010 से 2013-14 के विगत पाँच वर्षों के दौरान अन्वेषण के विभिन्न क्षेत्रों के तहत अनुदानित पेटेंट की संख्या **परिशिष्ट- "च"** व **"च1"** में प्रदर्शित की गई है।

6. भारतीय आवेदकों द्वारा दाखिल पी.सी.टी अन्तर्राष्ट्रीय आवेदन

विगत पाँच वर्षों के दौरान प्राप्तकर्ता कार्यालय के रूप में भारतीय पेटेंट कार्यालय में भारतीय आवेदकों द्वारा पेटेंट सहयोग संधि (पी.सी.टी.) के तहत दाखिल अन्तर्राष्ट्रीय आवेदनों की कुल संख्या निम्नवत् है (इस संख्या में वे अंतर्राष्ट्रीय आवेदन शामिल नहीं है जो भारतीय आवेदकों द्वारा सीधे वायपो के अंतर्राष्ट्रीय ब्यूरो में प्राप्तकर्ता कार्यालय के रूप में दाखिल किए गए हैं):

वर्ष	वैयक्तिक	विधिक सत्ताधारी	कुल
2009-2010	231	521	752
2010-2011	243	628	871
2011-2012	254	519	873
2012-2013	252	790	1042
2013-2014	248	568	816

विगत पाँच वर्षों की अंतर्राष्ट्रीय आवेदनों की प्रवृत्ति

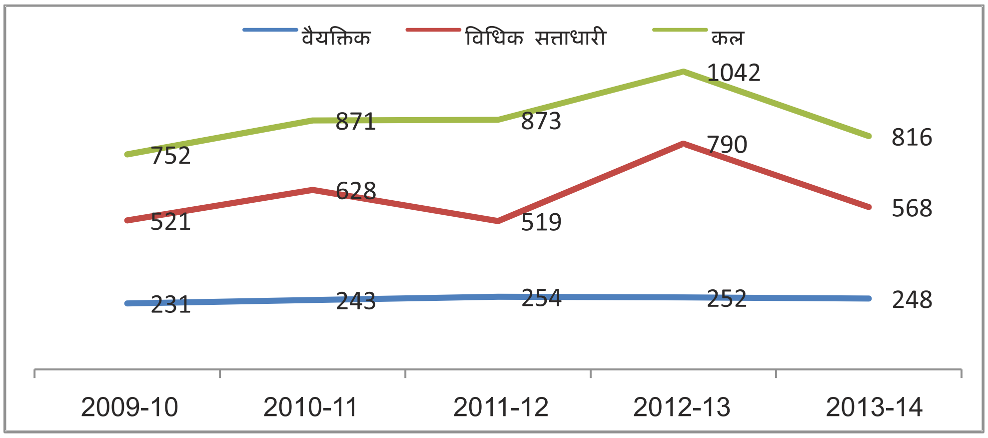

वर्ष के दौरान पी.सी.टी. अन्तर्राष्ट्रीय आवेदनों के सर्वप्रमुख अंशदाता थे- वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद, हेटेरो रिसर्च फाउंडेशन, हेवलेट पैकार्ड डेवलपमेंट कंपनी एल.पी., रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, टाटा कंसल्टेन्सी सर्विसेज लिमिटेड, कैडिला हेल्थकेयर लिमिटेड आदि।

7. पेटेंट अधिनियम व नियमों के तहत विविध कार्यवाहियाँ

(क) परमाणु ऊर्जा के क्षेत्र में आविष्कार: पेटेंट अधिनियम, 1970 की धारा 4 के तहत आलोच्य वर्ष के दौरान 100 आवेदन परमाणु ऊर्जा विभाग को प्रेषित किए गए जिनमें से 18 आवेदन परमाणु ऊर्जा से संबद्ध पाए गए, 72 आवेदन सामान्य शासकीय कार्यवाही के तहत प्रक्रियागत करने के लिए अनुमत्त हुए तथा वर्ष के अंत तक 10 आवेदन परमाणु ऊर्जा विभाग के समक्ष विचारार्थ लंबित रहे।

(ख) धारा 11क के तहत पेटेंट आवेदनों का प्रकाशन: वर्ष 2013-14 के दौरान धारा 11क के तहत 31,413 आवेदन प्रकाशित किए गए जिनमें वैसे 1,669 आवेदन शामिल हैं जिन पर शीघ्र प्रकाशन हेतु अनुरोध प्राप्त किए गए थे। विगत पाँच वर्षों के दौरान प्रकाशित पेटेंट आवेदनों की संख्या संबंधी वर्षानुसार विवरण निम्नवत् है:

वर्ष	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
धारा 11क के तहत प्रकाशन	33,328	32,213	26,422	24,746	**29,744**
शीघ्र प्रकाशन	977	1,153	1,331	1,413	**1,669**
कुल	34,305	33,366	27,753	26,159	31,413

(ग) अनुदानपूर्व आपत्ति [धारा 25(1) के तहत]: वर्ष के दौरान इस धारा के तहत अनुदानपूर्व आपत्ति के रूप में 309 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें से 48 अनुदानपूर्व आपत्तियों का निष्पादन वर्ष के दौरान कर दिया गया।

(घ) अनुदानोत्तर आपत्ति [धारा 25(2) के तहत]: वर्ष के दौरान, 08 अनुदानोत्तर आपत्तियाँ दाखिल की गईं। 09 अनुदानोत्तर आपत्तियों का निष्पादन वर्ष के दौरान कर दिया गया और 161 अनुदानोत्तर आपत्तियाँ निष्पादन हेतु लंबित रही।

(ड़) गोपनीयता निदेश (धारा 35 के तहत): वर्ष के दौरान 52 पेटेंट आवेदन भारत सरकार, रक्षा मंत्रालय के अधीन रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) को उन आविष्कारों के रक्षा उद्देश्य से संबद्ध होने विषयक विचार देने हेतु प्रेषित किए गए। वर्ष के दौरान 25 आवेदनों को सामान्य कार्यवाही हेतु अनुमत्त किया गया जबकि 2 आवेदनों पर गोपनीयता निदेश लागू हुआ। वर्ष 2013-14 के अंत तक 25 आवेदन डीआरडीओ में लंबित रहे।

(च) अनुमति (धारा 39 के तहत): भारत से बाहर आवेदन दाखिल करने की अनुमति का अनुरोध करते हुए 3,829 आवेदन फॉर्म 25 पर दाखिल किए गए। वर्ष के दौरान 3,797 आवेदनों पर अनुमति प्रदान कर दी गई।

(छ) व्यपगत पेटेंट का प्रत्यावर्तन (धारा 60 के तहत): वर्ष 2013-14 के दौरान पेटेंट के प्रत्यावर्तन के लिए 140 आवेदन प्राप्त हुए। वर्ष के दौरान 83 आवेदन प्रत्यावर्तित किए गए।

(ज) समनुदेशन, मोर्गेज, लाइसेंस आदि (धारा 68 तथा 69 के तहत): दस्तावेजों के पंजीकरण के लिए कुल 1,141 समनुदेशन के मामले प्राप्त किए गए। प्रतिवेदन वर्ष के दौरान 991 आवेदनों का निपटान कर दिया गया।

(झ) जारी पेटेंट (धारा 146 के तहत): प्रतिवेदन वर्ष के दौरान पेटेंट कार्यालय ने फॉर्म-27 पर जारी पेटेंट के 33,088 कथन प्राप्त किए। 8,435 पेटेंट को जारी रहने के रूप में दर्शाया गया था। विगत पाँच वर्षों के दौरान प्राप्त सूचना का विवरण निम्न सारणी में दिया गया है:

	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
प्रवृत्त पेटेंट	37,334	39,594	39,989	43,920	**42,632**
प्राप्त फॉर्म-27	24,009	34,112	27,825	27,946	**33,088**
जारी रहने के रूप में दर्शाया हुआ	4,189	6,777	7,431	6,201	**8,435**

(ञ) अनिवार्य लाइसेंस (धारा 84, 92 तथा 92-क के तहत): प्रतिवेदन वर्ष के दौरान अनिवार्य लाइसेंस के अनुदान हेतु कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ। विगत वर्ष से लंबित अनिवार्य लाइसेंस के एक मात्र आवेदन का निपटान वर्ष 2013-14 के दौरान कर दिया गया।

(ट) सूचना (धारा 153 के तहत): वर्ष के दौरान पेटेंट नियम, 2003 के नियम 134 में यथा प्रदत्त इस अधिनियम के विभिन्न प्रावधानों के तहत पेटेंट संबंधी सूचना की आपूर्ति करने के लिए पेटेंट कार्यालय ने 518 अनुरोध प्राप्त किए।

(ठ) अनुलिपि पेटेंट प्रमाण पत्र (धारा 154 के तहत): कुल 16 अनुरोध प्राप्त किए गए तथा 13 का निपटारा कर दिया गया।

(ड) पेटेंट अभिकर्त्ताओं का पंजीकरण: वर्ष के दौरान पेटेंट अभिकर्त्ता के नवीन पंजीकरणों की संख्या 422 रही। 31 मार्च 2014 तक पंजीकृत पेटेंट अभिकर्त्ताओं की कुल संख्या 1,976 थी।

8. राजस्व एवं व्यय:

पेटेंट कार्यालय ने अधिनियम एवं नियमों के तहत विभिन्न कार्यवाहियों से शुल्क के रूप में रु.188.27 करोड़ का राजस्व अर्जित किया। वर्ष के दौरान तदनुरूपी व्यय (डिजाइन प्रशासन सहित) रु. 26.82 करोड़ रहा। पेटेंट मद में शुल्क के रूप में अर्जित राजस्व का विवरण **परिशिष्ट-छ** में दिया गया है।

9. सामान्य सूचना

पेटेंट कार्यालय, कोलकाता तथा मुम्बई, दिल्ली एवं चेन्नई स्थित उसके शाखा कार्यालयों के वैज्ञानिक तथा तकनीकी पुस्तकालय जनता को परामर्श तथा संदर्भ कार्य के लिए सुविधा प्रदान करते रहे। बड़ी संख्या मे विभिन्न अनुसंधान व औद्योगिक संस्थानों के आविष्कारकों ने तथा अन्य जनता के साथ–साथ विभिन्न विश्वविद्यालयों मे अनुसंधानरत विद्वानों ने सुविधाओं का उपयोग किया ।

वर्तमान में पेटेंट कार्यालय, सीडी-रोम्स, पुस्तकें और जर्नल के अतिरिक्त वैज्ञानिक और तकनीकी ई-जर्नल प्राप्त करता है। भारत और विदेश में पेटेंट कार्यालयों के पेटेंट विनिर्देश और अन्य प्रकाशनों के माध्यम से अन्वेषण संचालित करने हेतु वर्ष 2013-14 के दौरान पेटेंट कार्यालय के पुस्तकालय में लगभग 2,104 व्यक्ति आए।

पेटेंट कार्यालय द्वारा अपने वेबसाइट www.ipindia.nic.in पर प्रदत्त निःशुल्क ऑनलाइन इंटरनेट अन्वेषण सुविधा का हितधारकों और सर्वसाधारण ने भी व्यापक लाभ उठाया।

10. सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत सूचना

वर्ष के दौरान, सूचना अधिकार अधिनियम के तहत सूचना उपलब्ध कराने के लिए 457 अनुरोध प्राप्त किए गए और अधिनियम के तहत प्रदत्त समय-सीमा के अनुसार सभी अनुरोधों पर उपयुक्त कार्रवाई की गई।

परिशिष्ट- "क(1)"

परीक्षकों का विषयवार विवरण:

क्र.सं.	विषय	परीक्षकों की संख्या
01	बायोकेमेस्ट्री	12
02	बायोटेक्नोलॉजी	10
03	बायोमेडिकल अभियंत्रणा	08
04	रसायन	42
05	सिविल अभियंत्रणा	04
06	कम्प्यूटर एवं आई टी अभियंत्रणा	23
07	वैद्युतिक व इलेक्ट्रॉनिक्स	41
08	यांत्रिकी	22
09	धातुकर्म	08
10	माइक्रोबायोलॉजी	10
11	भौतिकी	05
12	पॉलीमर	05
13	वस्त्र	06
	कुल	196

परिशिष्ट "ख"

वर्ष 2012-13 की तुलना में 2013-14 में दाखिल किए गए पेटेंट आवेदन
उद्‌गम राज्य/राष्ट्र के अनुसार वर्गीकृत

राज्य/ संघ राज्य क्षेत्र	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2013-14	2012-13	2013-14	2012-13	2013-14	2012-13
अंडमान & निकोबार	1	0	0	0	0	0
आंध्र प्रदेश	879	844	1	4	12	31
अरुणाचल प्रदेश	1	1	0	0	0	0
असम	37	67	0	0	0	0
बिहार	35	46	0	1	0	0
चंडीगढ़	34	31	0	0	0	0
छत्तीसगढ़	31	25	0	0	0	0
दादर & नागर हवेली	2	6	0	0	0	0
दमन & दीव	1	4	0	0	0	0
दिल्ली	1009	890	2	6	12	34
गोवा	23	23	0	0	0	0
गुजरात	529	645	0	1	19	12
हरियाणा	286	287	0	1	2	1
हिमाचल प्रदेश	14	40	0	0	0	0
जम्मु & कश्मीर	27	35	0	0	0	0
झारखंड	130	115	0	1	1	0
कर्नाटक	1639	1167	7	11	24	30
केरल	315	257	0	0	1	2
मध्य प्रदेश	94	111	0	0	2	1
महाराष्ट्र	2892	2540	11	4	52	146
मणिपुर	2	11	0	0	0	0
मेघालय	6	6	0	0	0	1
मिजोरम	1	2	0	0	0	0
नागालैंड	1	18	0	0	0	0
उड़ीसा	40	44	0	0	0	0
पाण्डिचेरी	22	7	0	0	0	2
पंजाब	89	107	0	0	0	2
राजस्थान	104	78	0	0	2	0
सिक्किम	2	4	0	0	0	0
तमिलनाडु	1436	1212	4	2	12	9
त्रिपुरा	5	12	0	0	0	0
उत्तर प्रदेश	473	478	2	0	3	4
उत्तरांचल	38	50	0	0	0	0
पश्चिम बंगाल	562	441	1	0	1	1
कुल योग	10760	9604	28	31	153	276

परिशिष्ट-ख जारी

राष्ट्रमंडल देश

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2013-14	2012-13	2013-14	2012-13	2013-14	2012-13
यू.के.	23	19	96	65	966	991
आस्ट्रेलिया	8	2	8	10	304	325
कनाडा	8	6	32	51	406	438
श्रीलंका	0	0	0	0	7	3
आयरलैंड	13	16	51	24	55	61
न्यूजीलैंड	0	0	0	2	40	43
कुल	52	43	187	152	1778	1861

उत्तर व दक्षिण अमेरिका

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2013-14	2012-13	2013-14	2012-13	2013-14	2012-13
यू.एस.ए	578	479	1001	1071	8534	8745
मैक्सिको	1	1	0	1	27	37
ब्राजील	2	1	3	10	38	60
बरमूडा	0	4	0	1	15	10
केमेन आइलैंड	2	0	1	4	23	10
वर्जिन आइलैंड	0	0	0	0	29	20
क्यूबा	0	0	0	0	8	6
कोलंबिया	0	0	0	0	1	6
अर्जेन्टीना	3	0	2	2	3	4
चिली	2	0	1	1	11	15
बहमास	2	1	0	0	4	3
बारबाडोस	0	0	0	0	7	11
पेरू	0	0	0	0	1	2
अरुबा	1	1	0	0	1	2
पराग्वे	0	0	0	0	2	7
जमैका	0	0	0	3	0	2
ब्रिटिश वर्जिनिया	0	1	0	1	1	2
उत्तर और दक्षिण अमेरिका के अन्य देश	1	0	0	0	7	2
बेलाइज	0	1	0	0	2	0
कुल	591	489	1008	1094	8714	8944

परिशिष्ट- ख जारी

युरोप

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2013-14	2012-13	2013-14	2012-13	2013-14	2012-13
इटली	5	4	76	113	541	534
जर्मनी	83	82	405	650	3065	3364
बेल्जियम	3	3	8	12	263	321
फ्रांस	117	87	123	189	1295	1390
स्पेन	0	18	20	28	150	203
स्विट्जरलैंड	103	105	242	198	1411	1380
फिनलैंड	22	43	26	33	240	321
आस्ट्रिया	0	2	25	18	256	252
नीदरलैंड्स	25	31	12	24	1347	1148
स्वीडन	19	19	35	15	859	885
डेनमार्क	9	6	12	20	368	335
पूर्तगाल	0	0	0	0	13	16
हंगरी	0	0	0	0	20	13
लग्जमबर्ग	1	0	3	3	69	82
रूस	2	1	1	3	70	81
रोमानिया	0	0	0	0	0	3
टर्की	0	0	3	1	11	24
स्लोवेनिया	0	0	1	0	12	9
नार्वे	1	4	0	1	91	110
साइप्रस	0	0	1	1	8	11
पोलैंड	0	1	5	4	37	37
मोनाको	0	0	0	0	5	1
बुल्गारिया	0	0	0	0	5	3
आइस लैंड	1	3	0	1	3	10
चेक गणराज्य	1	2	7	2	17	12
लिशेन्सटिन	0	1	3	8	18	11
यूक्रेन	0	0	1	2	6	5
स्लोवाकिया	0	0	0	0	5	5
ग्रीस	1	0	0	0	9	14
ब्रिटिश आइजल	0	0	0	4	0	1
इस्टोनिया	0	0	0	0	1	5
जिब्राल्टर	1	0	0	0	1	2
लात्विया	0	0	0	0	2	2
बेलारूस	0	0	0	0	0	2
चैनल आइलैंड	0	0	0	0	0	2
क्रोएशिया	0	0	0	0	2	6
अन्य यूरोपियन देश	1	0	0	0	11	8
कुल	395	412	1009	1330	10211	10608

परिशिष्ट- ख जारी

अफ्रीका

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2013-14	2012-13	2013-14	2012-13	2013-14	2012-13
दक्षिण अफ्रीका	0	0	4	3	78	61
मॉरिशस	0	3	0	1	1	0
सेशेल्स	0	4	2	0	2	5
स्वाजीलैंड	0	1	1	2	2	5
केन्या	0	0	0	1	1	0
इजिप्ट	0	0	0	0	2	1
ट्यूनिशिया	0	0	0	0	3	3
नाइजेरिया	1	0	0	0	0	1
अन्य अफ्रीकन देश	1	1	0	0	0	11
कुल	2	9	7	7	89	87

परिशिष्ट- ख जारी

एशिया

देश	साधारण		कन्वेंशन		राष्ट्रीय फेज आवेदन	
	2013-14	2012-13	2013-14	2012-13	2013-14	2012-13
जापान	43	59	1006	1286	4517	4939
कोरिया गणराज्य	61	42	234	106	585	584
चीन	6	7	70	58	711	957
इजराइल	3	1	28	17	275	285
ताइवान	53	54	125	116	15	26
इंडोनेशिया	0	1	0	0	3	3
वियतनाम	0	0	1	0	4	2
सिंगापुर	13	8	16	6	82	56
मलेशिया	1	4	3	4	35	32
यू.ए.ई	0	5	1	0	9	3
नेपाल	0	1	0	0	0	2
थाइलैंड	2	0	2	0	10	12
ओमान	0	1	0	0	0	0
हॉंग-कॉंग (चीन)	0	3	3	6	4	7
सउदी अरब	1	0	0	0	17	13
चाइनीज ताइपे	0	0	0	0	0	1
अजरबैजान	0	0	0	0	0	2
यमन	0	0	0	0	0	1
अफगानिस्तान	1	0	0	0	0	2
जोर्डन	0	0	0	0	3	1
पाकिस्तान	0	0	1	0	2	1
कुवैत	0	0	1	0	1	1
ईरान	0	0	0	0	0	1
बांग्लादेश	0	0	0	0	2	1
डेमोक्रेटिक पीपुल्स कोरिया गणराज्य	1	0	0	0	0	1
भूटान	1	2	0	0	0	0
तुर्कमेनिस्तान	0	2	0	0	0	0
कतर	0	0	0	0	2	1
समोआ	1	1	2	2	3	1
अन्य एशियन देश	1	0	0	0	6	0
कुल	188	191	1493	1601	6286	6935
कुल योग	11988	10748	3732	4215	27231	28711

परिशिष्ट "ग"

पिछले 10 वर्षों में प्रवासी और भारत में रहने वालों द्वारा विभिन्न माध्यमों से दाखिल आवेदन

आवेदक	2004-05	2005-06	2006-07	2007-08	2008-09	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11
भारत में रहने वाले	3630	4521	5314	6040	6161	7044	8312	8921	9911	10941
प्रवासी										
साधारण	3165	1008	693	834	681	826	816	1031	1144	1228
कन्वेंशन	-	3509	3969	4453	4264	2986	3728	4280	4184	3704
पीसीटी के तहत राष्ट्रीय फेज आवेदन	10671	15467	19768	23891	25706	23431	26544	28965	28435	27078
कुल योग	**17466**	**24505**	**28940**	**35218**	**36812**	**34287**	**39400**	**43197**	**43674**	**42951**

परिशिष्ट- "घ"

वर्ष 2003-2004 से 2013-14 की अवधि के दौरान पेटेंट संबंधी विविध सूचना

वर्ष	दाखिल आवेदनों की संख्या	परीक्षण के लिए अनुरोधों की संख्या	पूर्ण विनिर्देश दाखिल नहीं करने के कारण परित्यक्त मान लिए गए आवेदनों की संख्या धारा 9 (1)	धारा 21 (1) के तहत अननुपालन के कारण परित्यक्त समझे गए आवेदनों की कुल संख्या	अनुदत्त पेटेंट की संख्या		प्रभाव में पेटेंट की संख्या	
					भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी
1	2	3	4	5	6	7	8	9
2003-2004	12613	12362	933	1695	945	1524	2075	4331
2004-2005	17466	19001	267	775	764	1147	2200	4657
2005-2006	24505	21926	414	894	1396	2924	4486	11933
2006-2007	28940	20645	694	1121	1907	5632	3473	13593
2007-2008	35218	22146	1066	479	3173	12088	7966	21722
2008-2009	36812	30595	888	1075	2541	13520	6158	24664
2009-2010	34287	28653	2720	5171	1725	4443	6781	30553
2010-2011	39400	31493	185	5186	1273	6236	7301	32293
2011-2012	43197	33811	698	3800	699	3682	7545	32444
2012-2013	43674	36247	361	4559	716	3410	8308	35612
2013-2014	42951	37474	224	6418	634	3592	7464	35168

परिशिष्ट- ङ

<u>आविष्कार के प्रमुख क्षेत्रों के अंतर्गत 2009-2010 से 2013-2014 तक दाखिल पेटेंट आवेदनों की संख्या</u>

वर्ष	रसायन	भेषज	खाद्य	वैद्युतिक	यांत्रिकी	कम्प्युटर/ इलेक्ट्रोनिक्स	जैव-तकनीकी	सामान्य अभियंत्रिकी	अन्य क्षेत्र (परिशिष्ट ङ-1 देखें)	कुल
2009-2010	6014	3070	276	2376	6775	7646	1303	885	5942	34287
2010-2011	6911	3526	315	2719	7782	9594	1497	1017	6039	39400
2011-2012	6698	2762	294	4160	9716	4225	788	822	13732	43197
2012-2013	6812	2954	452	3568	10198	4424	832	1561	12873	43674
2013-2014	**6769**	**2507**	**387**	**4371**	**11318**	**4410**	**647**	**652**	**11890**	**42951**

परिशिष्ट-ङ 1

आविष्कार के अन्य विविध क्षेत्रों के अंतर्गत 2013-14 के दौरान दाखिल पेटेंट आवेदनों की संख्या

आविष्कार के क्षेत्र	बायो-मेडिकल	बायो-केमेस्ट्री	संचार	भौतिकी	सिविल	वस्त्र	धातुकर्म/ सामग्री विज्ञान	कृषि अभियंत्रणा	पोलिमर विज्ञान/ तकनीक	माइक्रो बायोलॉजी	एग्रो केमिक्ल	पारंपरिक ज्ञान जैव/रसा/यांत्रिक
	*भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि	भा / वि
2013-2014	163/449	72/118	636/3403	460/1770	196/602	141/493	152/430	112/122	80/970	105/390	90/332	भा =22/364/1=387 वि =0/216/1=217

* भा = भारतीय, वि = विदेशी

कुल परिशिष्ट - ङ 1 :- 11890

परिशिष्ट-च

आविष्कार के प्रमुख क्षेत्रों के अंतर्गत वर्ष 2009-10 से 2013-2014 तक अनुदानित पेटेंट की संख्या

वर्ष	रसायन	भेषज	खाद्य	वैद्युतिक	यांत्रिकी	कम्प्यूटर /इलेक्ट्रोनिक्स	जैव-तकनीकी	सामान्य अभि यंत्रणा	अन्य क्षेत्र (परिशिष्ट-च-1 देखें)	कुल
2009-2010	1420	530	72	404	1024	1195	449	273	801	6168
2010-2011	1899	596	84	394	1458	892	165	350	1668	7509
2011-2012	1168	282	21	228	888	584	309	153	748	4381
2012-2013	1289	344	37	188	749	510	144	121	744	4126
2013-2014	**1111**	**256**	**51**	**237**	**645**	**690**	**220**	**112**	**904**	**4226**

परिशिष्ट -च1

आविष्कार के अन्य विविध क्षेत्रों के अंतर्गत वर्ष 2013-2014 के दौरान अनुदानित पेटेंट आवेदनों की संख्या

आविष्कार के क्षेत्र	बायो-मेडिकल	जैव-रसायन	संचार	भौतिकी	सिविल	वस्त्र	धातुकर्म/ सामग्री विज्ञान	कृषि अभियंत्रणा	पोलिमर साइंस/ तकनीकी	कृषि रसायन	माइक्रो बायोलॉजी
	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.	भा. / वि.
2013-2014	0/12	3/53	55/320	12/97	5/27	4/48	4/32	0/2	11/154	2/19	6/38

* भा. = भारतीय, वि. = विदेशी

कुल परिशिष्ट - च 1:-904

परिशिष्ट-छ

अधिनियम व नियम के तहत विभिन्न कार्यवाहियों के संदर्भ में वर्ष 2013-14 के दौरान प्राप्त शुल्क

क्र.सं.	एकत्रित शुल्क के संदर्भ	प्राप्त कुल राशि (रु.)
1	पेटेंट हेतु नया आवेदन अनंतिम/पूर्ण विनिर्देश के साथ	80,94,74,248
2	अनंतिम विनिर्देश के बाद पूर्ण -फॉर्म 2	1,01,18,276
3	फॉर्म 4 पर पेटेंट के नवीकरण हेतु समय विस्तार/नए अनुदानित पेटेंट हेतु बाकी शुल्क/फॉर्म 5 दाखिल करने में देरी	28,27,032
4	उत्तर दिनांकन के लिए आवेदन	7,28,200
5	आवेदक का प्रतिस्थापन/परिवर्तन -फॉर्म 6	74,59,160
6	विरोध की सूचना -फॉर्म 7	35,100
7	सुनवाई में उपस्थिति हेतु सूचना - कोई फॉर्म नहीं	69,000
8	किसी पेटेंट में आविष्कारक के रूप में उल्लेख -फॉर्म 8	7,55,860
9	शीघ्र प्रकाशन हेतु अनुरोध -फॉर्म 9	84,93,250
10	तीसरे वर्ष से बीसवें वर्ष तक पेटेंट का नवीकरण	53,06,91,720
11	पेटेंट संशोधन हेतु आवेदन -फॉर्म 10	7,500
12	अनुदान पूर्व आवेदन का संशोधन -फॉर्म 13	1,27,83,640
13	अनुदानोत्तर आवेदन का संशोधन -फॉर्म 13	2,05,000
14	संशोधन/प्रत्यावर्तन/परित्याग का विरोध-फॉर्म 14	24,000
15	नाम/पता/राष्ट्रीयता/सेवार्थ पता में परिवर्तन -फॉर्म 13	89,78,184
16	पेटेंट का प्रत्यावर्तन -फॉर्म 15	8,43,600
17	प्रत्यावर्तन हेतु अतिरिक्त शुल्क	9,53,280
18	पेटेंट परित्याग का प्रस्ताव	36,000
19	आवेदन का प्रत्याहरण	9,43,080
20	पेटेंट रजिस्टर में प्रविष्टि के लिए -फॉर्म 16	50,75,200
21	पेटेंट रजिस्टर में प्रविष्टि के बदलाव के लिए	9,38,584
22	अतिरिक्त सेवार्थ पते की प्रविष्टि हेतु	84,500

23	18 महीने के प्रकाशन के बाद परीक्षण हेतु अनुरोध -फॉर्म 18	37,93,86,000
24	त्वरित परीक्षण हेतु अनुरोध -फॉर्म 18	24,23,960
25	पेटेंट अभिकर्त्ता के रूप में पंजीकरण -फॉर्म 22	8,96,000
26	अभिकर्त्ता परीक्षा में उपस्थित होने के लिए अनुरोध	29,06,000
27	रजिस्टर में अभिकर्त्ता का नाम जारी रखने -प्रथम वर्ष	2,48,300
28	रजिस्टर में अभिकर्त्ता का नाम जारी रखने -द्वितीय वर्ष से	18,25,700
29	पेटेंट अभिकर्त्ता के लिए अनुलिपि प्रमाण पत्र	1,000
30	रजिस्टर में अभिकर्त्ता के नाम का प्रत्यावर्तन -फॉर्म 23	19,760
31	लिपिकीय त्रुटियों का सुधार	2,57,900
32	नियंत्रक के निर्णय की समीक्षा हेतु आवेदन -फॉर्म 24	68,800
33	भारत के बाहर पेटेंट आवेदन करने हेतु अनुमति -फॉर्म 25	1,06,27,840
34	अनुलिपि पेटेंट (एल पी) हेतु आवेदन	59,760
35	सत्यापित प्रतियों की आपूर्ति	1,58,29,630
36	प्रत्येक मुद्रित, कार्यालय प्रतियों के प्रमाणन हेतु	12,800
37	रजिस्टर की जाँच हेतु अनुरोध	3,44,624
38	सूचना हेतु अनुरोध	6,44,820
39	प्रायिकता दस्तावेज दाखिल करने में देरी/अनियमितता ठीक करने/देरी ठीक करने हेतु याचिका	4,06,08,960
40	दस्तावेज की छाया प्रति की आपूर्ति	2,34,872
41	अंतर्राष्ट्रीय आवेदन हेतु पारेषण शुल्क	52,54,350
42	प्रायिकता दस्तावेज की सत्यापित प्रति तैयार करना	24,70,400
43	पेटेंटकृत आविष्कार के जारी रहने का कथन -फॉर्म 27	4,000
44	विरोध की सूचना	12,000
45	विविध	1,59,02,270
46	गैर राजस्व	11,82,546
47	सूचना अधिकार	19,158
	कुल	**1,88,27,65,864**

अध्याय - V

डिजाइन

1. परिचयः

डिजाइन अधिनियम, 2000 जो अपने पूर्ववर्ती 1911 के अधिनियम और तत्संबंधी डिजाइन नियम 2001 को निरस्त कर दिनांक 11 मई 2001 से प्रभावी हुआ जिसे संशोधित कर 17 जून, 2008 से डिजाइन (संशोधन) नियम, 2008 लागू किया गया, जिसके अंतर्गत औद्योगिक डिजाइन का पंजीकरण एवं संरक्षण का प्रावधान किया गया है। इसमें प्रतिलिप्यधिकार का विस्तार तथा अन्यान्य उत्तर-पंजीकरण प्रक्रिया सहित अधिनियम की धारा 19 के अंतर्गत निरस्तीकरण, धारा 31 के तहत परिशुद्धि के साथ-साथ धारा 12, 13 और 14 के तहत प्रत्यावर्तन शामिल है।

औद्योगिक डिजाइन पृष्ठ के ढंग तथा साज-सज्जा तथा पंक्तियों एवं रंग के संयोजन के साथ-साथ नये आकार व संरचनाओं के वैशिष्ठ्य का सृजन तथा दृष्टिगत अनुरोध के संवर्द्धन हेतु वस्तुओं में प्रयुक्त अलंकरण को प्रमाणित करता है।

किसी वस्तु के लिए प्रयुक्त डिजाइन पंजीकरण के आवेदनों को डिजाइन नियम, 2001 की तृतीय अनुसूची के अनुरूप वर्गीकृत किया जाता है। यह मुख्यतः अन्तर्राष्ट्रीय वर्गीकरण प्रणाली पर आधारित है जिसे लोकार्नो वर्गीकरण के नाम से जाना जाता है।

पेटेंट कार्यालय के डिजाइन स्कन्ध के संपूर्ण कम्प्यूटरीकरण की दिशा में कई गतिविधियों की शुरूआत की गई है। आवेदन की अद्यतन स्थिति शासकीय वेबसाइट पर इलेक्ट्रोनिक रूप में उपलब्ध करा दी गई है। 1911 के निरस्त अधिनियम के तहत वर्गीकृत पूर्व पंजीकृत डिजाइन को 2013-14 की अवधि के दौरान पुनः वर्गीकृत किया गया। 1989 से प्रारंभ करते हुए सभी अभिलेखों को डिजाइन नियम, 2001 यथा संशोधित डिजाइन (संशोधन) नियम, 2008 की तृतीय अनुसूची के अनुरूप पुनः वर्गीकृत किया गया और उन प्रयासों की शुरूआत की गई जिससे इन आंकड़ों को जन अन्वेषण के लिए उपलब्ध कराया जा सके।

डिजाइन विषयक जागरूकता सृजित करने के उद्देश्य से एक जन सूचना कार्यक्रम प्रारंभ किया गया और पूरे वित्त वर्ष के दौरान विभिन्न संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यशाला/संगोष्ठियों में अधिकारियों ने अपनी भागीदारी दी।

2. दाखिल एवं पंजीकृत डिजाइन आवेदनः

वर्ष के दौरान डिजाइन पंजीकरण हेतु दाखिल आवेदनों की संख्या 8,533 थी। इस अवधि के दौरान पंजीकृत आवेदनों की संख्या 7,178 थी जबकि 7,281 आवेदनों का परीक्षण किया गया। डिजाइन आवेदन दाखिल करने एवं उनके पंजीकरण की प्रवृत्ति नीचे प्रदर्शित की गई है।

दाखिल आवेदन एवं पंजीकृत डिजाइन

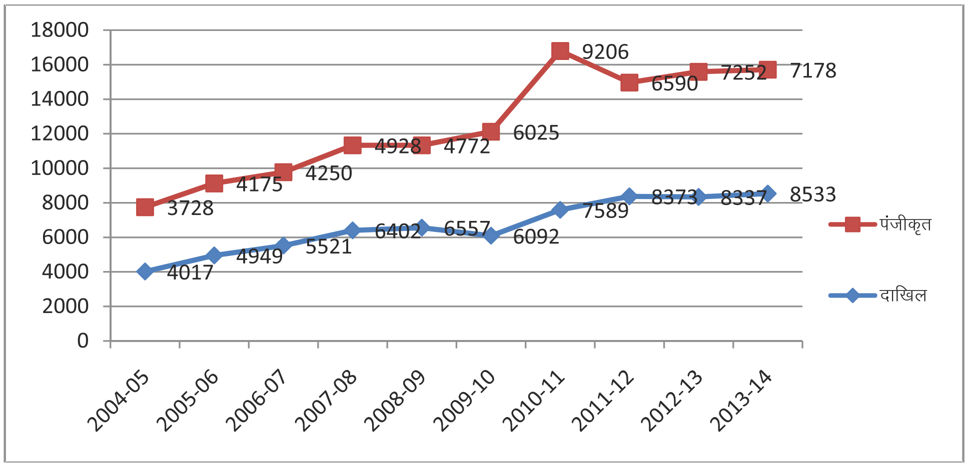

भारतीय एवं विदेशी नागरिकों द्वारा दाखिल आवेदन:

भारत में उद्गमित आवेदनों की संख्या 5,530 थी जबकि 3,003 आवेदन विदेशों से प्राप्त हुए। भारत से उद्गमित आवेदनों की संख्या कुल आवेदन का 64.0 प्रतिशत थी जो कि विगत वर्ष के लगभग समान है।

भारतीय और विदेशी उद्गम की आवेदन प्रवृत्ति निम्नवत् है:

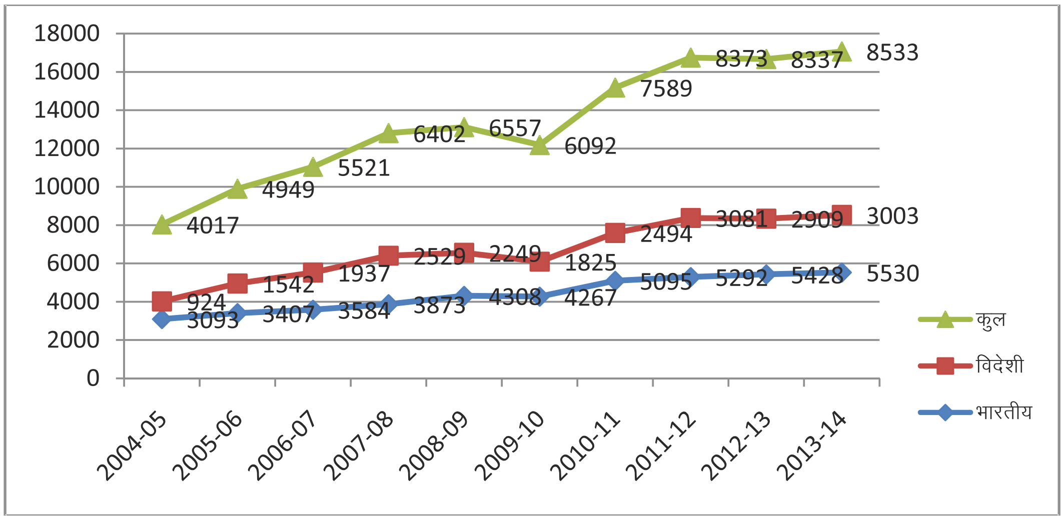

विदेशों से उद्गमित आवेदनों के संदर्भ में यू.एस.ए. आवेदनों की अधिकतम संख्या (536) के साथ अग्रणी रहा जिसके बाद क्रमशः जापान (390), जर्मनी (356), स्वीडन (160), नीदरलैंड (147), फ्रांस (118), यू.के.(113), इटली (117), स्विट्जरलैंड (116) और कोरिया गणतंत्र (90) रहे। डिजाइन अधिनियम, 2000 की धारा 44 के अंतर्गत भारत एवं अन्य कन्वेंशन देशों के बीच पारस्परिक व्यवस्था के तहत 2,990 आवेदनों ने प्रायिकता दावे दाखिल किए।

अग्रणी विदेशी कम्पनियाँ जिन्होंने आवेदन दाखिल किया वे थीं कोनिंकलिके फिलिप्स एन.भी. (88), रेनॉल्ट ट्रक (81), होण्डा मोटर कम्पनी लिमिटेड (77), वोल्वो लास्टवगनर एबी (58), वोल्वो ट्रक कॉर्पोरेशन

(49), सैमसंग इलेक्ट्रॉनिक कं. लि. (45), माइक्रोसॉफ्ट कार्पोरेशन (40), पैरी मुर्रे एंड कं. लि. (37), निसान जिडोशा काबुशीकी काइशा (निसान मोटर कं. लि. के रूप में भी ट्रेडिंग) (35), सैंडविक इंटेलेक्च्युल प्रोपर्टी एबी (31) इत्यादि।

इसी प्रकार, भारतीय कम्पनियों में मेसर्स बीबा अप्परेल्स प्र. लि. (286), मा डिजाइन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (196), टाटा मोर्टस लि. (157), वर्मोरा प्लास्टेक प्र. लि. (53), क्रॉम्पटन ग्रीब्स लि.(50), अजंता लिमिटेड (48), अजंता प्राइवेट लिमिटेड (42), गोल्ड मेडल इलेक्ट्रॉनिक्स प्र. लि. (40), हीरो मोटोकॉर्प लिमिटेड (39), एच.के. ज्वेलस प्र. लि. (34), टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड (34) आदि अग्रणी रही।

3. डिजाइन आवेदनों का परीक्षण:

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान दाखिल सभी (8,533) आवेदन विगत वर्ष के 1,209 लंबित आवेदनों के साथ परीक्षण हेतु लिए गए। इन कुल 9,742 आवेदनों में से 7,281 आवेदनों का परीक्षण किया गया। वर्ष के दौरान पंजीकृत डिजाइन की संख्या 7,178 थी। 3 आवेदनों को डिजाइन अधिनियम तथा नियमों के अंतर्गत अस्वीकृत कर दिया गया और 45 आवेदन परित्यक्त हुए।

4. प्रतिलिप्यधिकार विस्तार [धारा 11(2) के तहत]:

वर्ष 2013-2014 के दौरान पंजीकृत डिजाइन में प्रतिलिप्यधिकार विस्तार के लिए 1,053 आवेदन प्राप्त किए गए। 879 पंजीकृत डिजाइन का आगामी 5 वर्षों के लिए नवीकरण इस वर्ष के दौरान किया गया। हालाँकि, शेष मामलों पर कार्यवाही प्रारंभ की गई है। वर्ष के दौरान डिजाइन के प्रत्यावर्तन के लिए 61 आवेदन दाखिल किए गए जिनमें से 57 आवेदनों का प्रत्यावर्तन कर दिया गया।

5. विविध कार्यवाहियाँ:

पंजीकृत डिजाइन का निरस्तीकरण [धारा 19 के तहत]: वर्ष के दौरान पंजीकृत डिजाइन के निरस्तीकरण के लिए 46 आवेदन दाखिल हुए। वर्ष के दौरान **66** सुनवाइयाँ प्रदान की गयी तथा 25 आदेश जारी किए गए।

जनता द्वारा निरीक्षण [नियम 38 के तहत]: वर्ष के दौरान 52 बार डिजाइन रजिस्टर का निरीक्षण किया गया।

नाम और पते में परिवर्तन [नियम 31 के तहत]: वर्ष के दौरान नाम, पते एवं सेवार्थ पते में परिवर्तन हेतु 906 अनुरोध प्राप्त हुए, जिनमें से 854 मामलों का निपटान कर आदेश जारी किया गया। शेष मामलों पर कार्यवाही प्रारम्भ की गई है। इसी प्रकार, वर्ष के दौरान लिपिकीय त्रुटियों के परिमार्जन हेतु 54 अनुरोध प्राप्त हुए एवं उनका निपटान कर दिया गया।

नियम 41 तथा धारा 17 (2) के तहत सत्यापित प्रतियां: वर्ष के दौरान 615 अनुरोध दाखिल किए गए और 2 अनुरोधों के अतिरिक्त अन्य सभी मामलों पर सत्यापित प्रतियां जारी कर दी गई।

6. राजस्व

वर्ष के दौरान डिजाइन अधिनियम, 2000 और उसके तहत निर्मित नियमों के अंतर्गत डिजाइन आवेदनों और अन्य कार्यवाहियों के संदर्भ में विभिन्न शुल्कों से पेटेंट कार्यालयों (कोलकाता, दिल्ली, मुम्बई एवं चेन्नई) द्वारा अर्जित कुल राजस्व निम्नवत् है:

पेटेंट कार्यालय	राजस्व (रु. में)
कोलकाता	79,85,944
दिल्ली	2,96,300
मुम्बई	19,26,400
चेन्नई	4,96,800
कुल	**1,33,73,044**

वित्तीय वर्ष के दौरान कुल रु.1,33,73,044 (रु. एक करोड़ तैंतीस लाख तेहत्तर हजार चौवालीस मात्र) का राजस्व अर्जित हुआ।

7. प्रवृत्त डिजाइन: प्रतिवेदन वर्ष के अंत तक प्रवृत्त पंजीकृत डिजाइन की संख्या **44,903** रही।

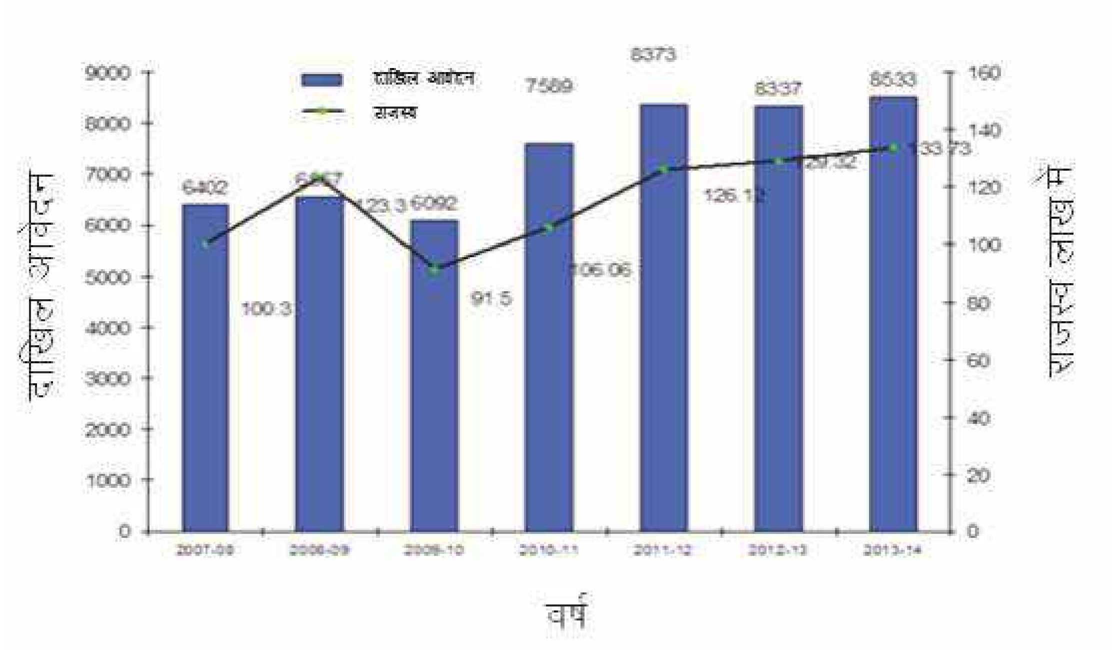

परिशिष्ट- क

वर्ष 2013-2014 के दौरान डिजाइन से उत्पादित राजस्व

प्रलेखों का विवरण	संख्या	शुल्क (रु.)	राशि (रु.)
डिजाइन अधिनियम, 2000 की धारा 5 एवं 44 के तहत डिजाइन के पंजीकरण हेतु आवेदन। (दिल्ली, मुम्बई एवं चेन्नई पेटेंट कार्यालयों में प्राप्त आवेदनों सहित)	8533	1000	85,33,000
धारा 11(2) के तहत प्रतिलिप्यधिकार के विस्तार हेतु आवेदन	1053	2000	21,16,000
धारा 12(2) के तहत व्यपगत डिजाइन का प्रत्यावर्तन	61	1000	61,000
धारा 19 के तहत डिजाइन का निरस्तीकरण	46	1500	69,000
धारा 26 और 17 (2) के तहत सत्यापित प्रति	615	500	3,07,500
डिजाइन अधिनियम, 2000 व डिजाइन नियम, 2001 के तहत प्राप्त अन्य विविध शुल्क; दिल्ली, मुम्बई एवं चेन्नई पेटेंट कार्यालयों में प्राप्त आवेदनों सहित।			22,86,544
कुल योग			**1,33,73,044**

परिशिष्ट- ख

दाखिल एवं पंजीकृत आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	दाखिल	पंजीकृत
2004-05	4017	3728
2005-06	4949	4175
2006-07	5521	4250
2007-08	6402	4928
2008-09	6557	4772
2009-10	6092	6025
2010-11	7589	9206
2011-12	8373	6590
2012-13	8337	7252
2013-14	**8533**	**7178**

परिशिष्ट- ग

उद्गम के अनुसार दाखिल एवं पंजीकृत डिजाइन आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	दाखिल		पंजीकृत	
	भारतीय	विदेशी	भारतीय	विदेशी
2004-05	3093	924	3166	562
2005-06	3407	1542	3439	736
2006-07	3584	1937	2877	1373
2007-08	3873	2529	3026	1902
2008-09	4308	2249	2985	1787
2009-10	4267	1825	3552	2473
2010-11	5095	2494	6369	2837
2011-12	5292	3081	4162	2428
2012-13	5428	2909	4662	2590
2013-14	**5530**	**3003**	**4330**	**2848**

अध्याय - VI

व्यापार चिह्न

1.परिचय

यह अध्याय व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 तथा उसके अधीन बने नियमों के तहत व्यापार चिह्न रजिस्ट्री द्वारा निष्पादित गतिविधियों से संबंधित 55वाँ वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करता है।

व्यापार चिह्न अधिनियम लागू होने का उद्देश्य वस्तुओं व सेवाओं के व्यापार चिह्न का पंजीकरण व उसको सुरक्षा प्रदान करना है और देश में वाणिज्य वस्तु पर नकली व्यापार चिह्न के उपयोग को रोकना है। व्यापार चिह्न का पंजीकरण पंजीकृत स्वत्वधारी को कतिपय सांविधिक अधिकार प्रदान करता है, जो उसे व्यापार चिह्न के अतिलंघन की स्थिति में अतिलंघन करने वाले के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई हेतु सक्षम बनाता है, चाहे वह व्यापार चिह्न प्रयोग में हो या नहीं। यह उन सामान्य कानून अधिकार के अतिरिक्त है जहां पासिंग ऑफ के अंतर्गत मुकदमा चलाया जा सकता है।

व्यापार चिह्न रजिस्ट्री व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 तथा उसके अधीन बने नियमों को प्रशासित करता है। यह व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 और व्यापार चिह्न नियम, 2000 क्रमश: व्यापार और पण्य चिह्न अधिनियम, 1958 और व्यापार और पण्य चिह्न नियम, 1959 के स्थान पर दिनांक 15 सितंबर, 2003 से प्रभावी हुए।

रजिस्ट्री का मुख्यालय मुंबई में है तथा इसकी शाखाएं दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई और अहमदाबाद में स्थित हैं।

देश में बौद्धिक सम्पदा अधिकार के विषय में सामान्य रूप से तथा व्यापार चिह्न के संबंध में विशेष रूप से बढ़ती जागरुकता के कारण व्यापार चिह्न रजिस्ट्री की गतिविधि तथा उत्तरदायित्व में काफी बढ़ोतरी हुई है। व्यापार चिह्न अधिनियम, 1999 के अधीन और व्यापार चिह्न के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण के लिए मैड्रिड प्रोटोकॉल से भारत के संबद्ध होने के बाद सेवा चिह्न, सुविख्यात चिह्न, सामूहिक चिह्न की संरक्षा तथा बहु वर्ग (मल्टी क्लास) आवेदनों हेतु प्रावधान इत्यादि को शामिल किए जाने से इस भूमिका में और बढ़ोतरी हुई है। रजिस्ट्री एक विस्तृत ई-फाइलिंग सेवा गेटवे के माध्यम से वेब आधारित सेवाएं भी प्रदान करती है जिसमें सभी व्यापार चिह्न आवेदन और अन्य व्यापार चिह्न फॉर्म तथा शुल्क के ई-पेमेंट की सुविधा भी शामिल है। इसके अतिरिक्त व्यापार चिह्न रजिस्ट्री पर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वायपो की स्थायी समिति के व्यापार चिह्न से संबंधित विचार विमर्श पर बारीकी से ध्यान रखने के साथ ही डोमेन नाम तथा इंटरनेशनल नॉन प्रोपरायटरी नामों जैसे उभरते मुद्दों के लिए सुझाव प्रदान करने की जिम्मेदारी भी है। साथ ही साथ, व्यापार चिह्न रजिस्ट्री समय-समय पर बौद्धिक सम्पदा अधिकार के क्षेत्र में जागरुकता संबंधी गतिविधियाँ भी चलाती है।

2. वर्ष 2013-2014 के दौरान गतिविधियों की प्रवृत्ति

वर्ष 2013-2014 के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री द्वारा की गई गतिविधियों संबंधी जानकारी निम्नलिखित सारणी में प्रदान की गई है। आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्ति यह इंगित करती है कि वर्ष 2012-13 में दाखिल 1,94,216 आवेदनों की तुलना में वर्ष 2013-14 में दाखिल आवेदनों की संख्या 2,00,005 रही जो 5,789 की वृद्धि दर्ज करती है। दाखिल किए गए, परीक्षित एवं पंजीकृत आवेदन संबंधी जानकारी **परिशिष्ट-I** में दी गई है।

क्रम संख्या	गतिविधियाँ	2012-2013	2013-2014
1.	पंजीकरण के लिए दाखिल किए गए आवेदन	1,94,216	2,00,005
2.	व्यापार चिह्न जर्नल में विज्ञापित आवेदनों की संख्या	74,871	67,796
3.	पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या	44,361	67,876
4.	पंजीकरण के अतिरिक्त अन्यथा रूप में (अस्वीकृति, परित्याग और वापसी द्वारा) निष्पादित उत्तर-परीक्षण आवेदनों की संख्या	25,375	36,880
5.	पंजीकरण का नवीकरण किए जानेवाले चिह्नों की संख्या	24,828	32,202
6.	पंजीकृत व्यापार चिह्न (समनुदेशन सहित) में पंजीकरण के बाद किए गए परिवर्तनों की प्रविष्टि हेतु निष्पादित अनुरोधों की संख्या	14,078	19,856
7.	प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम,1983 की धारा 45(1) के तहत जारी प्रमाण पत्र	1,284	3,825

3. व्यापार चिह्न आवेदन दाखिल करने की प्रवृत्ति :

भारत में व्यापार चिह्न के पंजीकरण के लिए दाखिल किए जा रहे आवेदनों की प्रवृत्ति में निरंतर वृद्धि देखी गई है। वर्ष 2013-2014 में भारतीयों द्वारा दाखिल किए गए आवेदनों की संख्या 1,84,140 थी तथा विदेशी आवेदकों द्वारा दाखिल आवेदनों की संख्या 15,865 थी।

2009-10 से 2013-14 के दौरान दाखिल आवेदनों की प्रवृत्ति

वर्ष	भारतीय आवेदक	विदेशी आवेदक	कुल
2009-10	1,34,403	07,540	1,41,943
2010-11	1,67,701	11,616	1,79,317
2011-12	1,69,602	13,986	1,83,588
2012-13	1,79,436	14,780	1,94,216
2013-14	**1,84,140**	**15,865**	**2,00,005**

4. विभिन्न प्रकार के व्यापार चिह्न के लिए प्राप्त आवेदनों की प्रवृत्ति:

वर्ष 2013-14 के दौरान विभिन्न प्रकार के व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति निम्न प्रदत्त सारणी में दर्शायी गई है। ऐसा देखा गया है कि कुल मिलाकर 1,44,239 अभिलक्षण चिह्न वाले आवेदन दाखिल किए गए जो कुल आवेदन का लगभग 72.12% है और इसी प्रकार शब्द चिह्न वाले लगभग 55,744 आवेदन दाखिल किए गए जो कुल आवेदन का 27.87% है।

दाखिल किए गए विभिन्न प्रकार के व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति

चिह्नों के प्रकार	2012-13	2013-14
अभिलक्षण चिह्न	1,41,301	1,44,239
शब्द चिह्न	52,865	55,744
अंक चिह्न	20	9
वर्ण चिह्न	10	13
कुल	**1,94,216**	**2,00,005**

5. वर्गानुसार दाखिल किए गए आवेदनों की प्रवृत्ति :

वर्ष 2013-14 के दौरान दाखिल किए गए व्यापार चिह्न आवेदनों की वर्गानुसार प्रवृत्ति निम्न प्रदत्त सारणी में दर्शायी गई है। पिछले वर्ष की भांति इस वर्ष भी सबसे ज्यादा आवेदन वर्ग 5 के अंतर्गत की वस्तुओं (भेषजीय, पशु चिकित्सीय तथा आरोग्यकारक पदार्थों आदि) के लिए प्राप्त हुए हैं।

व्यापार चिह्न के पंजीकरण हेतु दाखिल आवेदनों के वर्गानुसार वितरण का विवरण

वर्ग	वस्तुएं	दाखिल आवेदन	कुल दाखिल आवेदनों का %
1	उद्योग, विज्ञान, फोटोग्राफी, कृषि, उद्यान-कृषि, वानिकी, खाद आदि में उपयोग में लाए जाने वाले रासायनिक पदार्थ	3330	1.66
2	पेंट और वार्निश	1118	0.56
3	सुगंधित पदार्थ, अंगराग आदि	7540	3.77
4	औद्योगिक तेल और चिकनाइयॉं (खाद्य तेल के अलावा) आदि	869	0.43
5	औषधीय, भेषजीय, पशु चिकित्सीय और आरोग्यकारक पदार्थ आदि	33285	16.64
6	अन-रॉट और अंशतः रॉट सामान्य धातु एवं उनके मिश्र धातु आदि	2848	1.42
7	मशीन और मशीनी औजार, मोटरें, आदि	4948	2.47
8	हाथ से काम करने के औजार और उपकरण आदि	840	0.42
9	वैज्ञानिक, नाविक, सर्वे, वैद्युत उपकरण आदि	9770	4.88
10	शाल्यिक, औषधीय, दंत और पशुचिकित्सा उपकरण और यंत्र आदि	2142	1.07
11	प्रकाशन साधित्र, तापक वाष्पजनक आदि	5181	2.59
12	वाहन और उनके पुर्जे, यंत्र, भूमि पर, व्योम में अथवा जल पर चलने के लिए यंत्र आदि	2714	1.36
13	अग्न्यास्त्र, गोला बारूद और क्षेपित्र आदि	245	0.12
14	बहुमूल्य वस्तुएं और उनकी मिश्र धातु आदि	2140	1.07
15	संगीत के यंत्र (बोलने वाली मशीन और वायरलेस उपकरण के अतिरिक्त)	232	0.12
16	कागज और कागज की वस्तुएं, लेखन सामग्री, छपी सामग्री आदि	5323	2.66
17	गट्टा पर्चा, भारतीय रबर आदि	1952	0.98
18	चमड़े और कृत्रिम चमड़े आदि	1616	0.81

19	भवन निर्माण सामग्रियां आदि	3846	1.92
20	फर्नीचर, आईने आदि	1969	0.98
21	छोटे घरेलू बर्तन आदि	2014	1.01
22	रस्सी, सुतली आदि	450	0.22
23	सूत और धागे	430	0.21
24	टिशू (खंडित वस्तुएं) आदि	2831	1.42
25	बूट, जूते और स्लीपर सहित पहनने की वस्तुएं	11636	5.82
26	गोटा और कसीदा, फीता और चोटी आदि	636	0.32
27	गलीचे, लोई, चटाइयां आदि	417	0.21
28	खेल और खेलने की चीजें आदि	1122	0.56
29	मांस, मछली, मुर्गी पालन आदि	4645	2.32
30	कॉफी, चाय, कोको आदि	11858	5.93
31	कृषि, बागवानी और वन्य उत्पाद और अनाज जो अन्य वर्गों के अंतर्गत नहीं है	3856	1.93
32	बीयर, एल और पोर्ट, खनिज और वाति जल और अन्य अमद्यसारिक पेय जो अन्य वर्गों के अंतर्गत नहीं है	3799	1.90
33	वाइन स्प्रिट और मद्य पेय	1069	0.53
34	तम्बाकू, कच्चा या निर्मित, धूम्रपान करने वालों के लिए चीजें, दियासलाइयाँ	1880	0.94
35	विज्ञापन, कारोबार प्रबन्ध, कारोबार प्रशासन, कार्यालय कृत्य	13845	6.92
36	बीमा वित्तीय कार्य, आर्थिक कार्य, सम्पदा कार्य	4058	2.03
37	भवन निर्माण, मरम्मत, संस्थापन सेवाएं	4207	2.10
38	दूरसंचार	2276	1.14
39	यातायात, माल की पैकिंग और भंडारण, यात्रा इंतजाम	2344	1.17
40	सामग्री का बहिस्त्राव	839	0.42
41	शिक्षा, प्रशिक्षण देना, मनोरंजन, क्रीडा और सांस्कृतिक क्रियाकलाप	9219	4.61
42	वैज्ञानिक और तकनीकी सेवाएं तथा उससे संबंधित शोध और अभिकल्प, औद्योगिक विश्लेषण और शोध सेवाएं, कम्प्यूटर हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर का डिजाइन और विकास	5330	2.66
43	खाद्य और पेय हेतु सेवाएं; अस्थायी निवास	5779	2.89
44	चिकित्सा सेवाएं ; पशुचिकित्सा सेवाएं; मानव या पशुओं के लिए स्वच्छता और सौन्दर्य देखभाल; कृषि, बागवानी तथा वन्य सेवाएं,	3441	1.72
45	विधिक सेवाएं; सम्पत्ति और व्यक्तियों की सुरक्षा हेतु सुरक्षा सेवाएं; व्यक्तियों की आवश्यकता पूर्ति के लिए अन्य लोगों द्वारा प्रदान की जाने वाली व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएं	2047	1.02
99	बहु वर्ग	8069	4.03
	कुल	200005	100.00

6. शाखानुसार दाखिल किए गए आवेदनों की प्रवृत्ति :

वर्ष 2013-14 के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, दिल्ली शाखा में अधिकतम संख्या (76,855) में आवेदन दाखिल किए गए जिसके बाद क्रमशः मुंबई (52,319), चेन्नई (35,998), अहमदाबाद (21,964) एवं कोलकाता (12,869) का स्थान आता है।

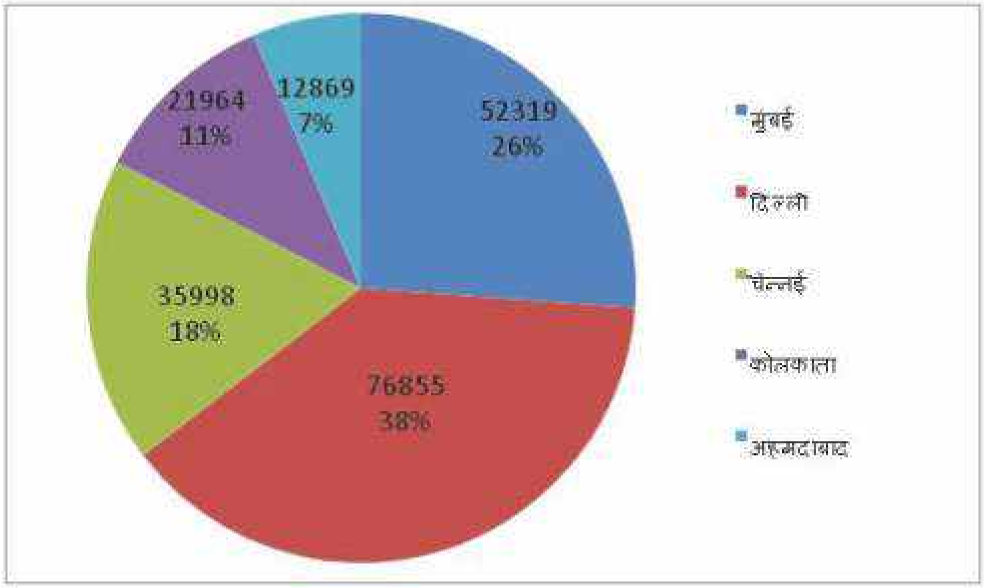

7. **व्यापार चिह्न का पंजीकरण एवं अन्य गतिविधियाँ :**

वर्ष 2013-14 के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या 67,876 रही जबकि पिछले वर्ष के दौरान 44,361 चिह्न पंजीकृत किए गए थे। दिनांक 31 मार्च, 2014 तक पंजीकृत व्यापार चिह्न की कुल संख्या 9,95,387 थी।

वर्ष के दौरान नवीकृत किए गए पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या 32,202 रही। पंजीकृत व्यापार चिह्न (समनुदेशन सहित) के संदर्भ में पंजीकरण के उपरांत परिवर्तन करने हेतु 17,532 अनुरोध प्राप्त हुए और वर्ष 2013-14 के दौरान 19,856 अनुरोध निष्पादित कर दिए गए।

इसके अतिरिक्त, वर्ष 2013-14 के दौरान कानूनी कार्यवाहियों में उपयोग के लिए या विदेशों में पंजीकरण प्राप्त करने हेतु 9,405 प्रमाणपत्र जारी किए गए।

वर्ष 2013-14 के दौरान प्रतिलिप्यधिकार अधिनियम, 1957 की धारा 45 (1) के तहत 3,825 प्रमाण पत्र प्रतिलिप्यधिकार के रूप में कलात्मक कार्य के पंजीकरण हेतु जारी किए गए।

रजिस्ट्री ने व्यापार चिह्न पंजीकरण के लिए विगत वर्ष के 74,871 विज्ञापनों की तुलना में वर्ष 2013-14 के दौरान 67,796 आवेदन भी व्यापार चिह्न जर्नल में विज्ञापित किए। पिछले पाँच वर्षों में व्यापार चिह्न जर्नल में प्रकाशित व्यापार चिह्न की प्रवृत्ति **परिशिष्ट II** में दिखाई गई है।

रजिस्ट्री ने अधिनियम और नियम के अधीन विधिक कार्यवाहियाँ संचालित की जिनमें मुख्यत: विरोध और परिशोधन की कार्यवाहियाँ थी। वर्ष 2013-14 के दौरान विरोध की सूचना और रजिस्टर के परिशोधन हेतु 14,540 आवेदन दाखिल किए गए और 12,091 ऐसे मामलों का पूर्णतया निष्पादन कर दिया गया। ऐसे दाखिल और निष्पादित मामलों का विवरण **परिशिष्ट III** में दिया गया है।

प्रतिवेदन वर्ष के दौरान सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत प्राप्त अनुरोधों की संख्या 3,780 थी और 3,724 अनुरोधों का निष्पादन कर दिया गया।

8. पंजीकृत व्यापार चिह्न का वर्गानुसार विवरण

निम्न प्रदत्त सारणी वर्ष 2013-14 के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या का वर्गानुसार विवरण प्रस्तुत करती है। यह देखा गया है कि वर्ग-5 के अंतर्गत 10,303 व्यापार चिह्न पंजीकृत किए गए जो कुल पंजीकरण का 15.20% है, जिसके बाद वर्ग-35 आता है जो 6.89% है। हालाँकि, विविध वर्गों में 2,151 व्यापार चिह्न पंजीकृत किए गए जो कुल पंजीकृत चिह्न का लगभग 3.17% है।

पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या का वर्गानुसार विवरण

वर्ग	वस्तुएं	पंजीकृत व्यापार चिह्न	कुल पंजीकरण का प्रतिशत
1	उद्योग, विज्ञान, फोटोग्राफी, कृषि, उद्यान-कृषि, वानिकी, खाद आदि में उपयोग में लाए जाने वाले रासायनिक पदार्थ	1351	1.99
2	पेंट और वार्निश	556	0.82
3	सुगंधित पदार्थ, अंगराग आदि	2161	3.19
4	औद्योगिक तेल और चिकनाइयाँ (खाद्य तेल के अलावा) आदि	506	0.75
5	भेषजीय, पशु चिकित्सीय और आरोग्यकारक पदार्थ आदि	10303	15.20
6	अन-रॉट और अंशतः रॉट सामान्य धातु एवं उनके मिश्र धातु आदि	1268	1.87
7	मशीन और मशीनी औजार, मोटरें, आदि	1941	2.86
8	हाथ से काम करने के औजार और उपकरण आदि	396	0.58
9	वैज्ञानिक, नाविक, सर्वे, वैद्युत उपकरण आदि	3484	5.14
10	शाल्यिक, औषधीय, दंत और पशुचिकित्सा उपकरण और यंत्र आदि	821	1.21
11	प्रकाशन साधित्र, तापक आदि	1574	2.32
12	वाहन और उनके पुर्जे, यंत्र, भूमि पर, व्योम में अथवा जल पर चलने के लिए यंत्र आदि	1114	1.64
13	अग्न्यास्त्र, गोला बारूद और क्षेपित्र आदि	158	0.23
14	बहुमूल्य वस्तुएं और उनकी मिश्र धातु आदि	896	1.32
15	संगीत के यंत्र (बोलने वाली मशीन और वायरलेस उपकरण के अतिरिक्त)	206	0.30
16	कागज और कागज की वस्तुएं, लेखन सामग्री, छपी सामग्री आदि	1997	2.95
17	गट्टा पर्चा, भारतीय रबर आदि	919	1.36
18	चमड़े और कृत्रिम चमड़े से बनी वस्तुएं आदि	579	0.85
19	भवन निर्माण सामग्रियां आदि	1414	2.09
20	फर्नीचर, आईने आदि	824	1.22

21	छोटे घरेलू बर्तन आदि	777	1.15
22	रस्सी, सुतली आदि	262	0.39
23	सूत और धागे	256	0.38
24	टिशू (खंडित वस्तुएं) आदि	1248	1.84
25	बूट, जूते और स्लीपर सहित पहनने की वस्तुएं	3335	4.92
26	गोटा और कसीदा, फीता और चोटी आदि	316	0.47
27	गलीचे, लोई, चटाइयां आदि	240	0.35
28	खेल और खेलने की चीजें आदि	471	0.69
29	मांस, मछली, मुर्गी पालन आदि	1257	1.85
30	कॉफी, चाय, कोको आदि	2714	4.00
31	कृषि, बागवानी और वन्य उत्पाद और अनाज जो अन्य वर्गों के अंतर्गत नहीं है	1467	2.16
32	बीयर, एल और पोर्ट, खनिज और वाति जल और अन्य अमद्यसारिक पेय जो अन्य वर्गों के अंतर्गत नहीं है	1129	1.67
33	वाइन, स्प्रिट और मद्य पेय	548	0.81
34	तम्बाकू, कच्चा या निर्मित, धूम्रपान करने वालों के लिए चीजें, दियासलाइयाँ	707	1.04
35	विज्ञापन, कारोबार प्रबन्ध, कारोबार प्रशासन, कार्यालय कृत्य	4668	6.89
36	बीमा वित्तीय कार्य, आर्थिक कार्य, सम्पदा कार्य	1462	2.16
37	भवन निर्माण, मरम्मत, संस्थापन सेवाएं	1588	2.34
38	दूरसंचार	831	1.23
39	यातायात, माल की पैकिंग और भंडारण, यात्रा इंतजाम	938	1.38
40	सामग्री का बहिस्त्राव	402	0.59
41	शिक्षा,प्रशिक्षण देना, मनोरंजन, क्रीड़ा और सांस्कृतिक क्रियाकलाप	3158	4.66
42	वैज्ञानिक और तकनीकी सेवाएं तथा उससे संबंधित शोध और अभिकल्प, औद्योगिक विश्लेषण और शोध सेवाएं, कम्प्यूटर हार्डवेयर तथा सॉफ्टवेयर का डिजाइन और विकास	2374	3.50
43	खाद्य और पेय हेतु सेवाएं; अस्थायी निवास	1528	2.25
44	चिकित्सा सेवाएं ; पशुचिकित्सा सेवाएं; मानव या पशुओं के लिए स्वच्छता और सौन्दर्य देखभाल; कृषि, बागवानी तथा वन्य सेवाएं,	896	1.32
45	विधिक सेवाएं; सम्पत्ति और व्यक्तियों की सुरक्षा हेतु सुरक्षा सेवाएं; व्यक्तियों की आवश्यकता पूर्ति के लिए अन्य लोगों द्वारा प्रदान की जाने वाली व्यक्तिगत और सामाजिक सेवाएं	605	0.89
99	बहु वर्ग	2151	3.17
	कुल	67796	100.00

9. राजस्व और व्यय

वर्ष 2013-14 के दौरान व्यापार चिह्न रजिस्ट्री ने रु.122.50 करोड़ का राजस्व अर्जित किया जबकि विगत वर्ष यह संख्या रु.110.45 करोड़ थी । इस वर्ष रु.10.29 करोड़ का परिव्यय हुआ जबकि पिछले वर्ष के दौरान रु. 5.04 करोड़ व्यय हुए थे।

क्रम संख्या	वर्ष	राजस्व (रुपए करोड़ में)	व्यय (रुपए करोड़ में)
1.	2009-10	71.60	4.61
2.	2010-11	86.15	6.98
3.	2011-12	103.53	17.59
4.	2012-13	110.45	5.04
5.	**2013-14**	**122.50**	**10.29**

परिशिष्ट- I

पिछले 5 वर्षों में व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति

	2009-10	2010-11	2011-12	2012-13	2013-14
दाखिल	1,41,943	1,79,317	1,83,588	1,94,216	2,00,005
परीक्षित	25,875	2,05,065	1,16,263	2,02,385	2,03,086
पंजीकृत	54,814	1,15,472	51,735	44,361	67,796

पिछले 5 वर्षों में व्यापार चिह्न आवेदनों की प्रवृत्ति की ग्राफीय प्रस्तुति

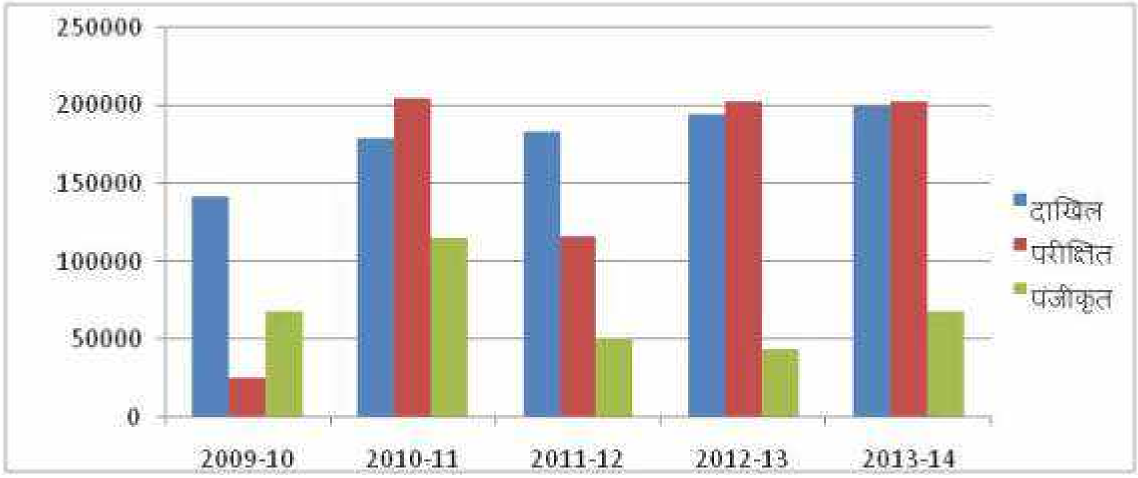

परिशिष्ट- II

पिछले पाँच वर्षों के दौरान प्रकाशित व्यापार चिह्न की संख्या

क्रम संख्या	वर्ष	जर्नल में प्रकाशित व्यापार चिह्न की संख्या
1.	2013-14	67,796
2.	2012-13	74,871
3.	2011-12	44,770
4.	2010-11	1,24,250
5.	2009-10	85,724

पिछले 5 वर्षों में प्रकाशित व्यापार चिह्न की संख्या की ग्राफीय प्रस्तुति

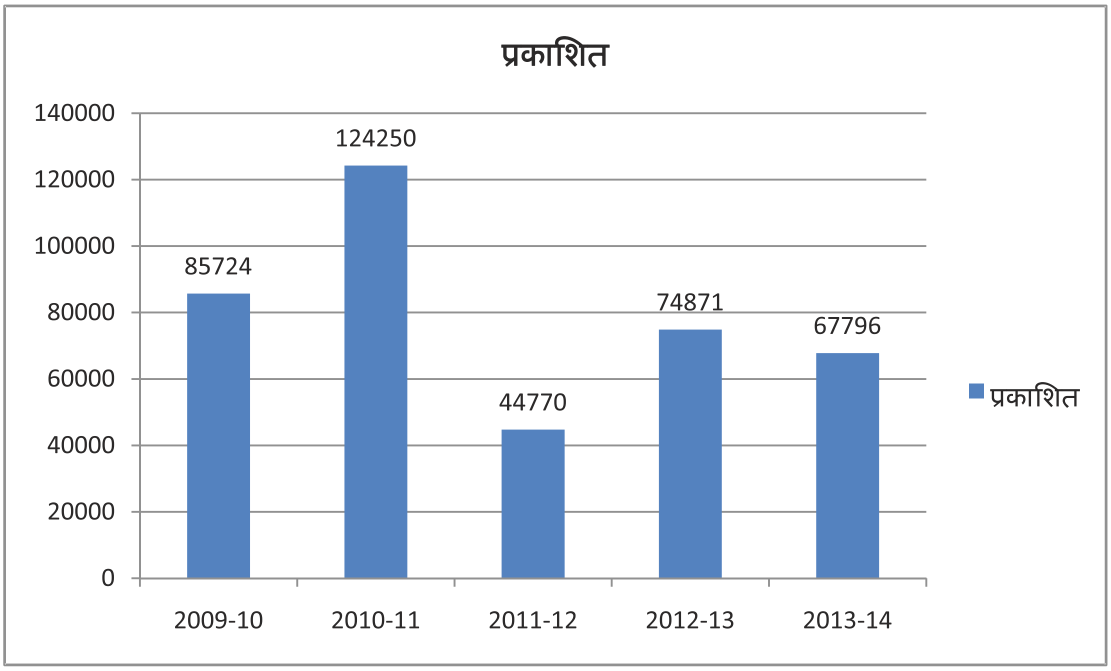

परिशिष्ट- III

1 अप्रैल 2013 से 31 मार्च 2014 तक विभिन्न कार्यालयों में दाखिल विरोध/परिशोधन आवेदन और उनके निष्पादन का विवरण

क्रम संख्या	सुनवाई का स्थान	दाखिल विरोध/परिशोधन	निष्पादित मामले
1.	मुम्बई	3664	5713
2.	कोलकाता	1094	317
3.	चेन्नई	2109	3179
4.	अहमदाबाद	2841	1574
5.	दिल्ली	4832	1308
	कुल	14540	12091

पिछले पाँच वर्षों के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्न

क्रम संख्या	वर्ष	पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या
1.	2009-10	54,814
2.	2010-11	1,15,472
3.	2011-12	51,735
4.	2012-13	44,361
5.	2013-14	67,796
	कुल	**3,34,255**

पिछले 5 वर्षों के दौरान पंजीकृत व्यापार चिह्न की ग्राफीय प्रस्तुति

पंजीकृत व्यापार चिह्न की संख्या

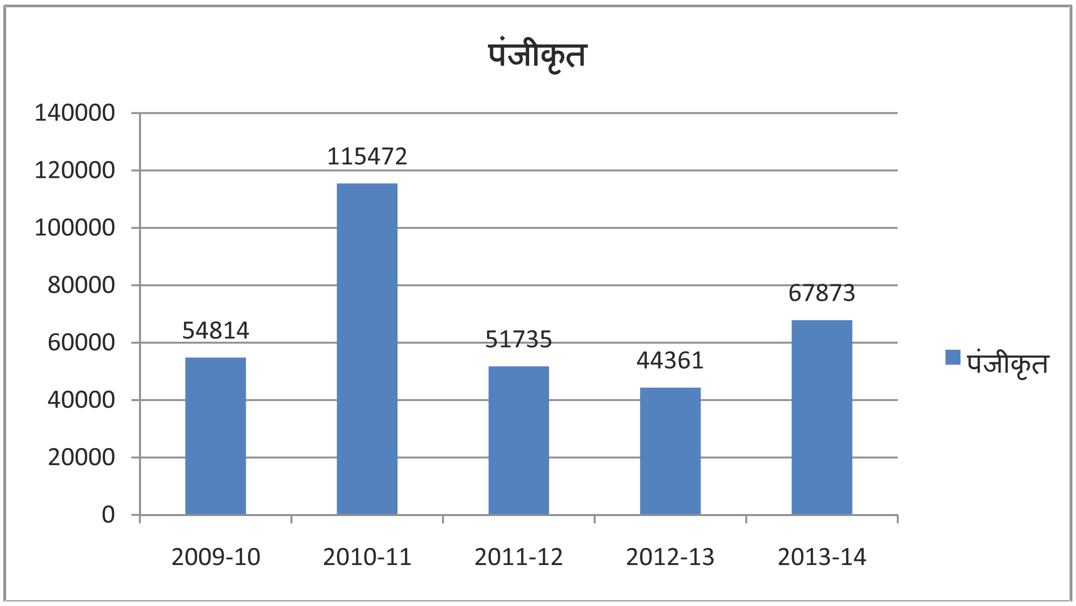

अध्याय - VII

भौगोलिक उपदर्शन

परिचय

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री एक वैधानिक संस्था है जिसकी स्थापना का मुख्य उद्देश्य वस्तुओं से संबंधित भौगोलिक उपदर्शन के पंजीकरण और बेहतर संरक्षा प्रदान करना तथा वस्तुओं के भौगोलिक उपदर्शन (पंजीकरण एवं संरक्षा) अधिनियम, 1999 का प्रशासन करना है जो 15 सितम्बर, 2003 से प्रवृत्त हुआ। भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री कार्यालय चेन्नई में स्थित है।

रजिस्ट्री कार्यालय ने 15 सितम्बर, 2003 से पंजीकरण हेतु भौगोलिक उपदर्शन आवेदन ग्रहण करना प्रारंभ किया। रजिस्ट्री कार्यालय ने 31 मार्च, 2014 तक कुल 479 (चार सौ उन्नासी) भौगोलिक उपदर्शन आवेदन प्राप्त किए हैं।

रजिस्ट्री कार्यालय ने मई 2009 से भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन भी प्राप्त करने प्रारंभ किए हैं। वित्तीय वर्ष के दौरान रजिस्ट्री कार्यालय ने कुल 1,915 (एक हजार नौ सौ पंद्रह) भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन प्राप्त किए हैं।

15 सितम्बर, 2003 से अब तक कुल 215 (दो सौ पंद्रह) भौगोलिक उपदर्शन (जीआई) पंजीकृत किए गए हैं। कुल 365 (तीन सौ पैंसठ) भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता प्रमाण पत्र जारी किए गए है।

रजिस्ट्री कार्यालय भारतीय भौगोलिक उपदर्शन के पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए देश के विभिन्न भागों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित करता रहा है। इस दौरान चाय, कॉफी, मसाले, कृषि और बागवानी उत्पाद, हस्तकरघा उत्पाद, हस्तशिल्प, वस्त्र, प्रसंस्कृत खाद्य वस्तुएँ, दुग्ध उत्पाद, प्राकृतिक वस्तुएँ, स्पिरिट एवं शराब क्षेत्र पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री, चेन्नई

31 मार्च 2014 तक भौगोलिक उपदर्शन आवेदन की स्थिति	
दाखिल भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की कुल संख्या	479
विज्ञापित भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की कुल संख्या	220
पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों की कुल संख्या	215

31 मार्च, 2014 तक भौगोलिक उपदर्शन आवेदनों का विवरण

पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	215
परीक्षण पूर्व अवस्था में भौगोलिक उपदर्शन आवेदन एवं नवीन आवेदन	198
परीक्षण की अवस्था में भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	42
एकीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	13
वापस लिए गये/परित्यक्त भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	7
विरोध/अपील के लिए भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	1
अस्वीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदन	3

31 मार्च 2014 तक दाखिल किए गए भौगोलिक उपदर्शन आवेदन का वर्षवार विवरण

वर्ष	आवेदनों की संख्या
2003-04	6
2004-05	29
2005-06	16
2006-07	33
2007-08	37
2008-09	44
2009-10	40
2010-11	27
2011-12	148
2012-13	24
2013-14	**75**

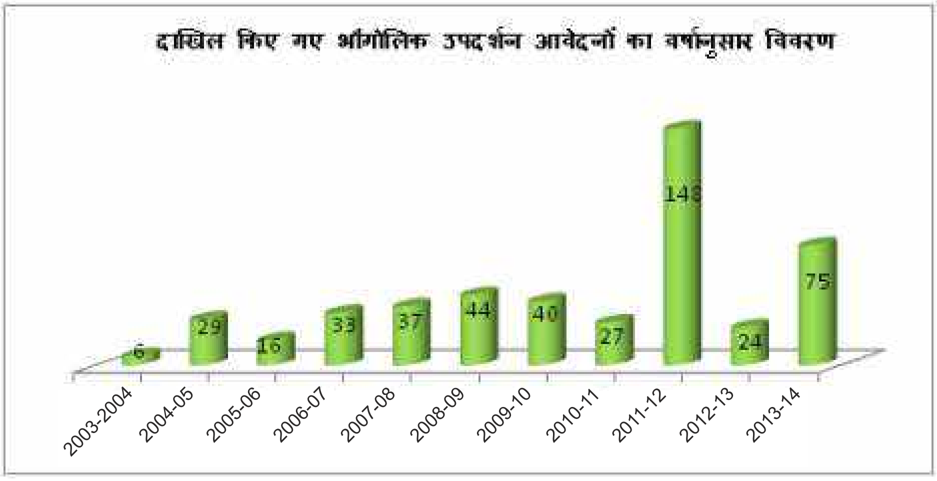

31 मार्च, 2014 तक भौगोलिक उपदर्शन अधिनियम, 1999 की धारा 2(च) के अनुसार वस्तुओं के पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन का विवरण

भौगोलिक उपदर्शन अधिनियम,1999 की धारा 2(च) के अनुसार वस्तुएँ	पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन आवेदन
हस्तकला (वस्त्र सहित)	145
कृषि	48
विनिर्मित	17
खाद्य पदार्थ	5
कुल	**215**

31 मार्च, 2014 तक वस्तुओं के पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन का विवरण

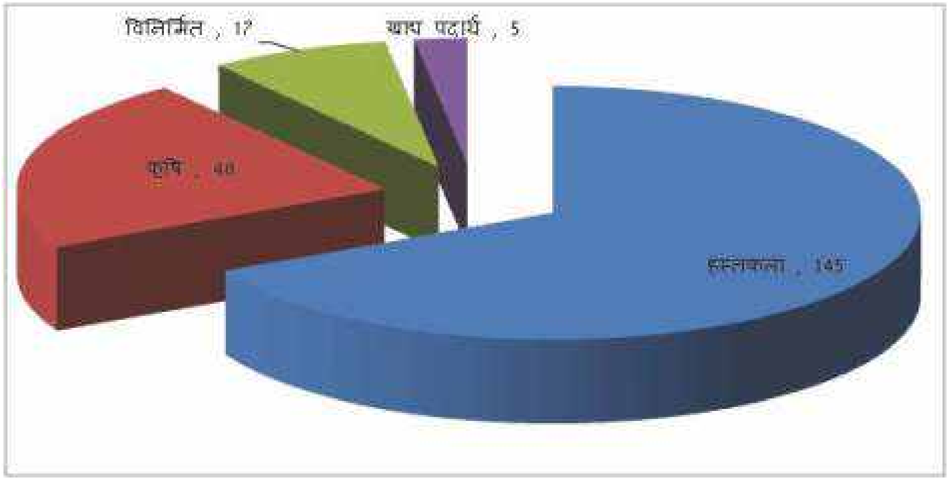

31 मार्च, 2014 तक राज्यवार पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन

राज्य	उत्पादों की संख्या
कर्नाटक	32
तमिलनाडु	24
केरल	21
उड़ीसा	15
उत्तर प्रदेश	15
आंध्र प्रदेश	13
तेलंगाना	10
महाराष्ट्र	10
पश्चिम बंगाल	9
गुजरात	9
राजस्थान	9
जम्मु एवं कश्मीर	6

मध्य प्रदेश	6
हिमाचल प्रदेश	6
बिहार	5
छतीसगढ़	5
असम	3
मणिपुर	3
पाण्डिचेरी	2
फ्रांस	2
पुर्तगाल	2
गोवा	1
नागालैंड	1
पंजाब	1
इटली	1
पेरू	1
मैक्सिको	1
यूनाइटेड किंगडम	1
संयुक्त राज्य अमेरिका	1
कुल	215

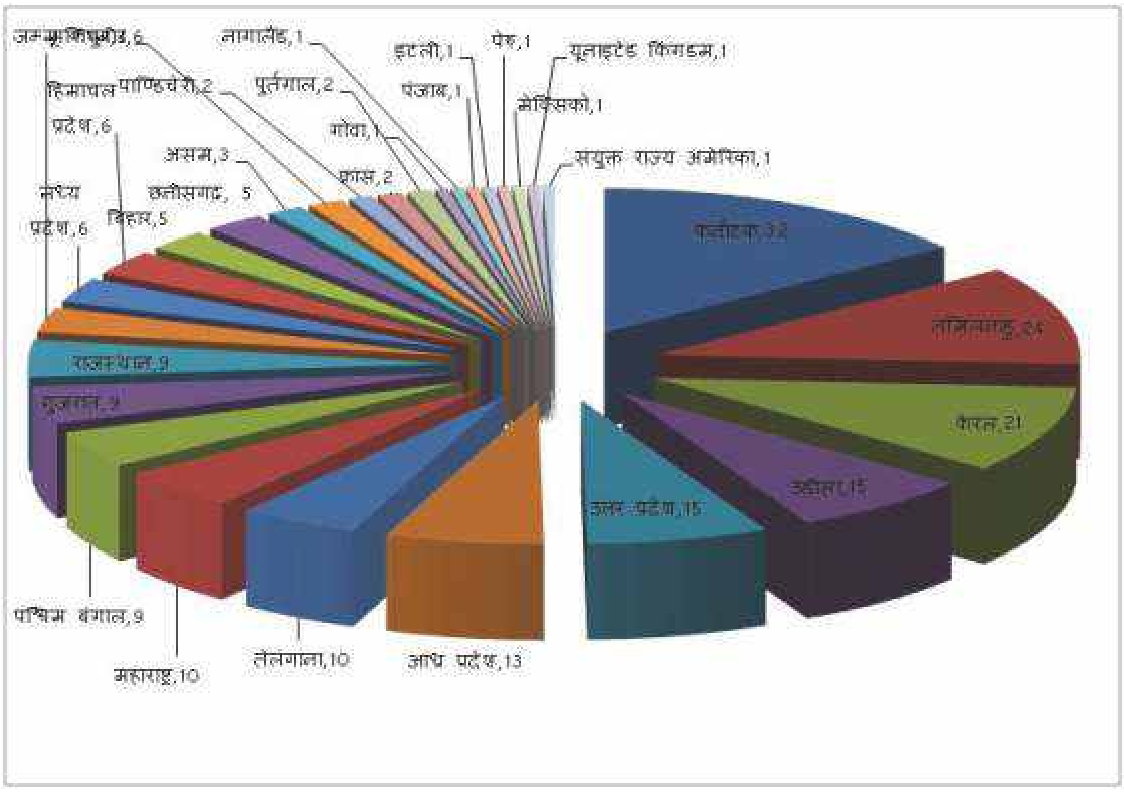

31 मार्च, 2014 तक दाखिल भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों का वर्षवार विवरण

वर्ष	आवेदन की संख्या
2003-04	0
2004-05	0
2005-06	0
2006-07	0
2007-08	0
2008-09	0
2009-10	101
2010-11	124
2011-12	145
2012-13	1070
2013-14	475

31 मार्च 2014 तक दाखिल भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों का वर्षवार विवरण

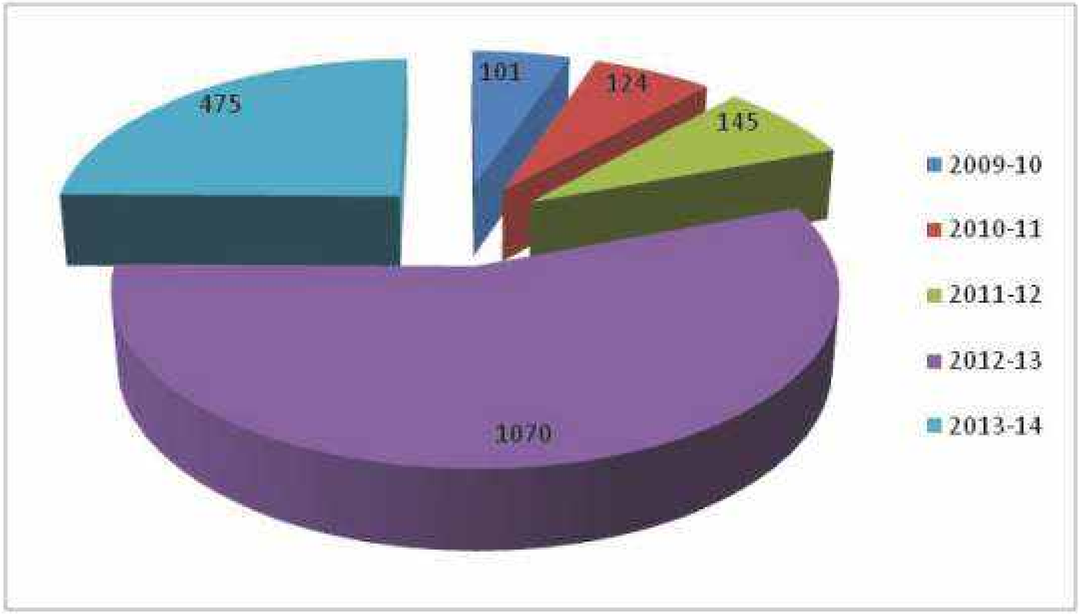

भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदन की स्थिति

पंजीकृत भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या	365
भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों के परीक्षण की संख्या	63
भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों के पूर्व-परीक्षण की संख्या	1438
विज्ञापित भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की संख्या	49
भौगोलिक उपदर्शन प्राधिकृत उपयोक्ता आवेदनों की कुल संख्या	1915

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री द्वारा संचालित भौगोलिक उपदर्शन सुक्ष्मग्राही कार्यशालाओं का वर्षवार विवरण

वर्ष	जी.आई. रजिस्ट्री द्वारा भौगोलिक उपदर्शन सुक्ष्मग्राही कार्यशाला
2001-02	4
2002-03	1
2003-04	6
2004-05	9
2005-06	4
2006-07	10
2007-08	8
2008-09	11
2009-10	1
2010-11	12
2011-12	15
2012-13	15
2013-14	10

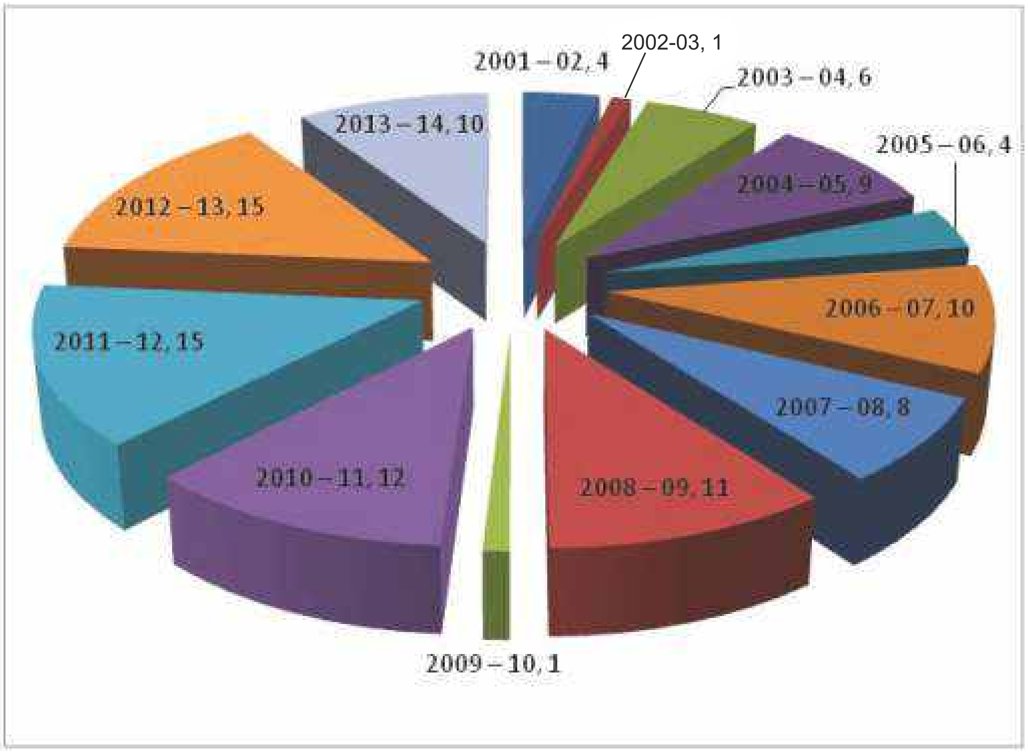

वर्ष 2013-14 के लिए 31 मार्च, 2014 तक का राजस्व विवरण

महीना	वर्ष 2013-14 के लिए राजस्व
अप्रैल, 2013	रु.13,000.00
मई, 2013	रु.134,160.00
जून, 2013	रु. 36,800.00
जुलाई, 2013	रु.85,100.00
अगस्त, 2013	रु.29,210.00
सितम्बर, 2013	रु.122,700.00
अक्टूबर, 2013	रु.49,300.00
नवम्बर, 2013	रु.39,740.00
दिसम्बर, 2013	रु.39,730.00
जनवरी, 2014	रु. 8,100.00
फरवरी, 2014	रु.14,830.00
मार्च, 2014	रु.77,320.00
कुल	रु. **6,49,990.00**

2013-14 के लिए 31 मार्च, 2014 तक भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री की मासिक गैर-योजना परिव्यय का विवरण (गैर-योजना)

शीर्ष / महीना	वेतन	परिवहन भत्ता	कार्यालय परिव्यय	चिकित्सा परिव्यय	अन्य परिव्यय	कुल
बजट आवंटन-ए	**रु. 2,200,000.00**	**रु.2,000,000.00**	**रु. 3,600,000.00**	**रु. 100,000.00**	**रु. 100,000.00**	**रु. 8,000,000.00**
अप्रैल, 2013	रु.336,363.00	रु. 135,177.00	रु. 156,678.00	रु. 0	रु. 0	रु. 628,218.00
मई, 2013	रु. 140,661.00	रु. 34,823.00	रु. 210,362.00	रु. 0	रु. 0	रु. 385,846.00
जून, 2013	रु. 140,661.00	रु. 54,977.00	रु. 165,113.00	रु. 0	रु. 0	रु. 360,751.00
जुलाई, 2013	रु. 144,525.00	रु. 135,323.00	रु. 248,802.00	रु. 3,150.00	रु. 0	रु. 531,800.00
अगस्त, 2013	रु. 144,900.00	रु. 226,354.00	रु. 281,415.00	रु. 1,848.00	रु. 0	रु. 654,517.00
सितम्बर, 2013	रु. 237,965.00	रु. 196,451.00	रु. 376,844.00	रु. 1,851.00	रु. 0	रु. 813,111.00
अक्तूबर, 2013	रु. 218,386.00	रु. 95,407.00	रु. 296,530.00	रु. 1,000.00	रु. 0	रु. 611,323.00
नवम्बर, 2013	रु. 231,672.00	रु. 509,930.00	रु. 247,308.00	रु. 0	रु. 0	रु. 988,910.00
दिसम्बर, 2013	रु. 175,982.00	रु. 81,330.00	रु. 282,401.00	रु. 0	रु. 0	रु. 539,713.00
जनवरी, 2014	रु. 175,982.00	रु. 189,759.00	रु. 501,170.00	रु. 4,697.00	रु. 12,009.00	रु. 883,617.00
फरवरी, 2014	रु. 197,707.00	रु. 95,325.00	रु. 0	रु. 6,790.00	रु. 36,025.00	रु. 335,847.00
मार्च, 2014	रु. 3,500.00	रु. 151,575.00	रु. 932,872.00	रु. 9,848.00	रु. 51,946.00	रु. 1,149,741.00
परिव्यय	**रु. 2,148,304.00**	**रु. 1,906,431.00**	**रु. 3,699,495.00**	**रु. 29,184.00**	**रु. 99,980.00**	**रु. 7,883,394.00**
अक्षय राशि	रु. 0	रु. 65,239.00	रु. 99,586.00	रु. 0	रु. 0	रु. 164,825.00
कुल परिव्यय -बी	**रु. 2,148,304.00**	**रु. 1,841,192.00**	**रु. 3,599,909.00**	**रु. 29,184.00**	**रु. 99,980.00**	**रु.7,718,569.00**
शेष (ए-बी)	**रु. 51,696.00**	**रु. 158,808.00**	**रु. 91.00**	**रु. 70,816.00**	**रु. 20.00**	**रु. 281,431.00**

अध्याय - VIII

पेटेंट सूचना पद्धति एवं राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम)

परिचय:

राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) बौद्धिक सम्पदा अधिकार के क्षेत्र में प्रशिक्षण, प्रबंधन, शोध और शिक्षण हेतु उच्च कोटि का राष्ट्रीय केन्द्र है। यह संस्थान एकस्व एवं अभिकल्प परीक्षकों, व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक संकेत परीक्षकों, बौद्धिक सम्पदा व्यवसाइयों, देश के बौद्धिक सम्पदा प्रबंधकों को प्रशिक्षण देने की और उपयोक्ता समुदायों को मूलभूत शिक्षा उपलब्ध कराने की आवश्यकता की पूर्ति करता है। यह संस्थान सरकार के लिए उपयुक्त अध्ययन रिपोर्ट एवं नीति विश्लेषण बनाने सहित बौद्धिक सम्पदा से संबंधित विषयों पर शोध भी सुलभ कराता है। बौद्धिक सम्पदा अधिकार अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और वाणिज्य के साथ-साथ किसी राष्ट्र के औद्योगिक, आर्थिक और सामाजिक उन्नयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

बौद्धिक सम्पदा अधिकार के सृजन, उपयोग और सार्थक दोहन में कई जटिल मुद्दें शामिल हैं। अत: बौद्धिक सम्पदा अधिकार के क्षेत्र में ज्ञान के संवर्धन के लिए प्रभावी उपाय किए जाने की आवश्यकता है।

राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) और पेटेंट सूचना पद्धति (पीआईएस) दोनों भारत सरकार, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के अधीन कार्य करते हैं और नागपुर में स्थित एक ही भवन में अवस्थित हैं। आरजीएनआईआईपीएम, बौद्धिक सम्पदा अधिकार के क्षेत्र में देश में अपनी तरह का अकेला राष्ट्रीय प्रशिक्षण केन्द्र है जिसका गठन विभिन्न उपयोक्ता समूहों को गुणता-सम्पन्न प्रशिक्षण और शिक्षण उपलब्ध कराने की आवश्यकता की पूर्ति के लिए किया गया है।

उद्देश्य:

राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान का मुख्य उद्देश्य बौद्धिक सम्पदा से संबंधित प्रशिक्षण देना और जागरूकता सृजित करना है। यह संस्थान बौद्धिक सम्पदा के विकास, सृजन, उपयोग और दोहन में सहायता प्रदान करता है। आरजीएनआईआईपीएम, राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित रखने के साथ-साथ वैश्विक नियमों के अनुसार बौद्धिक सम्पदा (आईपी) पद्धति की आवश्यकताओं की पूर्ति करने का प्रयास करता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम:

राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम), नागपुर पेटेंट तथा अन्य बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रणालियों के वास्तविक और संभावित उपयोक्ताओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए बौद्धिक सम्पदा अधिकार अर्थात् एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न विषयक कई प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करता है। इन कार्यक्रमों से उद्योग जगत से जुड़े व्यवसायी, विधि-वृत्तिक तथा संभावित पेटेंट/बौद्धिक

सम्पदा अधिकार एजेंट, अनुसंधान से जुड़े वैज्ञानिक/तकनीकी/अनुसंधान एवं विकास संगठन, उद्योगों के टेक्नोक्रेट्स, लघु तथा मध्यम व्यवसायी, विश्वविद्यालयों से जुड़े लोग, केन्द्र तथा राज्य सरकार/अन्य सरकारी क्षेत्रों में कार्य करने वाले लोग, अन्य आविष्कारक तथा रूचि रखने वाले आम लोग लाभान्वित होते हैं।

परीक्षकों के लिए विभागीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अतिरिक्त इस वित्तीय वर्ष के दौरान में बौद्धिक सम्पदा अधिकार पर कई जन प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किए गए। इन कार्यक्रमों के दौरान अच्छी जन प्रतिक्रिया देखी गई और संस्थान ने उत्साहवर्धक फीडबैक प्राप्त किया।

राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान ने वर्ष के दौरान 14 कार्यक्रम संचालित किए जिनमें पेटेंट कार्यालय के परीक्षकों के लिए 2 कार्यक्रम, आम जनता के लिए दो दिवसीय अवधि के दस कार्यक्रम और पाँच दिवसीय अवधि के दो कार्यक्रम शामिल हैं। प्रतिवेदन अवधि के दौरान जन प्रशिक्षण कार्यक्रम से रु. 6,63,484/- का राजस्व अर्जित किया गया।

संकाय के सदस्य:

प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के लिए संकाय सदस्य के रूप में भारतीय पेटेंट कार्यालय तथा व्यापार चिह्न रजिस्ट्री और अग्रणी पेटेंट एटॉर्नी, प्रोफेसर आदि सहित देश के सुविख्यात संगठनों से बौद्धिक सम्पदा अधिकार के विशेषज्ञ भी होते हैं।

वर्ष 2002-03 से 2013-14 के दौरान संचालित लोक प्रशिक्षण कार्यक्रमों का विवरण

वर्ष	प्रशिक्षण कार्यक्रम की अवधि				परीक्षकों के लिए		आम जनता के लिए एक दिवस	कुल
	एक दिवसीय	दो दिवसीय	तीन दिवसीय	पाँच दिवसीय	90 दिन	30 दिन		
2002-2003	7	2	--	1	--	--	--	10
2003-2004	1	4	--	2	--	--	--	07
2004-2005	5	4	4	5	--	--	--	18
2005-2006	--	--	--	--	--	--	--	--
2006-2007	5	--	2	2	--	--	--	09
2007-2008	1	4	2	2	--	--	--	09
2008-2009	7	11	--	7	--	--	--	25
2009-2010	5	14	--	4	--	--	--	23
2010-2011	1	11	--	2	--	--	5	19
2011-2012	5	12	--	4	--	--	--	21
2012-2013	--	3	--		2	--	7	12
2013-2014	--	10	--	2	--	2	--	14
कुल	37	75	8	31	2	2	12	167

वर्ष 2002-03 से 2013-14 के दौरान अर्जित राजस्व तथा परिव्यय का विवरण
(पीआईएस और आरजीएनआईआईपीएम)

वर्ष	परिव्यय (रु.में)	राजस्व (रु.में)
2002-2003	6,28,602/-	1,13,300/-
2003-2004	5,09,090/-	1,19,950/-
2004-2005	5,32,862/-	1,61,050/-
2005-2006	3,16,051/-	3,750/-
2006-2007	8,20,803/-	91,050/-
2007-2008	3,62,438/-	2,34,446/-
2008-2009	19,94,374/-	4,88,500/-
2009-2010	19,95,497/-	5,67,250/-
2010-2011	15,87,286/-	4,73,600/-
2011-2012	38,14,081/-	6,43,000/-
2012-2013	2,36,63,384/-	1,45,712/-
2013-2014	**2,74,75,934/-**	**6,63,484/-**

राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान में प्रशिक्षण के दौरान समाहित विषय के विवरण

भारत की पेटेंट प्रणाली [2-दिवसीय]

बौद्धिक सम्पदा अधिकार का परिचय, पेटेंट योग्य होने के मापदंड, पेटेंट आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया, परीक्षण प्रक्रिया का परिचय, निरसन, प्रत्यावर्तन, अतिलंघन, पेटेंट सूचना एवं शोध का परिचय।

पेटेंट दस्तावेज/विनिर्देश/प्रारूपन तैयार करना [2-दिवसीय]

बौद्धिक सम्पदा अधिकार का महत्व, पेटेंट योग्य होने के मापदंड, पेटेंट आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया, अनंतिम एवं पूर्ण विनिर्देश, पेटेंट विनिर्देश का लेख, दावे और विनिर्देश का प्रारूपन।

पेटेंट में उन्नत प्रशिक्षण पाठ्यक्रम [5-दिवसीय]

पेटेंट प्रणाली का इतिहास, बौद्धिक सम्पदा अधिकार का परिचय, पेटेंट योग्य होने के मापदंड, पेटेंट आवेदन दाखिल करने की प्रक्रिया, प्रकाशन, अंतर्राष्ट्रीय परिदृश्य एवं दाखिल करने की प्रक्रिया, पेटेंट विनिर्देश का लेख, दावे, पेटेंट विनिर्देश का प्रारूपन, आपत्ति, अतिलंघन, अनिवार्य लाईसेंसिंग एवं प्रौद्योगिकी, पेटेंट सूचना एवं अन्वेषण।

बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रबंधन [2-दिवसीय]

बौद्धिक सम्पदा अधिकार प्रबंधन का संक्षिप्त परिचय, अंतर्राष्ट्रीय तकनीक हस्तांतरण की समीक्षा, भारत में बौद्धिक सम्पदा लाईसेंसिंग।

व्यापार चिह्न का प्रसंस्करण [1-दिवसीय]

बौद्धिक सम्पदा अधिकार का परिचय, व्यापार चिह्न और इसके पंजीकरण की प्रक्रिया, लाईसेंसिंग तथा आपत्ति।

डिजाइन [1-दिवसीय]

बौद्धिक सम्पदा अधिकार का परिचय, औद्योगिक डिजाइन की संरक्षा की आवश्यकता, डिजाइन पंजीकरण हेतु महत्वपूर्ण आवश्यकताएं, औद्योगिक डिजाइन अधिनियम द्वारा जो संरक्षित नहीं है, डिजाइन पंजीकरण हेतु अवधि और शुल्क।

पेटेंट सूचना पद्धति

भारत सरकार ने 1980 में नागपुर में पेटेंट सूचना पद्धति (पीआईएस) कार्यालय की स्थापना की जिसके निम्नलिखित उद्देश्य हैं :

- विश्व स्तर पर पेटेंट विनिर्देशों और पेटेंट से संबंधित साहित्य का विशद् संकलन प्राप्त करना और रखना ताकि अनुसंधान एवं शोध संस्थानों, सरकारी कार्यालयों, उद्योगों, व्यवसायी उद्यमों, आविष्कारकों और भारत के अन्य उपयोक्ताओं की प्रौद्योगिकीय सूचना की आवश्यकता को पूरा किया जा सके।
- अन्वेषण सेवा तथा पेटेंट विनिर्देश की प्रतियों की आपूर्ति सेवा के माध्यम से पेटेंट में निहित प्रौद्योगिकीय सूचना उपलब्ध कराना।

पेटेंट सूचना प्राप्ति और प्रसार के लिए पेटेंट अभिलेखों के आधार पर पीआईएस उपयोक्ताओं की आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। पीआईएस उपयुक्त शुल्क का भुगतान करने पर पेटेंट सूचना सेवा प्रदान करता है।

पेटेंट सूचना पद्धति विश्व स्तर पर पेटेंट विनिर्देशों और पेटेंट से संबंधित साहित्य का विशद् संकलन रखता है एवं अन्वेषण सेवा एवं पेटेंट प्रति आपूर्ति सेवा के माध्यम से भारत में बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के विभिन्न उपयोक्ताओं को पेटेंट या पेटेंट से सम्बद्ध साहित्य में निहित जानकारी उपलब्ध कराता है।

पीआईएस की सेवाएँ

क. पेटेंट अन्वेषण सेवाएँ

आविष्कार और सृजन के लिए पेटेंट अभिलेखों में निहित तकनीकी सूचना तक पहुँच पेटेंट प्रणाली के उपयोग को बढ़ावा देने का प्रमुख कारक है। इस कारण पेटेंट सूचना सेवा प्रदान करने की शुरूआत हुई और माँगें जाने पर विभिन्न सशुल्क पेटेंट सेवाओं का अद्यतीकरण किया गया। संक्षेप में अन्वेषण सेवाएँ निम्नलिखित हैं।

1. **आधुनिकीकृत सेवा:**
   कार्यालय में उपलब्ध पेटेंट दस्तावेज और ऑनलाइन निःशुल्क पेटेंट डाटाबेस के आधार पर किसी विशिष्ट प्रौद्योगिकीय क्षेत्र में आधुनिकीकृत आधार पर रिपोर्ट, ऐसा अनुरोध प्राप्त होने पर, प्रदान करना। यह सेवा आधुनिकीकृत सेवा का पूर्वावलोकन प्रदान करता है। यह खोज रिपोर्ट उपयोक्ता के अनुरोध के अनुसार तकनीक के किसी क्षेत्र-विशेष के तहत अन्वेषित पेटेंट दस्तावेज के सार तथा संदर्भगत आँकड़े प्रदान करती है।
2. **संदर्भगत अन्वेषण:**
   यह सेवा अन्वेषित पेटेंट दस्तावेज के केवल संदर्भगत आँकड़े उपलब्ध कराती है। संदर्भगत अवयवों में प्रकाशन संख्या और तारीख, प्रायिकता संख्या (संख्याएँ) और तारीख (तारीखें), आवेदन संख्या और तारीख, अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट वर्गीकरण, आवेदक का नाम, आविष्कारक का नाम, शीर्षक और सार शामिल हैं।

3. **अंग्रेजी समरूपी पेटेंट अन्वेषण:**
प्रकाशित पेटेंट आवेदनों और अनुदानित पेटेंट के समरूपी पेटेट दस्तावेज पर सूचना प्रदान करना। अंग्रेजी भाषा के अतिरिक्त अन्य भाषाओं के पेटेंट के लिए अंग्रेजी भाषा समरूप पेटेंट का निर्धारण किया जाता है।

4. **पेटेंट परिवार अन्वेषण:**
पेटेंट परिवार सेवा, पेटेंट परिवार के सभी सदस्यों के संदर्भगत आँकड़े उपलब्ध कराता है। अनेक प्रायिकता दावा वाले पेटेंट स्वयंमेव शामिल हैं।

5. **सहायक अन्वेषण:**
उपयोक्ताओं को अन्वेषण संचालित करने के लिए पेटेंट सूचना पद्धति, द्वारा खरीदे गए डाटाबेस, सीडीरोम, जर्नल आदि का उपयोग करने की अनुमति होती है। अन्वेषण करने में सामान्य सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

ख. पेटेंट प्रति आपूर्ति सेवा

1. पेटेंट सूचना पद्धति विदेशों के पेटेंट दस्तावेज का पूर्ण पाठ उपलब्ध कराती है जो इस कार्यालय में उपलब्ध है।

2. भारतीय पेटेंट विर्निदेश की छाया प्रति भी पीआईएस द्वारा उपलब्ध कराई जाती है।

प्रदत्त सेवाओं की शुल्क संरचना:

प्रदत्त सेवाएं	शुल्क
आधुनिकीकृत सेवा	रु. 2000+20 प्रति रिपोर्टेड पेटेंट का सार
संदर्भगत अन्वेषण	रु. 500+5 प्रति रिपोर्टेड दस्तावेज
अंग्रेजी समरूपी पेटेंट अन्वेषण	रु. 50/- एक अंग्रेजी भाषा समरूपी पेटेंट ज्ञात करने के लिए
समरूपी परिवार पेटेंट अन्वेषण	रु. 50/- प्रति परिवार सदस्य
सहायक अन्वेषण	रु. 250/- उपयोग की गई सुविधा के प्रत्येक घंटे
पेटेंट प्रति आपूर्ति सेवा	भारतीय पेटेंट की छाया प्रतियां @ रु. 8/-
	स्वयं के पास उपलब्ध विदेशी पेटेंट की प्रति रु.300/- प्रति पेटेंट
सार/दावे की प्रति	पेटेंट के सार/मुख्य दावे की प्रति रु.25/-प्रति सार/मुख्य दावा

सूचना अधिकार अधिनियम, 2005

पीआईएस और आरजीएनआईआईपीएम कार्यालय, सूचना अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत सूचना प्रदान करते हैं। वर्ष 2013-14 के दौरान कार्यालय ने आरटीआई के तहत 15 आवेदन प्राप्त किए। सभी अवेदनों का निष्पादन केन्द्रीय जन सूचना अधिकारी के स्तर से कर दिया गया और प्रथम अपील प्राधिकारी को प्राप्त दो अपीलों का निष्पादन भी कर दिया गया।

अध्याय -IX

प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं बर्हि-क्रियाकलाप

1. परिचय

भारत सरकार ने बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के लिए क्षमता सृजन तथा मानव संसाधन विकास हेतु महत्वपूर्ण पहल की हैं। पेटेंट तथा व्यापार चिह्न परीक्षकों एवं अन्य अधिशासियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम केवल भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी आयोजित किए गए हैं।

भारत सरकार ने आम जनता के साथ-साथ शोध व विकास संस्थानों, वैज्ञानिक संस्थानों एवं विश्वविद्यालय के लिए संपर्क कार्यक्रम संचालित करने की दिशा में भी पहल की है। ये प्रयास महत्वपूर्ण मुद्दों और सरोकारों की विस्तृत समझ बनाने, बौद्धिक सम्पदा अधिकार की सुरक्षा और प्रवर्तन विषयक ज्ञान प्रदान करने और जागरूकता बढ़ाने के साथ-साथ व्यवसायों का सशक्तीकरण करने के लिए बौद्धिक सम्पदा अधिकार का लाभ उठाने पर केन्द्रित रहे। बौद्धिक सम्पदा कार्यालय के अधिकारी, वायपो, विश्वविद्यालयों, टीआईएफएसी, एनआरडीसी, फिक्की, सीआईआई, एसोचेम, एनआईडी आदि जैसे औद्योगिक संगठनों द्वारा संचालित जागरूकता कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्ति के रूप में नियमित भाग लेते रहे हैं।

2. प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2013-14 के दौरान कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न के अधिकारियों ने वायपो और विदेशी बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों द्वारा संचालित विभिन्न प्रशिक्षण, सेमिनार और कार्यशालाओं में प्रतिभागिता दी। इन अधिकारियों ने जिन प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया उनके वर्णन निम्नवत् है:

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम
1	7 से 8 अप्रैल, 2013 तक जिनेवा में नवनिर्माण और बौद्धिक सम्पदा से संबंधित भारत की पहल और नीति विषयक उच्च स्तरीय नीति वार्ता।
2	15 से 19 अप्रैल, 2013 तक जिनेवा में वायपो की मानक समिति (सीडब्ल्यूएस) का तीसरा सत्र्
3	17 से 26 अप्रैल, 2013 तक आईआईपीटीआई, डाइजॉन, कोरिया गणराज्य में ट्रेड मार्क कानून और परीक्षा पर कार्यशाला
4	27 से 31 मई, 2013 तक जिनेवा में व्यापार चिह्न के विधान, औद्योगिक डिजाइन और भौगोलिक उपदर्शन (एससीटी) पर वायपो की स्थायी समिति का 29वॉं सत्र
5	27 मई से 7 जून, 2013 तक रोले, स्विट्जरलैंड में भौगोलिक उपदर्शन पर प्रशिक्षण कार्यक्रम
6	17/09/2013 से 29/11/2013 तक जेपीओ/आईपीआर पेटेंट प्रैक्टिकल & टेलर्ड प्रशिक्षण कार्यक्रम
7	23 से 27 सितम्बर, 2013 तक जिनेवा में वायपो के सदस्य देशों का सम्मेलन-बैठक की 51वीं शृखंला
8	23 सितम्बर से 2 अक्तूबर, 2013 तक जिनेवा में वायपो के सदस्य देशों का सम्मेलन-बैठक की 51वीं शृखंला (मैड्रिड यूनियन असेम्बली और पीसीटी यूनियम असेम्बली)

9	22 से 24 अक्तूबर, 2013 तक डाइजॉन, कोरिया गणराज्य में बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों के आय संरक्षा और वित्तीय पूर्व अनुमान पर क्षेत्रीय कार्यशाला।
10	30 अक्तूबर से 1 नवम्बर, 2013 तक जेनेवा में चिह्न के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण के लिए मैड्रिड प्रणाली के विधायी विभाग की वायपो की कार्यकारी समूह का ग्यारहवाँ सत्र।
11	28 अक्तूबर से 8 नवम्बर, 2013 तक टोक्यो, जापान में बौद्धिक सम्पदा प्रशासन में सूचना प्रौद्योगिकी के प्रयोग पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।
12	4 से 8 नवम्बर, 2013 तक जिनेवा में व्यापार चिह्न के विधान, औद्योगिक डिजाइन और भौगोलिक उपदर्शन (एससीटी) पर वायपो की स्थायी समिति का 30वॉ सत्र।
13	11 से 22 नवम्बर, 2013 तक टोक्यो में औद्योगिक सम्पदा के परीक्षण (इंटरमीडियट/एडवांस्ड कार्यक्रम) पर वायपो प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।
14	13 से 15 नवम्बर, 2013 तक जेनेवा में चिह्न के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण के लिए मैड्रिड प्रणाली के क्रियान्वयन पर राष्ट्रीय कार्यालयों के लिए प्रशिक्षण कार्यशाला।
15	18 से 22 नवम्बर, 2013 तक मनीला, फिलीपिंस में नाइस, विएना और लोकार्नो वर्गीकरण प्रणाली पर क्षेत्रीय कार्यशाला।
16	3 से 4 दिसम्बर, 2013 तक सियोल, कोरिया गणतंत्र में सियोल अंतर्राष्ट्रीय व्यापार चिह्न और डिजाइन सम्मेलन के दौरान हेग और मैड्रिड प्रणाली के क्रियान्वयन पर वायपो-कायपो अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी।
17	9 से 10 दिसम्बर, 2013 तक सिंगापुर में आयोजित औद्योगिक डिजाइन के अंतर्राष्ट्रीय पंजीकरण के लिए औद्योगिक डिजाइन और हेग प्रणाली पर क्षेत्रीय सेमिनार।
18	11 से 12 दिसम्बर, 2013 तक टोक्यो, जापान में पेटेंट वर्गीकरण प्रणाली की प्रभावी उपयोगिता पर क्षेत्रीय सेमिनार।
19	10 से 12 दिसम्बर तक यूएसपीटीओ, एलेक्जेंड्रिया, वर्जिनिया, यूएसए में उनके पेटेंट डाटाबेस का अध्ययन करने के लिए अध्ययन और प्रशिक्षण।
20	17 से 19 दिसम्बर, 2013 तक फिलीपिंस में बौद्धिक सम्पदा सांख्यिकी के विकास और प्रभावी उपयोग पर वायपो क्षेत्रीय सेमिनार।
21	27 से 31 जनवरी, 2014 तक जेनेवा में पेटेंट के विधान पर स्थायी समिति (एससीपी) का 20वाँ सत्र।
22	27 से 31 जनवरी, 2014 तक म्यूनिख, जर्मनी में उनके पेटेंट डाटाबेस का अध्ययन करने के लिए अध्ययन और प्रशिक्षण।
23	29 जनवरी से 5 फरवरी, 2014 तक टोक्यो, जापान में परिणाम आधारित बौद्धिक सम्पदा कार्यालय योजना के गठन और क्रियान्वयन के बौद्धिक सम्पदा (आईपी) प्रबंधन पर प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।
24	12 से 19 फरवरी, 2014 तक टोक्यो, जापान में निर्दिष्ट प्रौद्योगिकी (जैवतकनीक) पर पेटेंट परीक्षकों के लिए वायपो प्रशिक्षण पाठ्यक्रम।
25	10 से 14 मार्च, 2014 तक एलिकांटे, स्पेन में ऑफिस फोर हार्मोनाइजेशन इन द इंटरनल मार्केट (ओएचआईएम) बौद्धिक सम्पदा सेमिनार ।

3. जागरूकता कार्यक्रम

बौद्धिक सम्पदा अधिकार के बारे में और अधिक जागरूकता सृजित करने के अपने प्रयास के अंश के रूप में कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न ने 2013-14 के दौरान 28 कार्यक्रम संचालित/वित्त प्रदान किए जिसमें लगभग 2500 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

वर्ष 2013-14 के दौरान कार्यालय ने पहली बार सूक्ष्म, लघु और मध्यम क्षेत्र के उद्यमियों में जागरूकता बढ़ाने के लिए लघु उद्योग समूहों के बीच जागरूकता अभियान चलाया। औद्योगिक समूहों, सीआईआई, फिक्की, एसोचेम के साथ मिलकर देश के विभिन्न भागों में 12 कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों में शामिल हितधारकों की प्रतिक्रिया उत्साहवर्धक थी।

इसके अतिरिक्त कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न के अधिशासियों ने वायपो, विश्वविद्यालयों, टीआईएफएसी, एनआरडीसी, फिक्की, सीआईआई, एसोचेम, एनआईडी आदि जैसे अन्य संगठनों द्वारा आयोजित कई जागरूकता कार्यक्रमों में संसाधन व्यक्तियों के रूप में भागीदारी की।

आरजीएनआईआईपीएम, नागपुर ने बौद्धिक सम्पदा पर 14 जागरूकता एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएं संचालित की जहाँ लगभग 600 प्रतिभागी उपस्थित हुए जिन्हें बौद्धिक सम्पदा अधिकार की महता से परिचित कराया गया।

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री ने भारतीय भौगोलिक उपदर्शन के पंजीकरण को बढ़ावा देने के लिए देश भर में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए। जिन क्षेत्रों पर विशेष ध्यान दिया गया वे हैं चाय, कॉफी, चावल, मसाले, तम्बाकू, बागवानी उत्पाद, हस्तकरघा उत्पाद, हस्त शिल्प, वस्त्र, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ तथा स्प्रिट एवं वाइन। इस वित्त वर्ष के दौरान रजिस्ट्री कार्यालय द्वारा 10 (दस) सूक्ष्मग्राही सेमिनार/कार्यशालाएं संचालित की गई और लगभग 1000 प्रतिभागियों ने इन कार्यक्रमों में अपनी प्रतिभागिता दी ।

अध्याय - X

मानव संसाधन

1.परिचय:

कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प एवं व्यापार चिह्न के अधीक्षण एवं प्रशासनिक नियंत्रण के अंतर्गत पेटेंट कार्यालय, व्यापार चिह्न रजिस्ट्री, भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री, पेटेंट सूचना पद्धति एवं राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान अपनी गतिविधियाँ निष्पादित करते हैं। भारत सरकार ने 11वीं योजना के दौरान सेवाओं को सक्षम तरीके से प्रदान करने के लिए मानव संसाधन के सुदृढ़ीकरण एवं संवर्द्धन हेतु 414 पदों की संस्तुति प्रदान की है। इनमें 200 पेटेंट परीक्षकों के पद तथा 37 व्यापार चिह्न परीक्षकों के पद शामिल हैं। इसके साथ ही साथ सरकार ने राजीव गाँधी राष्ट्रीय बौद्धिक सम्पदा प्रबंधन संस्थान (आरजीएनआईआईपीएम) के लिए 12 अतिरिक्त पद भी सृजित किए हैं।

परीक्षक, एकस्व व अभिकल्प के रिक्त पदों को भरने के लिए सीजीपीडीटीएम ने परीक्षक, एकस्व एवं अभिकल्प के पद पर नियुक्ति हेतु परीक्षा संचालित करने के लिए शोध और मूल्यांकन परिषद, वैज्ञानिक और औद्योगिक शोध संस्थान (सीएसआईआर) के साथ एक सहमति की थी। तदनुसार, जनवरी 2011 में 257 पेटेंट परीक्षकों की नियुक्ति हेतु एक अखिल भारतीय परीक्षा आयोजित की गई। इन 257 चयनित अभ्यर्थियों में से प्रतिवेदन वर्ष में 164 ने भारतीय पेटेंट कार्यालय के विभिन्न स्थानों पर परीक्षक के रूप में कार्यग्रहण किया। 31मार्च, 2014 तक कुल परीक्षकों की संख्या 196 थी जिनमें से 60 गैर योजना के तहत और 136 परीक्षक योजना के तहत थे।

2. विभिन्न बौद्धिक सम्पदा कार्यालयों में मानव संसाधन:

क. मुम्बई में स्थित कार्यालय महानियंत्रक एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न:

कार्यालय महानियंत्रक, एकस्व, अभिकल्प व व्यापार चिह्न मुख्यालय में निम्नलिखित सहायककर्मी हैं। हालाँकि, इस कार्यालय के सहज परिचालन के लिए पेटेंट और व्यापार चिह्न कार्यालयों से अधिशासी प्रतिनियुक्त किए गए हैं।

31 मार्च, 2014 तक कार्यालय सीजीपीडीटीएम की गैर योजना के तहत कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र.सं.	पदनाम	अनुमोदित शक्ति	नियोजित शक्ति
1.	महानियंत्रक	1	1
2.	निजी सचिव	1	1
3.	स्टाफ कार ड्राइवर	1	1
4.	मल्टी-टास्किंग स्टाफ	2	1
	कुल	5	4

ख. पेटेंट कार्यालय में मानव संसाधन:

पेटेंट कार्यालयों की कार्मिक शक्ति **परिशिष्ट-क** में दर्शायी गई है। यह परिशिष्ट सभी चार कार्यालयों में अनुमोदित कार्य-शक्ति के साथ-साथ नियोजित कार्मिक शक्ति की भी सूचना प्रदान करता है।

ग. व्यापार चिह्न रजिस्ट्री में मानव संसाधन:

दिनांक 31.03.2014 तक स्वीकृत पद तथा कार्यशील कार्मिक शक्ति का विवरण **परिशिष्ट ख** में दिया गया है।

घ. भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में मानव संसाधन:

भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री का अपना अलग अनुमोदित मानव संसाधन है। इस कार्यालय में कार्यरत कर्मियों की सूची **परिशिष्ट-ग** में दी गई है।

ङ. पीआईएस एवं आरजीएनआईआईपीएम में मानव संसाधन:

पीआईएस एवं आरजीएनआईआईपीएम के अधिकारियों एवं कार्मिक शक्ति का विवरण **परिशिष्ट-घ** में दिया गया है।

परिशिष्ट- क

31 मार्च, 2014 को अधिकारी व कर्मचारियों की कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. स.	पदनाम	वर्ग	अनुमोदित शक्ति										नियोजित शक्ति									
			कोलकाता		मुम्बई		चेन्नई		दिल्ली		कुल		कोलकाता		मुम्बई		चेन्नई		दिल्ली		कुल	
			गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.
1	वरिष्ठ संयुक्त नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	0	0	0	0	1	0	0	1	1	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
2	संयुक्त नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	0	1	1	0	0	0	1	0	2	1	0	1	1	0	0	0	1	0	2	1
3	उप नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	2	1	1	2	1	2	3	3	7	8	2	1	0	2	1	0	1	2	4	5
4	सहायक नियंत्रक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	12	4	6	5	4	16	11	16	33	41	12	4	6	5	4	16	11	15	33	40
5	परीक्षक, एकस्व व अभिकल्प	समूह क	30	28*	27	14*	38	31*	42	63*	137	200*	7	28	8	14	18	31	27	63	60	136
6	हिन्दी अधिकारी	समूह क	1	0	0	0	0	0	0	0	1	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
7	सिस्टम एनालिस्ट/ कम्प्यूटर प्रोगामर	समूह क	--	--	--	--	--	--	--	--	--	2*	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0
		कुल	45	34	35	21	44	50	57	83	181	253	22	34	15	21	23	47	40	80	99	182
1	प्रशासनिक अधिकारी	समूह ख	1	0	1	0	1	0	1	0	4	0	1	0	1	0	1	0	1	0	4	0
2	सहायक पुस्तकाध्यक्ष व सूचना अधिकारी	समूह ख	1	--	--	1	--	--	--	--	1	1	1	--	--	1	--	--	--	--	1	1
3	लेखा अधिकारी	समूह ख	--	--	--	--	--	--	--	--	--	1*	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0
4	जन सूचना अधिकारी	समूह ख	--	--	--	--	--	--	--	--	--	1*	--	--	--	--	--	--	--	--	--	0
		कुल	2	--	1	1	1	--	1	--	5	3	2	--	1	1	1	--	1	--	5	1

* बाद में वितरण

क्र. स.	पदनाम	वर्ग	अनुमोदित शक्ति										नियोजित शक्ति									
			कोलकाता		मुम्बई		चेन्नई		दिल्ली		कुल		कोलकाता		मुम्बई		चेन्नई		दिल्ली		कुल	
			गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.	गै. यो.	यो.
1	कार्यालय अधीक्षक	समूह ख (अराजपत्रित)	19	-	12	2	11	3	12	2	54	7	19	-	9	-	4	-	11	-	39	-
2	पुस्तकालय सूचना सहायक	समूह ख (अराजपत्रित)	1	-	1	-	1	-	2	-	5	-	-	-	-	-	-	-	1	-	1	-
3	क.हिन्दी अनुवादक	समूह ख (अराजपत्रित)	1	-	1	-	1	-	1	-	4	-	1	-	-	-	-	-	1	-	2	-
4	आशुलिपिक वर्ग-1	समूह ख (अराजपत्रित)	4	-	2	-	2	-	2	-	10	10*	2	-	2	-	2	-	2	-	8	-
5	एकॉउंटेन्ट	समूह ख (अराजपत्रित)	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1*	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
6	फोटोग्राफी सहायक	समूह ग	1	-	1	-	1	-	1	-	4	-	1	-	1	-	1	-	1	-	4	-
7	आशुलिपिक - वर्ग-II	समूह ग	1	-	-	-	-	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1	-
8	प्रवर श्रेणी लिपिक	समूह ग	39	-	3	-	6	-	9	-	57	-	33	-	3	-	6	-	9	-	51	-
9	निम्न श्रेणी लिपिक	समूह ग	18	-	2	-	10	-	14	-	44	-	11	-	1	-	9	-	11	-	29	-
10	हिन्दी टंकक	समूह ग	1	-	-	-	-	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	-	-	1	-
11	डाटा इंट्री ऑपरेटर	समूह ग	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2*	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-
12	रिसेपस्नीस्ट	समूह ग	-	-	-	5	-	7	-	8	-	20	-	-	-	5	-	1	-	3	-	9
13	मल्टी-टास्क स्टाफ	समूह ग	42	-	5	2	10	1	10	4	67	7	35	-	3	2	8	1	6	4	50	7
		कुल	127	-	27	9	42	11	51	14	247	47	104	-	19	7	30	2	42	7	186	16

* पद भरे जाने के बाद में वितरण।

परिशिष्ट-ख

31 मार्च, 2014 तक व्यापार चिह्न कार्यालय में गैर योजना के तहत कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. सं.	पदों के नाम समूह "क"	अनुमोदित शक्ति						नियोजित शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	1	1	-	1	-	3	-	-	-	-	-	0
2	उप पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	1	1	1	1	1	5	-	1	1	1	-	3
3	सहायक पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	3	1	1	2	2	9	3	1	1	2	2	9
4	वरिष्ठ परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	6	1	1	2	1	11	6	1	-	2	-	9
5	हिन्दी अधिकारी	1	-	-	-	-	1	1	-	-	-	-	1
	कुल	12	4	3	6	4	29	10	3	2	5	2	22

क्र. सं	पदों के नाम समूह "ख"	अनुमोदित शक्ति						नियोजित शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ.उ.	14	2	2	4	2	24	13	2	2	4	2	23
2	प्रशासनिक अधिकारी	1	-	-	-	-	1	0	-	-	-	-	0
3	सहायक पुस्तकाध्यक्ष व सूचना अधिकारी	1	-	-	-	-	1	1	-	-	-	-	1
4	निजी सचिव	2	-	-	-	-	2	2	-	-	-	-	2
5	जन संपर्क अधिकारी	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
	कुल	19	2	2	4	2	29	16	2	2	4	2	26

31 मार्च, 2014 तक व्यापार चिह्न कार्यालय में योजना के तहत कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. सं	पदों के नाम समूह "क"	अनुमोदित शक्ति						नियोजित शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	वरिष्ठ संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
2	संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	-	-	1	-	-	1	-	-	-	-	-	0
3	उप पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	2	1	1	1	-	5	-	-	-	-	-	0
4	सहायक पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	2	1	2+1*	3	1	10	-	-	-	-	-	0
5	वरिष्ठ परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	4	1	3+1*	3	1	13	4	-	3	-	-	7
6	विधि अधिकारी	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
7	प्रोग्रामर/आईटी विशेषज्ञ	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	0
	कुल	10	3	9	8	2	32	4	-	3	-	-	7

*** भौ.उ.रजिस्ट्री के लिए**

क्र. सं	पदों के नाम समूह "ख"	अनुमोदित शक्ति						नियोजित शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ. उ.	12	4	4+2*	12	3	16@ 37	6@ 27	0@ 0	0@ 0	0@ 1	0@ 0	6@ 28
2	प्रशासनिक अधिकारी	-	-	-	1	-	1	-	-	-	1	-	1
3	सहायक पुस्तकाध्यक्ष व सूचना अधिकारी	-	-	1	-	-	1	-	-	-	-	-	0
4	निजी सचिव	-	-	1	1	-	2	-	-	1	1	-	2
5	जन संपर्क अधिकारी	-	-	-	1	-	1	-	-	-	-	-	0
	कुल	12	4	8	15	3	42	27	0	1	3	0	31

* भौ.उ.रजिस्ट्री के लिए
@ संविदा के आधार पर परीक्षक, व्यापार चिह्न

परिशिष्ट-ख

31 मार्च, 2014 तक व्यापार चिह्न कार्यालय में गैर योजना के तहत कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. सं	पदों के नाम समूह "ग"	अनुमोदित शक्ति						नियोजित शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	कार्यालय अधीक्षक	4	1	-	1	-	6	1	1	-	1	-	3
2	पुस्तकालय व सूचना सहायक	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-
3	आशुलिपिक समूह I	3	2	2	2	1	10	2	2	2	1	1	8
4	सहायक परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौगोलिक उपदर्शन	11	2	2	3	3	21	4	2	1	3	3	13
5	कनिष्ठ हिन्दी अनुवादक	1	-	-	1	-	2	-	-	-	-	-	-
	कुल	20	5	4	7	4	40	7	5	3	5	4	24

क्र. सं	पदों के नाम समूह "ग"	अनुमोदित शक्ति						नियोजित शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	सहायक अधीक्षक	6	4	1	-	-	11	5	3	1	-	-	9
2	फोटोग्राफी सहायक	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	-
3	रोकड़िया	1	1	1	1	-	4	1	-	-	1	-	2
4	प्रवर श्रेणी लिपिक	26	5	4	4	3	42	18	4	4	1	1	28
5	आशुलिपिक समूह II	-	1	1	1	-	3	-	-	-	1	-	1
6	अवर श्रेणी लिपिक	20	6	7	2	3	38	8	3	3+1#	1	-	16
7	हिन्दी टंकक	1	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	0
8	मल्टी-टास्किंग स्टाफ	28	8	8	9	4	57	25	5	8	5	2	45
	कुल	83	25	22	17	10	157	57	15	17	9	3	101

#वर्तमान में भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में कार्यरत

31 मार्च, 2014 तक व्यापार चिह्न कार्यालय में योजना के तहत कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र. सं	पदों के नाम समूह "ख" (अराजपत्रित)	अनुमोदित शक्ति						नियोजित शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	आशुलिपिक समूह I	1	2	2+1*	3	1	10	-	-	-	-	-	-
2	सहायक पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.उपदर्शन	5	-	1	4	3	13	1	-	-	-	-	1
	कुल	6	2	4	7	4	23	1	-	-	-	-	1

* भौ.उ.रजिस्ट्री के लिए

क्र. सं	पदों के नाम समूह "ग"	अनुमोदित शक्ति						नियोजित शक्ति					
		मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल	मुम्बई	कोलकाता	चेन्नई	दिल्ली	अहमदाबाद	कुल
1	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	-	2	4	4	2	12	-	1	2	4	-	7
2	मल्टी-टास्किंग स्टाफ	-	-	-	1	1	2	-	-	-	-	1	1
	कुल	-	2	4	5	3	14		1	2	4	1	8

परिशिष्ट-ग

31 मार्च, 2014 तक भौगोलिक उपदर्शन रजिस्ट्री में गैर योजना के तहत कार्मिक शक्ति का विवरण

क्र.सं.	पदनाम	अनुमोदित शक्ति	नियोजित शक्ति
1.	वरिष्ठ संयुक्त पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.उपदर्शन	1	0
2.	सहायक पंजीकार, व्यापार चिह्न व भौ.उपदर्शन	1	1
3.	वरिष्ठ परीक्षक, व्यापार चिह्न व भौ.उपदर्शन	1	0
4.	आशुलिपिक समूह-II	1	1
5.	मल्टी-टास्किंग स्टाफ	1	1
	कुल	5	3

परिशिष्ट-घ

पीआईएस और आरजीएनआईआईपीएम के अधिकारियों और कार्मिक शक्ति का विवरण

	पद का नाम	अनुमोदित	रिक्त	31.3.2014 तक नियोजित शक्ति
	राजपत्रित अधिकारी			
1.	वरिष्ठ प्रलेखन अधिकारी	2	1	1 वरिष्ठ प्रलेखन अधिकारी दिनांक 31.12.2012* को सेवा निवृत्त
2.	वरिष्ठ प्रोग्रामर	1	1	31.8.2012* को सेवा निवृत्त
3.	रिप्रोग्राफी अधिकारी	1	1	31.05.2013* को सेवा निवृत्त
	कुल	4	3	1
	अराजपत्रित			
1	कार्यालय अधीक्षक	1	-	1
2	वरिष्ठ प्रलेखन सहायक	1	-	1
3	कनिष्ठ प्रलेखन सहायक	1	-	1
4	कनिष्ठ रिप्रोग्राफी सहायक	3	-	3
5	सहायक अधीक्षक	1	-	1
6	भंडार सहायक	1	-	1
7	आशुलिपिक	2	1	1 [28.02.2013 को सेवानिवृत्त]
8	कनिष्ठ हिंदी अनुवादक	1	-	1
9	शेल्फ सहायक	1	-	1
10	प्रवर श्रेणी लिपिक	3	-	3
11	स्वागतकर्त्ता	1	-	1[वेतन एवं लेखा कार्यालय शिपिंग, मुम्बई में प्रतिनियुक्ति पर]
12	डाटा एन्ट्री ऑपरेटर	2	-	2
13	हिंदी टंकक	1	-	1
14	अवर श्रेणी लिपिक	3	-	3
15	एमटीएस	6	-	6
	कुल	28	01	27
	कुल [राजपत्रित और अराजपत्रित]	32	04	28